दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

6 | अभिव्यक्ति   3 | राजधानी   7 | आंचलिक   12 | देश-विदेश

रांची रविवार, 19 अप्रैल, 2026, वैशाख शुक्लपक्ष द्वितीया, विक्रम संवत-2084 वर्ष-11 अंक-05 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

//-- सुविचार --//

डर के आगे झुकना आपको सुरक्षित नहीं रखता, यह आपको प्रयास करने, सीखने और सफल होने से रोकता है।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:25
अस्त : 06:11

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	39.0	23.0
जमशेदपुर	42.0	26.0
हजारीबाग	40.0	23.0
डालटनगंज	44.0	24.0

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के समर्थन में उतरे जेएमएम प्रमुख हेमंत सोरेन, कहा

भाजपा की नीति फूट डालो और राज करो

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रमुख हेमंत सोरेन ने पश्चिम बंगाल में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत की। हेमंत सोरेन ने पुरुलिया जिले के मानबाजार विधानसभा से टीएमसी प्रत्याशी संध्या रानी और काशीपुर में सोमेश बेलथरिया के लिए चुनाव प्रचार किया। हेमंत सोरेन की जनसभा में भारी भीड़ उमड़ी।

जेएमएम प्रमुख हेमंत सोरेन ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बीजेपी फूट डालो और राज करो की नीति पर चल रही है। बीजेपी ने समाज में जहर भरने का काम किया है। उसने आदिवासी को आदिवासी से, हिंदू को मुस्लिम से और अगड़ा को पिछड़ा से लड़ाने का काम किया है। दुनिया भर के लोग बीजेपी की राजनीति को बहुत बुरी नजर से देखते है।

महिला आरक्षण बिल को लेकर भाजपा पर निशाना

झारखंड सीमा से लगे काशीपुर विधानसभा क्षेत्र में हेमंत सोरेन जनसभा में आई भीड़ को देखकर बहुत उत्साहित हुए। उन्होंने एक ओर पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के समर्थन में वोट मांगा तो दूसरी ओर बीजेपी पर जमकर हमला बोला। हेमंत सोरेन ने महिला आरक्षण बिल के बहाने बीजेपी पर खूब निशाना साधा और कहा कि बीजेपी पहले अपना इतिहास देखे कि महिलाओं के प्रति उनका क्या व्यवहार रहा है।

ममता बनर्जी को हर वर्ग का समर्थन

हेमंत सोरेन ने कहा कि पश्चिम बंगाल का यह चुनाव एक निर्णायक चुनाव है। ममता बनर्जी भाजपा जैसी फिरकापरस्त पार्टी के साथ लड़ रही हैं। जेएमएम भी ममता दीदी की इस लड़ाई में उनके साथ हैं। पश्चिम बंगाल की जनता दीदी के साथ खड़ी है। पश्चिमबंगाल का हर एक वर्ग आदिवासी, दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक, अमीर और गरीब ममता दीदी के साथ खड़ा है।

भविष्य की रक्षा का चुनाव

हेमंत सोरेन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज काशीपुर की धरती पर उमड़े जनसैलाब ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनता अन्याय, विभाजन और नफरत की राजनीति को नकार चुकी है। यह चुनाव सिर्फ सरकार चुनने का नहीं, बल्कि अपनी अस्मिता, अपने अधिकार और अपने भविष्य की रक्षा का चुनाव है।

ममता बनर्जी संघर्ष और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं

जेएमएम प्रमुख हेमंत सोरेन ने कहा कि ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल के लोगों के संघर्ष और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। तृणमूल कांग्रेस ने झामुमो की तरह हमेशा जनहित, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की राजनीति की है। उन्होंने कहा कि यही रास्ता देश को आगे ले जा सकता है।

विपक्ष की आवाजी दबाने की हो रही है कोशिश

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि आज देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने, विपक्ष की आवाजी दबाने और समाज को बांटने की कोशिश हो रही है। ऐसे समय में पश्चिम बंगाल की जनता ने हमेशा की तरह एक मजबूत संदेश देने का काम किया है कि यहां की राजनीति विकास, भाईचारे और सम्मान की होगी, न कि डर और विभाजन की।

संक्षिप्त खबरें

रांची जीपीओ से लॉजिस्टिक पोस्ट सेवा हुई शुरू

रांची। रांची डाक मंडल की ओर से शनिवार को रांची जीपीओ से लॉजिस्टिक पोस्ट सेवा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि निदेशक डाक सेवाएं झारखंड परिमंडल, राम विलास चौधरी सहित अन्य डाक पदाधिकारियों ने रांची-सिमडेगा मार्ग के लिए पहली लॉजिस्टिक पोस्ट गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मौके पर निदेशक राम विलास चौधरी ने कहा कि यह पहल राज्य के व्यापारिक एवं औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी। उन्होंने बताया कि लॉजिस्टिक पोस्ट सेवा के माध्यम से ग्राहकों को किफायती दरों पर तेज और सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।

मणिपुर के पांच जिलों में इंटरनेट सेवा बहाल, हटाया गया प्रतिबंध

इम्फाल। कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा और आम जनता को हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए मणिपुर सरकार ने पांच जिलों इम्फाल पश्चिम, इम्फाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर में सभी मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं पर लगाया गया अस्थायी प्रतिबंध हटा लिया है। उल्लेखनीय है कि इन जिलों में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने के बाद 7 अप्रैल को प्रारंभ में तीन दिनों के लिए मोबाइल डेटा सेवाएं, ब्रॉडबैंड, वीसेट और वीपीएन सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं। बाद में इस प्रतिबंध को समय-समय पर बढ़ाया गया, हालांकि आईएलएल और एफटीटीएच जैसी कुछ ब्रॉडबैंड सेवाओं में सीमित और नियंत्रित छूट दी गई थी। राज्य प्रशासन के अनुसार, जमीनी स्थिति के मूल्यांकन और इंटरनेट बंद रहने से उत्पन्न व्यापक बाधाओं को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इस प्रतिबंध के कारण उच्च न्यायालय, जिला अदालतों, स्वास्थ्य सेवाओं, शैक्षणिक संस्थानों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर विभिन्न विभागों का कार्य प्रभावित हुआ था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को किया संबोधित, महिला आरक्षण बिल गिरने पर कहा

विपक्ष गुनहगार, सजा मिलेगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए देश की माताओं-बहनों से माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन नहीं हो पाया। मैं इसके लिए सभी माताओं-बहनों का क्षमाप्रार्थी हूं। हमारे लिए देश हित सर्वोपरि है, लेकिन कुछ लोगों के लिए जब दल हित देश हित से बड़ा हो जाता है तो नारी शक्ति और देश को इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।' उन्होंने चार दलों- कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और सपा पर विशेषकर निशाना साधा। इसी के साथ द्रमुक को आड़े हाथ लेते हुए तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पश्चिम बंगाल का जिक्र किया। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को और बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होना है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश की नारी शक्ति को उठाना पड़ा है। कल देश की करोड़ों महिलाओं की नजर संसद पर थी। देश की नारी शक्ति देख रही थी। मुझे भी यह देखकर दुख हुआ कि जब नारी हित का प्रस्ताव गिरा तो कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी, सपा जैसी परिवारवादी पार्टियां खुशी से तालियां बजा रही थीं। महिलाओं के अधिकार छीनकर ये लोग मेज थपथपा रहे थे?' उन्होंने कहा, 'उन्होंने जो किया, वह नारी के स्वाभिमान और आत्मसम्मान पर चोट थी और नारी सब भूल जाती है, लेकिन अपना अपमान कभी नहीं भूलती। इसलिए संसद में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के व्यवहार को लेकर कसक हर नारी के मन में

हमेशा रहेगी।' पीएम मोदी ने आगे कहा कि राज्य छोटा हो, बड़ा हो, राज्य की आबादी कम हो, ज्यादा हो। सबकी समान अनुपात में शक्ति बढ़ाने की कोशिश थी, लेकिन इस ईमानदार प्रयास की, कांग्रेस और उसके साथियों ने सदन में पूरे देश के सामने भ्रूण हत्या कर दी है। ये कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी, डीएमके जैसे दल इस भ्रूण हत्या के गुनहगार हैं। ये देश के संविधान के अपराधी हैं। ये देश की नारी शक्ति के अपराधी हैं।

'कांग्रेस और उसके साथियों ने झूठ का सहारा लिया'

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस महिला शक्ति से ही नफरत करती है। वह हमेशा से ही महिला सशक्तीकरण को रोकने के षड्यंत्र रचती रही है। हर बार कांग्रेस ने इसमें रोड़े अटकाएं हैं। इस बार भी कांग्रेस और उसके साथियों ने महिला आरक्षण को रोकने के लिए एक के बाद एक नए झूठ का सहारा लिया। कभी संख्या को लेकर, कभी किसी और तरीके से। कांग्रेस और उसके साथियों ने देश को गुमराह करने की कोशिश की।

'कांग्रेस नहीं चाहती क्षेत्रीय दलों की ताकत बढ़े'

पीएम मोदी ने कहा, 'मुझे व्यक्तिगत तौर पर आशा थी कि कांग्रेस अपनी दशकों पुरानी गलती सुधारेगी। कांग्रेस अपने पापों का प्रायश्चित करेगी। लेकिन कांग्रेस ने इतिहास रचने का, महिलाओं के पक्ष में खड़े होने का अवसर खो दिया। कांग्रेस खुद देश के अधिकांश विषयों में अपना वजूद खो चुकी है। कांग्रेस परजीवी की तरह क्षेत्रीय दलों की पीठ पर सवार होकर खुद को जिंदा रखे हुए है, लेकिन कांग्रेस यह भी नहीं चाहती कि क्षेत्रीय दलों की ताकत बढ़े।'

'ये महिलाओं के अधिकारों पर डाका डालते हैं'

पीएम मोदी ने कहा, 'कांग्रेस, सपा, डीएमके और टीएमसी हर बार वही बहाने, वही कुतर्क गढ़ते आए हैं। कोई न कोई तकनीकी पेच फंसाकर ये महिलाओं के अधिकारों पर डाका डालते रहे हैं। देश राजनीति का यह भद्दा पैटर्न बराबर समझ चुका है। इन्हें डर है है कि अगर महिलाएं सशक्त हो गईं तो इनका नेतृत्व खतरे में पड़ जाएगा। यह कभी नहीं चाहेंगे कि इनके परिवार के बाहर की महिलाएं आगे बढ़ें। आज महिलाएं जिस तरह आगे बढ़कर लोकसभा-विधानसभाओं में आना चाहती हैं। परिवारवादियों के अंदर उनसे असुरक्षा की भावना बैठी है।'

'डीएमके, तृणमूल के पास मौका था...'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार ने पहले दिन से स्पष्ट किया है कि न किसी राज्य की भागीदारी का अनुपात बदलेगा, न किसी का प्रतिनिधित्व कम होगा, बल्कि सभी राज्यों की सीटें समान अनुपात में बढ़ेंगी। फिर भी कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और सपा जैसे दल इसे मानने के लिए तैयार नहीं हुए। यह संशोधन विधेयक सभी दलों के लिए एक मौका था। अगर यह पारित होता तो तमिलनाडु, बंगाल, यूपी सभी राज्यों की सीटें बढ़तीं, लेकिन अपनी स्वार्थी राजनीति के लिए इन राज्यों ने अपने लोगों को भी धोखा दे दिया। डीएमके के पास मौका था कि वह और ज्यादा तमिल लोगों को सांसद बना सकती थी और तमिल लोगों की आवाज मजबूत कर सकती थी। टीएमसी के पास भी बंगाल के लोगों को आगे बढ़ाने का मौका था, लेकिन उन्होंने यह मौका गंवा दिया।

झारखंड में 46 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

राज्य के 16 जिलों के एसपी बदले

नव प्रदेश संवाददाता

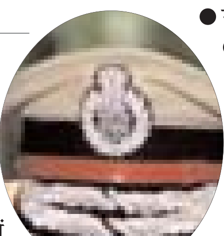

रांची। झारखंड सरकार ने पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल करते हुए 46 आईपीएस अधिकारियों के तबादला किया है। इस संबंध में गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने शुक्रवार देर रात अधिसूचना जारी की है । तबादले की अधिसूचना में एडीजी से लेकर एएसपी तक का तबादला किया गया है।

जारी अधिसूचना के अनुसार झारखंड पुलिस में बड़ा बदलाव किया गया है। कई जिलों के पुलिस अधीक्षकों को बदल दिया गया है। कई अधिकारियों को नई पोस्टिंग के साथ-साथ महत्वपूर्ण अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

एडीजी सीआईडी मनोज कौशिक को मुख्यालय एडीजी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के एमडी पंकज कम्बोज को आईजी मानवाधिकार का अतिरिक्त प्रभार मिला है।

आईजी निगरानी-सह-सुरक्षा नरेंद्र कुमार सिंह को पलामू में आईजी अभियान के साथ पलामू जोन के आईजी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

ऋषभ कुमार झा को जेएपी-4 के साथ एसआईएसएफ कमांडेंट का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।

इन जिलों के एसपी बदले

- निधि द्विवेदी को एसपी सरायकेला-खरसावां
- आशुतोष शेखर को एसपी गढ़वा
- नाथू सिंह मीणा को एसपी बोकारो
- अनुदीप सिंह को एसपी पाकुड़
- प्रवीण पुष्कर को एसपी देवघर
- मुकेश कुमार लुनायत को एसपी रामगढ़
- अनिमेष नैथानी को एसपी चतरा
- अमन कुमार को एसपी हजारीबाग
- कुमार शिवाशीष को एसपी कोडरमा
- कपिल चौधरी को एसपी पलामू
- शंभू कुमार सिंह को एसपी जामताड़ा
- ऋषभ गर्ग को एसपी खूंटी
- एस. मोहम्मद याकूब को ग्रामीण एसपी धनबाद
- गौरव गोस्वामी को ग्रामीण एसपी रांची
- शुभम कुमार खंडेवाल को ग्रामीण एसपी जमशेदपुर
- ललित मीणा को सिटी एसपी जमशेदपुर

आईजी लेबल में भी बड़ा बदलाव

- शैलेंद्र कुमार सिन्हा को आईजी बोकारो
- क्रांति कुमार गेड़िदेशी को आईजी निगरानी-सह-सुरक्षा
- माइकलराज एस को आईजी रेल
- सुनील भास्कर को जेएपी आईजी
- आनंद प्रकाश को पुलिस मुख्यालय भेजा गया
- प्रशांत आनंद (प्रतीक्षारत) को एसपी संचार एवं तकनीकी सेवा
- सुमित कुमार अग्रवाल को एसपी विशेष शाखा
- अजय कुमार को एसपी एसीबी
- मनीष टोप्पो को एसपी एससीआरबी
- दीपक कुमार पांडेय को एआईजी-सह डीजी के विशेष सहायक
- दीपक कुमार शर्मा को एसपी अभियान बनाया गया
- अंजनी अंजन को झारखंड सशस्त्र पुलिस -5 देवघर का समादेष्टा
- रीष्मा रमेशन को झारखंड सशस्त्र पुलिस -9 साहेबगंज का समादेष्टा
- कुसुम पुनिया को झारखंड सशस्त्र पुलिस -8 पलामू का समादेष्टा
- मूमल राजपुरोहित को रेल एसपी धनबाद
- दीपक कुमार को (आईआरबी-1 जामताड़ा)
- राजकुमार मेहता को (एटीएस एसपी)
- हरविंदर सिंह को (एसपी विशेष शाखा)

वहीं, निखिल राय को रांची कोतवाली एएसपी, ऋषभ त्रिवेदी को एएसपी मुख्यालय-01, श्रुति को एसडीपीओ चैनपुर, प्रशिक्षणरत दिव्यांश शुक्ला को एसडीपीओ हुसैनाबाद, नागरगोजे शुभम भाउसाहेब को एसडीपीओ सिमरिया, राघवेंद्र शर्मा को एसडीपीओ पतरातू और सैयद मुस्तफा हासमी को एसडीपीओ चक्रधरपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

स्वास्थ्य — सरकारी अस्पतालों में दूर होगी चिकित्सकों की कमी

666 विशेषज्ञ चिकित्सकों की होगी बहाली

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए 666 विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए कार्मिक विभाग ने झारखंड लोक सेवा आयोग को अधियाचना पत्र भेज दी है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा है कि इस बहाली से सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी दूर होगी। मरीजों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आने की उम्मीद है। स्वास्थ्य विभाग झारखंड सरकार की ओर से

उठाए गए इस पहल के तहत स्वास्थ्य विभाग ने पत्र लिखकर जेपीएससी को अधियाचना भेजने का अनुरोध किया था, ताकि नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो सके। इसके बाद कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग ने इस पर कार्रवाई करते हुए जेपीएससी को पत्र लिखकर नियुक्ति करने के लिए अधियाचना भेज दी है। उल्लेखनीय है कि नियमित 506 पदों में बैकलॉग पदों की संख्याा 160 है। विभाग की ओर से पदवार रिक्तियों में फिजिशियन 214 (नियमित), 12 (बैकलॉग), शिशु रोग विशेषज्ञ - 172, 52 (बैकलॉग), निश्चेतक (एनेस्थेटिस्ट) - 28, 29 (बैकलॉग), स्त्री रोग विशेषज्ञ - 12, 16 (बैकलॉग), सर्जन -10, 14 (बैकलॉग), रेडियोलॉजिस्ट-26, 02 (बैकलॉग), फोरेंसिक विशेषज्ञ-18, 02 (बैकलॉग), चर्म रोग विशेषज्ञ 06, 07 (बैकलॉग), ईएनटी 04, 05 (बैकलॉग), नेत्र रोग विशेषज्ञ 04, 06 (बैकलॉग), अस्थि रोग विशेषज्ञ 04, 08 (बैकलॉग), पैथोलॉजिस्ट 04, मनोचिकित्सा 04, 07 (बैकलॉग) संख्या हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बताया गया है कि यह बहाली झारखंड राज्य के गैर-शैक्षणिक विशेषज्ञ चिकित्सक (भर्ती, प्रोन्नति एवं सेवा शर्त) नियमावली, 2015 एवं इसके संशोधित प्रावधानों के अनुसार की जाएगी। आरक्षण रोस्टर के साथ अधियाचना जेपीएससी को भेज दी गई है, जिससे चयन प्रक्रिया जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

विदेश से पढ़े डॉक्टरों को सरकार देगी 2.53 करोड़ रुपये स्टाइपेंड : इरफान

रांची। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा है कि लंबे समय से विदेश से पढ़कर लौटने वाले चिकित्सकों को स्टाइपेंड नहीं मिलने से उनका मनोबल लगातार प्रभावित हो रहा था। कई बार छात्रों ने अपनी समस्याएं सामने रखीं। बावजूद इसके उनकी बातों की अनदेखी की जाती रही। लेकिन अब विदेश से पढ़े डॉक्टरों को झारखंड सरकार 2.53 करोड़ रूपए की स्टाइपेंड राशि देगी। मंत्री ने यह जानकारी शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है। उन्होंने विज्ञप्ति में कहा कि राज्य सरकार की ओर से बीते एक जुलाई 2023 से इंटर्नशिप कर रहे विदेशी आयुर्विज्ञान स्नातकों के लिए कुल 2.53 करोड़ राशि स्टाइपेंड के रूप में स्वीकृत की गई है। यह राशि राज्य के पांच प्रमुख सरकारी मेडिकल कॉलेजों में वितरित की जाएगी, जिससे सैकड़ों इंटर्न डॉक्टरों को सीधा लाभ मिलेगा। मंत्री ने कहा कि पहले स्टाइपेंड की कमी के कारण डॉक्टर दूसरे राज्यों का रुख कर लेते थे, जिससे यहां विशेषज्ञों की कमी बनी रहती थी। लेकिन अब यह स्थिति बदलेगी डॉक्टर दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करेंगे। अब बड़ी संख्या में चिकित्सक झारखंड में ही अपनी सेवाएं देने के लिए आगे आएंगे।उन्होंने कहा कि इस फैसले से न सिर्फ विदेशी आयुर्विज्ञान स्नातकों को उनका अधिकार मिला है, बल्कि पूरे चिकित्सा समुदाय में एक सकारात्मक संदेश गया है कि सरकार उनकी समस्याओं को समझती है और समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। इस निर्णय से डॉक्टर्स अधिक समर्पण के साथ मरीजों की सेवा कर सकेंगे। अब राज्य के सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों और अस्पतालों में इन्टर्नशिप कर रहे एफएमजीएस को न सिर्फ नि:शुल्क इंटर्नशिप की सुविधा मिलेगी, बल्कि उन्हें भारतीय आयुर्विज्ञान स्नातकों के समान स्टाइपेंड भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाए और डॉक्टरों को उनका सम्मान मिले।

रिश्वत लेते कार्मिक प्रबंधक और झामुमो नेता रंगे हाथ गिरफ्तार

बोकारो। कोलियारियों में अधिकारी और मजदूर संगठन चलाने वालों का गठजोड़ कैसे कर्मचारियों अथवा उनके आश्रितों को परेशान करते हैं, कैसे उन्हें नाजायज पैसा देने के लिए बाध्य किया जाता है, इसका खुलासा कथारा क्षेत्र में हुआ है। अधिकारी तो अधिकारी झामुमो का नेता भी अरेस्ट हो गया है। यह सब खुलासा धनबाद सीबीआई की टीम के छापे के बाद हुआ है। बताया जाता है कि सीबीआई की धनबाद टीम ने कथारा कोलियरी के कार्मिक प्रबंधक सुभाष चंद्र पासवान तथा कथित बिचौलिया झामुमो के बोकारो जिला कार्यकारिणी सदस्य सह हिंद मजदूर किसान पंचायत के क्षेत्रीय सचिव शमशुल हक को 30000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई की टीम दिन से ही कोलियरी कार्यालय के आसपास घात लगाकर बैठी थी। जैसे ही रकम का लेन देन हुआ, टीम ने दोनों को ऑन स्पॉट गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई की टीम ने दोनों आरोपियों से घंटों पूछताछ की। उसके बाद धनबाद ले आई है। दरअसल, मामले की शिकायत

सुरेश किस्कू नामक युवक ने सीबीआई से की थी। बताया जा रहा है कि सुरेश के पिता कालू मांझी कथारा कोलियरी में कार्यरत थे। 2024 में वो अपने कार्य से रिटायर्ड हुए है। बकाया राशि पाने के लिए सुरेश किस्कू कार्यालय का चक्कर लगा रहा था। उनके पिता के पीएफ और ग्रेच्युटी के पैसे की भुगतान के लिए उनसे नाजायज राशि मांगी जा रही थी। लेकिन वह रिश्वत देने को तैयार नहीं थे। उन्होंने इसकी शिकायत सीबीआई से की। सीबीआई ने जांच पड़ताल के बाद जाल बिछाकर कार्मिक प्रबंधक और झामुमो नेता को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल दोनों को सीबीआई की टीम अपने साथ धनबाद लाई है जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। सीबीआई की इस कार्रवाई से कोलियरी क्षेत्र के बाबुओं में हड़कंप मचा हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

ऑटो महासंघ ने बैठक व बंदी स्थगित की

रांची। झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने प्रेस बयान जारी कर बताया कि 29 दिसंबर 2026 को टाटी सिल्वे स्थित सरला बिरला स्कूल में होने वाली परीक्षा को ध्यान में रखते हुए कल प्रस्तावित बैठक एवं बंदी को स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले छात्र-छात्राओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, यह महासंघ की प्राथमिकता है। साथ ही सभी ऑटो चालक मालिकों से अपील की गई है कि निर्धारित भाड़ा जल्द लागू किया जाएगा और परीक्षा देने जाने वाले छात्रों से उचित किराया ही लिया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की शिकायत या बदनामी की स्थिति उत्पन्न न हो।

असहाय मंदबुद्धि लाया गया अपना घर आश्रम

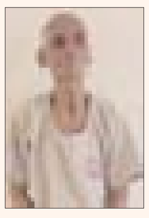

रांची। प्रणामी ट्रस्ट रांची के अंतर्गत काम कर रही सामाजिक संस्था श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम पुंदाग में शुक्रवार को एक मंदबुद्धि असहाय व्यक्ति को आश्रम में लाया गया। इसके साथ ही आश्रम में निराश्रितों की संख्या 47 हो गई है। यह जानकारी देते हुए सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिली कि एक व्यक्ति सेवा सदन मार्ग बड़ा तालाब के नजदीक लावारिस अवस्था में घूम रहा है। आश्रम की टीम ने उस व्यक्ति को बड़ा तालाब के पास से रेस्क्यू करके आश्रम लाई। टीम में आश्रम के सेवा साथी मुकुंद यादव, सूरज कुमार, धीरज कुमार गुप्ता और सत्यम कुमार शामिल थे। उसके बाद अस्पताल में उसकी मेडिकल जांच कराई गई। बाद में सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य प्रेम सभागार) में लाया गया। उस व्यक्ति का नाम और पते की कोई जानकारी नहीं मिली है। याददाश्त भी खो चुका था। आश्रम कमेटी ने उस व्यक्ति का नाम गोविंद रखा है। प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि आश्रम की टीम को सूचना मिलने पर समय-समय पर जरूरतमंदों को रेस्क्यू किया जाता है। आश्रम में रह रहे इन सभी निराश्रितो को गुरुजी सदानंद जी महाराज के सहयोग से घर जैसा माहौल देने की कोशिश की जाती है, क्योंकि मानव सेवा से बढ़कर कोई सेवा कार्य नहीं है।

भीषण गर्मी का प्रकोप, लू का अलर्ट

रांची। झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के विभिन्न जिलों में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। कई इलाके लू की चपेट में हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग ने 20 और 21 अप्रैल को राज्य के 8 जिलों में लू चलने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने जिन जिलों में लू का अलर्ट जारी किया गया है, उनमें गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और खूंटी शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी और पश्चिमी दिशा से एक निम्न दबाव का क्षेत्र विकसित हो रहा है, जो पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, मणिपुर, हिमालयी क्षेत्रों और पश्चिम बंगाल होते हुए सक्रिय हो रहा है। इसके प्रभाव से आने वाले दिनों में झारखंड समेत आसपास के राज्यों में मौसम का असर देखने को मिल सकता है।

द आरएनबी क्लिनिक का स्वास्थ्य जागरूकता पर सत्र आयोजित, डॉ वी आनंद नाइक ने कहा

स्पाइन सर्जरी से डरने की नहीं, समझने की जरूरत

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। द आरएनबी क्लिनिक के तत्वावधान में शनिवार को 'स्वास्थ्य जागरूकता पर रांची प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गुरुग्राम और रांची के प्रख्यात चिकित्सा विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया और आधुनिक समय में बढ़ती जटिल बीमारियों व उनके समाधान पर गहन चर्चा की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता गुरुग्राम के विख्यात स्पाइन सर्जन डॉ वी आनंद नाइक ने 'बैक पेन और सर्जरी की आवश्यकता' विषय पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और घंटों कुर्सी पर बैठने की आदत ने स्पाइन (रीढ़ की हड्डी) को कमजोर कर दिया है। लोगों में यह डर रहता है कि स्पाइन की समस्या मतलब सिर्फ सर्जरी है, जबकि हकीकत यह है कि 90 प्रतिशत मामलों में इसे बिना ऑपरेशन, सही फिजियोथेरेपी और लाइफस्टाइल में सुधार करके ठीक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मोबाइल और लैपटॉप के अत्यधिक उपयोग से गर्दन और पीठ में बढ़ते दर्द का बड़ा कारण बन सकता है।

40 की उम्र के बाद फेफड़ों व हड्डियों की जांच कराएं: डॉ योगेश जैन

जैन चेस्ट केयर के पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. योगेश कुमार जैन ने फेफड़ों की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रांची जैसे बढ़ते शहर में धूल और प्रदूषण के कारण अस्थमा और सीओपीडी के मरीजों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने फेफड़ों के शुरूआती लक्षणों को न पहचानने की भूल पर चेतावनी दी और आधुनिक 'चेस्ट केयर' उपचारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 40 की उम्र के बाद फेफड़ों और हड्डियों की नियमित जांच जरूर कराएं।

फिजियोथेरेपी व रिहैबिलिटेशन ही लौटाते हैं शरीर की कार्यक्षमता : डॉ. रॉबिन्स कुमार

द आरएनबी क्लिनिक के क्लीनिकल डायरेक्टर डॉ. रॉबिन्स कुमार ने फिजियोथेरेपी की भूमिका पर कहा कि दवाएं बीमारी को दबा सकती हैं, लेकिन शरीर की कार्यक्षमता को वापस लाने का काम फिजियोथेरेपी ही करती है। इलाज में रोबोटिक और लेजर फिजियोथेरेपी के लाभकारी साबित होता है। आरएनबी क्लिनिक में आधुनिक मशीनों के जरिए स्पोर्ट्स इंजरी और पैरालिसिस जैसे मरीजों का पुनर्वास किया जा रहा है।

क्लिनिक की एडमिन डायरेक्टर डॉ नीलम सिंह ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि एचबी रोड प्लाजा हॉल के पास स्थित 'द आरएनबी क्लिनिक' का उद्देश्य रांची और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को एक ही छत के नीचे विश्वस्तरीय मल्टीस्पेशलिटी सुविधाएं और फिजियोथेरेपी प्रदान करना है। क्लिनिक की ओर से समय समय पर निशुल्क स्वास्थ शिविर लगाए जाते हैं।

भविष्य में ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य शिविर लगा कर लोगों को स्वास्थ्य प्रति जागरूक करेंगे। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टरों ने मीडिया कर्मियों के सवालों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया। इस अवसर पर बीरेंद्र सिंह समेत अन्य लोग मौजूद थे।

अशोक नगर में निःशुल्क स्वास्थ्य कैंप आज

द आरएनबी क्लिनिक की ओर से रविवार को अशोक नगर में निःशुल्क स्वास्थ्य कैंप आयोजित किया का रहा है। इस। कैंप में बुजुर्गों के स्वास्थ की जांच की जाएगी। साथ ही उन्हें जरूरी सलाह विशेषज्ञ डॉक्टर की ओर से दी जाएगी। कैंप सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक लगेगा।

अग्नि सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम

नव प्रदेश संवाददाता

धुर्वा। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा, रांची में अग्निशमन सप्ताह (14 अप्रैल से 20 अप्रैल 2026) के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए अग्नि सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अग्निशमन सेवा, धुर्वा, रांची (झारखंड) के कर्मचारी बंधुओं द्वारा विद्यालय में उपस्थित होकर विद्यार्थियों को आग लगने की स्थिति में बचाव के उपाय, सावधानियाँ तथा आपातकालीन स्थिति में अपनाए जाने वाले आवश्यक कदमों की जानकारी दी गई। बच्चों को आग से बचाव के व्यवहारिक तरीकों के बारे में भी समझाया गया।कार्यक्रम में अग्निशमन विभाग की ओर से प्रधान अग्नि चालक निवास सिंह, गणेश कुमार अग्नि चालक हंसराज चौबे, उमाशंकर सिंह तथा बजरंगी प्रसाद की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यालय के प्राचार्य ललन कुमार ने सभी अतिथियों एवं अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारी के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के अग्नि शमन प्रभारी सुनील कुमार पाण्डेय सहित अन्य आचार्य/आचार्या एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

राज्य में चल रही कुशासन की सरकार : सुदेश

रांची। कांके प्रखंड के कोकोदोरो पंचायत के मुखिया उज्ज्वल पाहन अपने समर्थकों के साथ शनिवार को आजसू पार्टी में शामिल हुए। उनका स्वागत पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने अपने बुकरु स्थित आवासीय कार्यालय में किया। उनके साथ पिठौरिया क्षेत्र के दर्जनों समाजसेवी और पंचायत प्रतिनिधियों ने आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर सुदेश महतो ने कहा कि झारखंड में कुशासन की सरकार चल रही है। राज्य में अफसरों की मनमानी चल रही है। राज्य सरकार को आम जनता के हितों की कोई फिक्र नहीं है। ट्रेजरी से पैसों की लूट हो रही है। जेटेट परीक्षा आयोजित करने को लेकर सरकार का रवैया ढीला ढाला है। राज्यै में महिलाएं और बच्चे सुरक्षित नहीं हैं। सुदेश ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था बदलने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। लंबे संघर्ष के बाद झारखंड हासिल हुआ है। इसे आजसू पार्टी बर्बाद नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि युवा लगातार आजसू में शामिल हो रहे हैं। इस अवसर पर पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, केंद्रीय सचिव मोहसिन खान, कांके प्रखंड अध्यक्ष अमन शाहदेव सहित अन्य उपस्थित थे। वहीं पार्टी में शामिल होनेवालों में कोकोदोरो पंचायत के मुखिया उज्ज्वल पाहन, वार्ड सदस्य दीपक उरांव, लोक अधिकार पार्टी के रांची जिलाध्यक्ष अशोक राज, महासचिव सूरज गोप, विनोद मुंडा, विशाल राम, राजेंद्र लिंडा, अमित उरांव, राजू उरांव, मंतव्य मेहता, संजीत कुमार महतो समेत दर्जनों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

वैसाखी व श्री गुरु अंगद देव जी के प्रकाश पर्व पर कृष्णा नगर गुरुद्वारा में दो दिवसीय कीर्तन समागम शुरू

देह शिवा वर मोहे इहे...से संगत को गुरुवाणी से जोड़ा

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। वैसाखी एवं श्री गुरु अंगद देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा साहिब में दो दिवसीय कीर्तन समागम का शुभारंभ शनिवार, 18 अप्रैल को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ। गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा एवं गुरूनानक सेवक जत्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समागम में विशेष दीवान सजाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत रात 8:00 बजे स्त्री सत्संग सभा की शीतल मुंजाल द्वारा सबना का मां पयो आप है... शबद गायन से हुई। इसके पश्चात हजूरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह जी ने आजु हमारे गृह वसंत गुन गाए प्रभु... एवं थिर घर वैसहु हर जन पिआरे... जैसे शबद प्रस्तुत कर संगत को भाव-विभोर कर दिया।

गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेन्द्र सिंह जी ने कथा वाचन करते हुए बताया कि वैसाखी के दिन ही गुरु गोबिंद सिंह जी ने खंडे बाटे का अमृत तैयार कर पंच प्यारों को अमृतपान कराया और बाद में स्वयं उनसे अमृत ग्रहण कर गुरु-शिष्य समानता का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इसी कारण इस दिन को खालसा सृजन दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

समागम में विशेष रूप से पहुंचे प्रसिद्ध कीर्तनी जत्था भाई सरबजीत सिंह जी (पटना साहिब) ने देह शिवा वर मोहे इहे..., खालसा मेरो रूप है खास... और आओ सखियो भाईओ... जैसे शबदों के माध्यम से संगत को गुरुवाणी से जोड़ा। उन्होंने बीच-बीच में संगत को वाहे गुरु का जाप भी कराया। श्री आनंद साहिब के पाठ, अरदास, हुकुमनामा एवं कढ़ाह प्रसाद वितरण के साथ विशेष दीवान का समापन रात 11:50 बजे हुआ। इस अवसर पर सत्संग सभा द्वारा श्रद्धालुओं के लिए गुरु का अटूट लंगर भी चलाया गया। कार्यक्रम का संचालन गुरु घर के सेवक मनीष मिड्ढा ने किया।

सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पनपेजा ने बताया कि लंगर की तैयारी में स्त्री सत्संग सभा की महिला श्रद्धालु दोपहर तीन बजे से ही सेवा में जुट गई थीं। उन्होंने जानकारी दी कि दो दिवसीय गुरमत समागम का दूसरा एवं अंतिम दीवान रविवार को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक आयोजित होगा। इस अवसर पर सत्संग सभा के अध्यक्ष अर्जुन देव मिड्ढा, सचिव सुरेश मिड्ढा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरे वातावरण में भक्ति, सेवा और संगत की भावना देखने को मिली।

शिक्षा-संस्कृति

सीआईटी रांची में टेक्नो-कल्चरल फेस्ट जेनेसिस 2026 का भव्य समापन

पॉप बैंड 'विश' ने बांधा समां

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। कैंब्रिज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीआईटी), रांची की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय टेक्नो-कल्चरल फेस्ट जेनेसिस 2026 का समापन शनिवार को रंगारंग कार्यक्रमों और पॉप बैंड विश के कलाकारों की धमाकेदार प्रस्तुति के साथ हो गया। अंतिम दिन विद्यार्थियों ने संगीत और मनोरंजन के माहौल में जमकर उत्साह दिखाया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (JUT) के कुलपति डॉ. डी. के. सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की जिम्मेदारी भी पहले से अधिक हो गई है और विद्यार्थियों को अपने जीवन में सफलता के लिए नवाचार (इनोवेटिव आइडियाज) अपनाने चाहिए। साथ ही उन्होंने युवाओं को उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति डॉ. सिंह ने कैंब्रिज ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष स्व. डॉ. बहादुर सिंह को याद करते हुए उन्हें दूरदर्शी व्यक्तित्व बताया। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद झारखंड में पहला निजी अभियांत्रिकी महाविद्यालय स्थापित करना उनकी दूरदृष्टि का परिणाम है, और आज यह संस्थान प्रतिष्ठित संस्थानों में शामिल हो चुका है।

इससे पहले कैंब्रिज ट्रस्ट की संयुक्त सचिव डॉ. पल्लवी सिंह ने पुष्प गुच्छ भेंट कर कुलपति का स्वागत किया। समापन समारोह में प्राचार्य डॉ. एल. रंगनाथन, उप-प्राचार्य प्रो. रसिका नवनीत सिंह, डॉ. विजय शंकर सिंह, डॉ. रणवीर कुमार, डॉ. नवीन कुमार, मनीष नाथ, संतोष महतो, अंकित सिंह, दीपक कुमार वर्मा, डॉ. शालिनी सिंह सहित कई शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि तीन दिवसीय जेनेसिस 2026 फेस्ट के दौरान डांसिंग, सिंगिंग, फेस पेंटिंग, खेल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ बाहरी कलाकारों द्वारा डीजे और पॉप बैंड की प्रस्तुतियों ने विद्यार्थियों को खूब झूमने पर मजबूर कर दिया। पूरे महोत्सव में छात्रों का उत्साह और सहभागिता देखते ही बन रही थी।

एक नजर

रांची में तीन दिवसीय सांसद सांस्कृतिक महोत्सव सह स्वदेशी मेला, कला-स्वदेशी का होगा संगम

रांची। रांची के नागरिक एक से तीन मई तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय सांस्कृतिक और स्वदेशी महोत्सव का आनंद ले सकेंगे। इस दौरान स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थी और कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। आयोजन की तैयारियां रांची के सांसद एवं रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के मार्गदर्शन में तेजी से की जा रही हैं। रांची लोकसभा क्षेत्र में कला, संस्कृति और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सांसद सांस्कृतिक महोत्सव सह स्वदेशी मेला 2026 का आयोजन 1, 2 एवं 3 मई 2026 को ऑड्रे हाउस में किया जाएगा। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यवोकल फॉर लोकलह्न और आत्मनिर्भर भारत के विजन से प्रेरित बताया गया है। यह पहला अवसर होगा जब स्वदेशी उत्पादक और कला से जुड़े लोग एक ही मंच पर एक साथ नजर आएंगे। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोक कला और संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देना है, ताकि स्वदेशी अपनाएं, विकसित भारत बनाएं के संकल्प को साकार किया जा सके। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे परिवार सहित इस महोत्सव में शामिल होकर स्थानीय कलाकारों और उद्यमियों का उत्साह बढ़ाएं। महोत्सव प्रतिदिन सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक चलेगा, जिसमें रांची लोकसभा क्षेत्र के कलाकार, शिल्पकार और उद्यमी भाग लेंगे। इसके लिए प्रतिभागियों के आवेदन फॉर्म भी जारी किए जा चुके हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत कई सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें समूह लोक नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, जनजातीय नृत्य, सामूहिक गायन, लघु नाटिका (स्किट) और बैंड/फ्यूजन संगीत शामिल हैं। इसमें जूनियर एवं सीनियर दोनों वर्गों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही मेले में 150 से अधिक निःशुल्क स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां स्थानीय कारीगरों द्वारा निर्मित स्वदेशी उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री की जाएगी। आगंतुकों को झारखंडी खान-पान का विशेष अनुभव भी मिलेगा। यह आयोजन न केवल स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों को मंच प्रदान करेगा, बल्कि रोजगार सृजन और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देने में सहायक साबित होगा।

एटक ने एचईसी की खराब स्थिति पर सरकार को घेरा, कहा नहीं मिल रही मदद

रांची। हटिया कामगार यूनियन (एटक) ने एचईसी की वर्तमान स्थिति को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यूनियन के उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले दो वर्षों से एचईसी को बंदी की प्रक्रिया में डाल दिया है। इसे आर्थिक रूप से सहयोग देने से इनकार कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि न तो कर्मचारियों का बकाया वेतन दिया जा रहा है। और न ही सेवानिवृत्त कर्मियों के लंबित भुगतान का निपटारा किया जा रहा है। लालदेव सिंह के अनुसार, प्रबंधन को भी इस स्थिति की जानकारी है। नए कायार्देश नहीं मिलने के कारण उत्पादन पुराने ऑर्डरों के सहारे चल रहा है, जो जल्द ही समाप्त होने वाला है। इसके चलते कर्मचारियों में भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति है और कई लोग नौकरी छोड़कर अन्य विकल्प तलाश रहे हैं। हाल ही में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी लोरेन्स भेंगरा और सिविल मैनेजर लुगुन के इस्तीफे का भी जिक्र किया गया। उन्होंने कहा कि नियमों के अनुसार इस्तीफे के 48 घंटे के भीतर बकाया भुगतान होना चाहिए, लेकिन वर्षों से ऐसा नहीं हो रहा है। यूनियन ने आरोप लगाया कि सरकार ने एचईसी को डायलिसिस के रूप में रखकर धीरे-धीरे खत्म करने की ओर बढ़ रही है, जिससे कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति लगातार खराब हो रही है।

नारी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं, दोषियों को मिले फांसी : आदित्य साहू

रांची। रिम्स की डेंटल छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना से राजधानी सहित पूरा राज्य उबल रहा है। पूरे राज्य में महिला अपराध में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है। हेमंत सरकार में ध्वस्त कानून व्यवस्था के खिलाफ भाजपा पूरी तरह आक्रामक दिख रही है। इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, रांची महानगर, पूर्वी एवं पश्चिमी जिला के की ओर से लगातार आक्रोश प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने इस मामले को लेकर 19 और 20 अप्रैल को आंदोलन की रूपरेखा तैयार किया है। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने शनिवार को कहा कि रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र में तीन साल की मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और रांची की डेंटल छात्रा के साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना हेमंत सरकार की कानून व्यवस्था का भयावह चेहरा दिखाती है। यह केवल अपराध नहीं, बल्कि मानवता को शर्मसार करने वाली घटनाएं हैं। जब एक के बाद एक बेटियों को निशाना बनाया जा रहा है। साहू ने कहा कि प्रदेश में लगातार इस प्रकार की घटनाएं घट रही हैं। 3 वर्ष की बच्ची तक को भी अपराधी नहीं बख्श रहे हैं। राज्य सरकार अगर इस प्रकार की घटनाओं में प्रारंभिक दौर में ही कड़ाई से पेश आती तो शायद अपराधियों का दुस्साहस इतना नहीं बढ़ता और इस प्रकार की स्थिति की नौबत नहीं आती। हेमंत सोरेन के दोनों कार्यकाल को मिलाकर 10000 से अधिक दुष्कर्म की घटनाएं घट चुकी है। साहू ने कहा कि झारखंड सरकार तुष्टिकरण की राजनीति में पूरी तरह अंधी हो चुकी है। अपराधियों को तुष्टिकरण के चश्मे से देखकर यह सरकार कार्रवाई करती है। इस प्रकार की अधिकांश घटनाओं में पीड़िता हिंदू समाज से आती है और अपराध करने वाले अपराधी दूसरे समाज से आते हैं। हिंदू लड़कियों और महिलाओं को टारगेट करके इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम दिया जाता है। राज्य सरकार कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति करती है। मुकदमा नाम के लिए दर्ज होता है कार्रवाई कुछ होती नहीं। इस कारण अपराधी जेल से बाहर आ जाते हैं और फिर से इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति बेखौफ करते हैं। राज्य में कहीं भी कोई बेटी सुरक्षित नहीं है। यह स्पष्ट है कि अपराधियों में कानून का कोई डर नहीं बचा है। साहू ने कहा कि हम स्पष्ट शब्दों में कहना चाहते हैं, नारी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। ध्वस्त कानून व्यवस्था को लेकर 19 अप्रैल को भाजपा रांची महानगर शाम को जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक मशाल जुलूस का कार्यक्रम तय है। वहीं 20 अप्रैल को रांची एसएसपी कार्यालय का घेराव कार्यक्रम आयोजित कर न्याय की आवाज को बुलंद किया जाएगा। एसएसपी कार्यालय घेराव कार्यक्रम भाजपा रांची महानगर, रांची पूर्वी एवं पश्चिमी जिला के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जाना है। साहू ने कहा कि इन जघन्य अपराधों के दोषियों को तत्काल स्पीडी ट्रायल के माध्यम से फांसी दी जाए, ताकि भविष्य में कोई भी दरिंदा ऐसी घिनौनी हरकत करने की हिम्मत न कर सके।

घर तक सिलेंडर और खाते में सब्सिडी मिलने से उपभोक्ताओं को राहत

रांची। लंबे समय से चली आ रही रसोई गैस की किल्लत अब लगभग समाप्त हो गई है। उपभोक्ताओं को राहत देते हुए अब गैस सिलेंडर की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। शहर और आसपास के इलाकों में उपभोक्ताओं के घर तक समय पर सिलेंडर पहुंचाया जा रहा है, जिससे लोगों को लाइन में लगने और परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ रहा है।गैस एजेंसियों के अनुसार, आपूर्ति व्यवस्था में सुधार और बेहतर मॉनिटरिंग के कारण अब सिलेंडर की उपलब्धता पहले से काफी बेहतर हो गई है। उपभोक्ताओं को बुकिंग के कुछ ही दिनों के भीतर गैस सिलेंडर मिल जा रहा है। इसके साथ ही सरकार की ओर से मिलने वाली सब्सिडी भी सीधे उपभोक्ताओं के बैंक खाते में ट्रांसफर की जा रही है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले जहां गैस सिलेंडर के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था, वहीं अब स्थिति सामान्य हो गई है। खासकर ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी आपूर्ति सुधरने से लोगों को बड़ी राहत मिली है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि आपूर्ति व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि भविष्य में किसी तरह की किल्लत न हो। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे समय पर बुकिंग करें और किसी भी तरह की समस्या होने पर संबंधित गैस एजेंसी से संपर्क करें। कुल मिलाकर, गैस आपूर्ति की स्थिति में सुधार और सब्सिडी के सीधे खाते में पहुंचने से आम लोगों को बड़ी राहत मिली है और रसोई व्यवस्था अब पहले की तुलना में काफी आसान हो गई है।

संक्षिप्त खबरें

युवक पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला

रातू। थाना क्षेत्र के बडकाटोली निवासी सुनील उरांव पिता स्वः सोमा उरांव पर शनिवार दोपहर दो लोगो ने कुल्हाडी से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। युवक को मृत समझ कर हमलावर तुरंत भाग निकले। घायल सुनील उरांव को उसके दोस्त ने रातू थाना पहुंचाया जहां लिखित शिकायत के बाद सुनील को ईलाज के लिए सीएचसी रातू भेजा गया। क्या है मामला - इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित सुनील उराँव ने बताया कि वह अपने पैतृक घर कुम्बाटोली (दक्षिणी पंचायत, रातू) गया हुआ था। इसी दौरान बिरसा उराँव और उसका भाई जट्टु उराँव वहां पहुंचे। दोनों ने बिना कोई बातचीत के अचानक कुल्हाडी से हमला कर दिया। गले पर कुल्हाड़ी का वार लगने से सुनील वही पर बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना के बाद आरोपी उसे मृत समझकर मौके से फरार हो गए। बाद में स्थानीय लोगों और दोस्तों की मदद से उसे ईलाज के लिए ले जाया गया। इस संबंध में सुनील उरांव ने रातू थाना में लिखित जानकारी देते हुए दोनो आरोपियो पर कारवाई की मांग की है।

आनंदनगर रातू से सीसीएलकर्मी की बाईक चोरी

रातू। थाना क्षेत्र के आनंद नगर से शुक्रवार सुबह सीसीएलकर्मी ईश्वर प्रसाद की बाईक अज्ञात चोरो ने चोरी कर ली। इस संबंध में सीसीएलकर्मी ईश्वर प्रसाद के पूत्र अक्षय कुमार ने रातू थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार अक्षय कुमार अपनी यामाहा बाईकजेएच 01 जीएन 8263 से अपने दोस्त के घर जा रहा था। इस दौरान उसने अपने एक अन्य दोस्त मंजीत सिंह के घर के पास अपनी बाइक कुछ देर के लिए खड़ा कर के किसी काम से कुछ देर के लिए वहां से चला गया। काम खत्म कर जब वापस लौटा तो बाइक गायब थी। अक्षय कुमार ने बताया कि बाइक उसके पिता ईश्वर प्रसाद के नाम पर रजिस्टर्ड है। घटना के बाद अपने स्तर से आसपास काफी खोजबीन की गई लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। अक्षय ने रातू पुलिस से मामले की जांच कर जल्द से जल्द बाइक बरामद करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

आदिवासी धरोहरों के संरक्षण की मांग

रातू। राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने शनिवार को केन्द्र सरकार को पत्र लिखकर उरांव, मुंडा और संथाल समाज की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और विकास को लेकर आदिवासी सांस्कृतिक कॉरिडोर बनाने की मांग की है। सांस्कृतिक धरोहरो में रोहतासगढ़, मुड़मा और मरांग बुरु जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को शामिल करने की बात कही गई है। प्रस्ताव में इन स्थलों पर सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास, संग्रहालय एवं शोध केंद्र की स्थापना और पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

सशिमं के 10वीं का रिजल्ट शत प्रतिशत

रातू। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर रातू के विद्यार्थियो ने झारखंड अधिविद्य परिषद रांची द्वारा आयोजित कक्षा अष्टम बोर्ड 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। परीक्षा में विद्यालय के सभी विद्यार्थियो ने सफलता प्राप्त किए है। परीक्षाफल शत - प्रतिशत रहने के कारण विद्यालय परिवार में खुशी का वातावरण है।

रांची में अवैध गैस कारोबार पर कार्रवाई, 265 सिलेंडर जब्त

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। रांची में रसोई गैस की कालाबाजारी और अवैध रिफिलिंग के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त अभियान चलाते हुए एक संगठित नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह कार्रवाई उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर की गई।

अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) के नेतृत्व में चुटिया थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में छापेमारी की गई। जांच में सामने आया कि घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की अवैध जमाखोरी कर उन्हें छोटे सिलेंडरों में भरकर ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा था। यह गतिविधि आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 तथा एलपीजी (विनियमन एवं वितरण) आदेश, 2000 का उल्लंघन है और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।

छापेमारी के दौरान उत्तम कुमार साहु के परिसर से करीब 10 गैस सिलेंडर (भरे एवं खाली) बरामद किए गए। साथ ही रिफिलिंग में उपयोग होने वाले पाइप, कनेक्शन और अन्य उपकरण भी जब्त किए गए। वहीं साई कॉलोनी स्थित अमन सिंह के मकान में बने कमरे से लगभग 85 गैस सिलेंडर बरामद किए गए। जांच में यह भी सामने आया कि उक्त मकान को किराए पर लेकर बड़े पैमाने पर अवैध गैस कारोबार संचालित किया जा रहा था। इसके अलावा शारदा कॉलोनी स्थित एक अन्य परिसर से करीब 110 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। यहां भी अवैध रिफिलिंग के लिए उपयोग में लाए जा रहे उपकरण और पाइप बरामद हुए।

तीनों स्थानों से कुल 265 गैस सिलेंडर जब्त कर उनकी विधिवत सूची तैयार की गई और सभी सिलेंडरों को संबंधित गैस एजेंसी के सुपुर्द कर दिया गया।

इस मामले में चुटिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। साथ ही इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

रांची जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत गैस एजेंसियों से ही सिलेंडर प्राप्त करें और किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अवैध रिफिलिंग की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिले में कालाबाजारी, जमाखोरी और अवैध गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

रांची में नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम, छात्रों को ड्रग्स से दूर रहने का संदेश

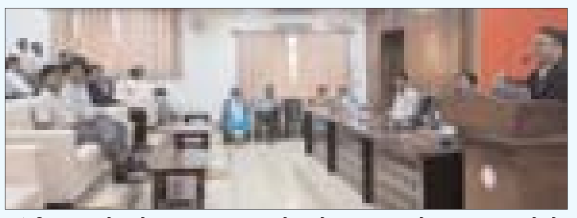

रांची। रांची के छोटानागपुर लॉ कॉलेज में शनिवार को छात्र-छात्राओं के लिए नशा मुक्ति को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) के तत्वावधान में डॉन अभियान के तहत आयोजित हुआ। कार्यक्रम का आयोजन न्यायामूर्ति सह कार्यपालक अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश और सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना तथा न्यायायुक्त सह अध्यक्ष अनिल कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के दौरान डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 47 की जानकारी देते हुए कहा कि नशीले पदार्थों जैसे अफीम या पोस्ता के उत्पादन अथवा कब्जे पर एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत कड़ी सजा का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि मात्रा के आधार पर दोषी को 20 साल तक का कठोर कारावास और दो लाख रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ साइकियाट्री और रिनपास में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के लीगल एड क्लिनिक संचालित हैं, जहां नशे के आदी लोगों का इलाज और परामर्श किया जाता है। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल-फ्री नंबर 15100 की जानकारी भी साझा की। कार्यक्रम में लाइफ सेवर्स एनजीओ के प्रमुख अतुल गेरा ने कहा कि नशा देश को भीतर से कमजोर कर रहा है और युवाओं को इसका सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के लालच में आकर ड्रग्स के जाल में न फंसें। उन्होंने चेतावनी दी कि नशा व्यक्ति के तन, मन और धन तीनों को नुकसान पहुंचाता है और अंततः अपराध की ओर ले जाता है। वहीं नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारी संजीत कुमार ने कहा कि झारखंड में नशे की समस्या से निपटने में एनसीबी की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय द्वारा हाल ही में मानस हेल्पलाइन (टोल-फ्री नंबर 1933) जारी की गई है, जिस पर मादक पदार्थों के सेवन या तस्करी से जुड़ी जानकारी दी जा सकती है। इसके अलावा सीआईडी के रिजवान अंसारी ने मादक पदार्थों की तस्करी के तरीकों और इसमें युवाओं के इस्तेमाल पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को सतर्क रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में सहायक एलएडीसी पंकज कुमार शर्मा, एनसीबी के शारिक उमर, असिस्टेंट डायरेक्टर गौरव सिंह सहित अन्य अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं और पीएलवी सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि नशा मुक्ति के लिए समाज के हर वर्ग को मिलकर जागरूकता फैलानी होगी, तभी एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है।

जेडी नेशनल बीएड कॉलेज में ऊर्जा बचत पर प्रभात-फेरी व नुक्कड़-नाटक

नव प्रदेश संवाददाता

अनगड़ा। जेडी नेशनल बीएड कॉलेज अनगड़ा की एनएसएस इकाई ने शनिवार को हाहे गांव में ऊर्जा की बचत पर एक जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य स्थानीय समुदाय को ऊर्जा के महत्व और दैनिक जीवन में ऊर्जा के बचत एवं सीमित उपयोग को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं ने कॉलेज से हाहे गांव तक पोस्टर बैनर के साथ प्रभात-फेरी एवं नुक्कड़-नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करने का प्रयास किया। कार्यक्रम का निर्देशन एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी चुमकी रॉय ने किया। इस अवसर प्रिंसिपल डॉ निहारिका कुमारी, व्याख्याता डॉ ठाकुर अरुणिमा सिंह, हीरा लाल यादव, सुनीता कुमारी, अमरजीत कुमार, डॉ ममता कुमारी, स्नेहा संपन्ना, चिंता कुमारी एवं सभी प्रशिक्षु उपस्थित थे।

पूर्व विधायक सह किसान नेता राजेंद्र सिंह मुंडा का 5वीं स्मृति दिवस सोनाहातु मे मनाया गया

नव प्रदेश संवाददाता

सोनाहातू। माकपा एवं झारखंड राज्य किसान के तत्वावधान में पूर्व विधायक सह किसान नेता कामरेड राजेंद्र सिंह मुंडा का 5 वीं स्मृति दिवस राजेंद्र सिंह मुंडा प्रतिमा स्थल बरसालडीह,(सोनाहातू) में मनाया गया।झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सह माकपा राज्य सचिव मंडल सदस्य सुफल महतो ने राजेंद्र सिंह मुंडा के जीवनी पर विस्तृत रूप में चर्चा करते हुए कहा जमींदार घर में पैदा लेकर भी उनका पूरा जीवन किसान_ मजदूरों के लिए अर्पित था, पांच परगना क्षेत्र में चल रहे किसान आन्दोलन में उन पर 4 बार जानलेवा हमला हुए जिसमें द्वारिका महतो,दानी दत्ता,फागु मुंडा, शोशोधर मुंडा, गोपाल मुंडा - कांडे मुंडा शहीद हुए थे।राजेंद्र सिंह ने उच्च न्यायालय एवं सुप्रीम कोर्ट में 10 वर्षों से न्यायिक लड़ाई लड़कर झारखंड में 32 वर्षों से रूके पंचायत चुनाव का दरवाजा खोलने में अहम्‍ भूमिका रहा। तीन बार सिल्ली विधानसभा से तीन बार विधायक चुने गए।जल, जंगल, जमीन आन्दोलन में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।इस दौरान मजदूर नेता एसके बक्सी को भी श्रद्धांजलि दी गई।मौके प्रेमचंद पातर, हरिहर महतो, उमेश महतो, घुरन पातर, हरिश्चंद्र प्रमाणिक,सोनाहातू मुखिया विकास मुंडा, नौजवान सभा के नेता दिनेश महतो, महिला नेत्री यशोदा देवी, अंचल किसान सभा के सचिव बसंत मुंडा, किसान नेता विशेश्वर महतो,राजेंद्र सिंह मुंडा,महरू महतो, जगदीश मुंडा, डोमन मुंडा, मनमोहन प्रमाणिक,सोहनलाल मुंडा, शंकर मुंडा, दिनेश महतो, जगन्नाथ मुंडा,मुची राम मुंडा,जगत मुंडा, विश्वनाथ कुम्हार, मनियां महतो,छोटन मुंडा,आदि मौजूद थे।

टेंडर कमीशन घोटाला: दो सेवानिवृत्त अभियंताओं ने किया आत्मसमर्पण, सशर्त जमानत

रांची। रांची के चर्चित टेंडर कमीशन घोटाला मामले में दो आरोपित अधिकारियों ने अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। सेवा निवृत्त अधीक्षण अभियंता उमेश कुमार और तत्कालीन अधिशाषी अभियंता (अब रिटायर्ड) अजय तिर्की ने पीएमएलए अदालत में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद अदालत ने उन्हें सशर्त जमानत दे दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि दोनों आरोपितों को हर सुनवाई की तारीख पर अदालत में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। जमानत पर सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार काका ने पक्ष रखा। इस मामले में ईडी ने 14 आरोपितों के खिलाफ पूरक अभियोजन शिकायत (प्रॉसीक्यूशन कंप्लेंट) दाखिल की थी। अदालत ने संज्ञान लेते हुए सभी आरोपितों के खिलाफ समन जारी किया था। अब तक 8 से अधिक आरोपित अदालत में आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि टेंडर कमीशन घोटाले में ईडी ने पहली कार्रवाई वर्ष 2023 में की थी, जब कई अभियंताओं के ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। इसके बाद 6 मई 2024 को दूसरी बड़ी कार्रवाई हुई, जिसमें अभियंता, ठेकेदार और कांट्रैक्टर से जुड़े ठिकानों पर भी छापेमारी की गई थी। मामले की जांच जारी है और आने वाले समय में इसमें और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में कैंपस सिलेक्शन ड्राइव का सफल आयोजन

नव प्रदेश संवाददाता

मांडर। मांडर स्थित भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्रांगण में शनिवार को एक भव्य कैंपस सिलेक्शन ड्राइव का सफल आयोजन किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से महाविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को सीधे रोजगार से जोड़ने का सशक्त मंच प्रदान किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय की शैक्षणिक सचिव सह प्राचार्या डॉ. दिपाली पराशर एवं प्लेसमेंट इंचार्ज राकेश कुमार राय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए बेहतर रोजगार के अवसर सुनिश्चित करना भी है, ताकि वे एक आदर्श शिक्षक के रूप में समाज में स्थापित हो सकें। इस कैंपस ड्राइव में सत्र 2023-25 के बी.एड. उत्तीर्ण तथा सत्र 2024-26 के अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साक्षात्कार प्रक्रिया के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के प्रतिनिधियों ने अभ्यर्थियों के शैक्षणिक ज्ञान और शिक्षण कौशल का मूल्यांकन किया। कार्यक्रम में लगभग 12-15 प्रतिष्ठित विद्यालयों ने भाग लिया, जिनमें वंडरलैंड स्कूल (कंदरी), ब्राइट फ्यूचर स्कूल (चान्हों), ब्राइट फ्यूचर पब्लिक स्कूल (ब्रांबे), अमेरिकन पब्लिक स्कूल (मांडर), ऑक्सफोर्ड स्कूल (मांडर), संत कोलंबस स्कूल (मुरगु, रातु), सरस्वती शिशु विद्या मंदिर (बिजुपाड़ा) एवं बाघवार एकेडमी (चान्हों) प्रमुख रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राध्यापकों की देखरेख में सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। अंत में प्राचार्या डॉ. दिपाली पराशर ने मीडिया को बताया कि संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को उनके घर के पास ही सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें महानगरों की ओर पलायन न करना पड़े। कार्यक्रम में बी.एड. विभागाध्यक्ष सह प्लेसमेंट इंचार्ज राजेश कुमार राय, आईक्यूएसी समन्वयक मनोज कुमार गुप्ता, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी विवेक राज जायसवाल सहित महाविद्यालय के सभी शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। महाविद्यालय को चयनित अभ्यर्थियों की अंतिम सूची शीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी।

स्कार्पियो की चपेट में आकर बाइक सवार युवक घायल

अनगड़ा। सिकिदिरी–ओरमांझी पथ के सहेदा मोड़ के समीप स्कार्पियो की चपेट में आकर बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।घायल युवक गौतम कुमार महतो (25 वर्ष) सिकिदिरी थाना क्षेत्र के महुआटुंगरी गांव का रहने वाला है। उसका बांया हाथ टूट गया है। घटना शनिवार की दोपहर दो बजे की है।घटना की सूचना मिलते ही सिकिदिरी थाने के एएसआई विशवनाथ उरांव ने स्थानीय लोगों की सहायता से घायल युवक को ओरमांझी स्थित सीएचसी पहुंचाया,जहां से युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स भेजा गया है । बताया जाता है कि गौतम अपने बाइक में सवार होकर गेतलसूद डैम ड्यूटी पर जा रहा था इसी दौरान ओरमांझी की ओर से तेज रफ्तार में जा रहे बिना नंबर का एक स्कार्पियो ने उसे अपने चपेट में ले लिया। पुलिस दोनों वाहनों को जब्त कर थाने ले गई।

रांची में नए ग्रामीण एसपी के रूप में गौरव गोस्वामी ने संभाला पदभार, अपराध नियंत्रण पर रहेगा फोकस

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में नए ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी रूरल) के रूप में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी गौरव गोस्वामी ने शनिवार को अपना कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले वे पतरातू में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) के पद पर कार्यरत थे। शनिवार को समाहरणालय स्थित ग्रामीण एसपी कार्यालय में पदभार ग्रहण करने के बाद गोस्वामी ने कहा कि रांची के ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली आपराधिक घटनाओं का गहन विश्लेषण किया जाएगा। इसके आधार पर अपराध के हॉटस्पॉट चिन्हित कर प्रभावी कार्रवाई की जाएगी, ताकि ग्रामीण इलाकों को अपराध मुक्त बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि राजधानी के ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध के ग्राफ का विस्तृत अध्ययन किया जाएगा। बेहतर पुलिसिंग के लिए यह जरूरी है कि शहरी के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो। गौरव गोस्वामी ने यह भी कहा कि पूर्व ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर द्वारा किए गए अच्छे कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा और पुलिसिंग को और सशक्त बनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार देर रात झारखंड पुलिस महकमे में बड़े स्तर पर फेरबदल किया गया, जिसमें एक साथ 46 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया। इसी क्रम में रांची के पूर्व ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर को देवघर का नया एसपी नियुक्त किया गया है।

सीआईटी में टेक्नो कल्चरल का समापन

अनगड़ा। कैंब्रिज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी टाटीसिलवे के रजत जयंती के मौके पर आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव जेनेसिस 2026 का शनिवार को समापन हो गया। शनिवार को पॉप बैंड विश के कलाकारों ने धमाकेदार प्रस्तुति दी।इसके पूर्व जेयूटी के कुलपति डॉ डीके सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का काफी महत्व है। ऐसे में शिक्षकों की जिम्मेदारी भी काफी बढ़ गई है। विद्यार्थियों को अपने जीवन में सफलता के लिए इनोवेटिव आइडियाज अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने पर भी बल दिया। उन्होने संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष स्व डॉ बहादुर सिंह को कुशल स्वप्नद्रष्टा बताया। कहा कि उनके द्वारा स्थापित यह संस्थान आज प्रतिष्ठित संस्थानों की सूची में शुमार है। संयुक्त सचिव डॉ पल्लवी सिंह ने कुलपति का स्वागत किया। तीन दिवसीय फेस्ट के दौरान डांसिंग, सिंगिंग, फेस पेंटिंग, स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के अलावे बाहर से आए कलाकारों द्वारा डीजे एवं पॉप बैंड की धुन पर विद्यार्थियों ने खूब मस्ती की। मौके पर प्राचार्य डॉ एल रंगनाथन, उप प्राचार्य प्रो. रसिका नवनीत सिंह, डॉ विजय शंकर सिंह, डॉ रणवीर कुमार, डॉ नवीन कुमार, मनीष नाथ, संतोष महतो, अंकित सिंह, दीपक कुमार वर्मा, डॉ शालिनी सिंह आदि शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारी मौजूद थे।

परिसीमन विधेयक को पारित कराना था सरकार की प्राथमिकता : कांग्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने कहा है कि वर्ष 2023 में पारित महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने की बजाय उसमें संशोधन के नाम पर परिसीमन विधेयक को पारित कराना केंद्र सरकार की प्राथमिकता सूची में था। केंद्र सरकार की मंशा महिलाओं को प्रतिनिधित्व देना नहीं चाहती है। यदि सरकार की मंशा साफ होती तो वर्तमान 543 सीटों पर ही 2024 के चुनाव में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित कर सकती थी जिससे लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या 180 हो जाती, लेकिन भाजपा की नियत में खोट है। 2023 के विधेयक में पहले जनगणना फिर परिसीमन और महिला आरक्षण 2029 में लागू करने का विधेयक सरकार की ओर से लाया गया जिसे कांग्रेस सहित विपक्ष ने पूरी तरह से समर्थन दिया था। यह बातें प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता सोनाल शांति ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा। उन्होंने कहा कि आखिर क्या कारण है कि हड़बड़ी में पुनः बिल लाया गया। इस पर राज्य के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी को जवाब देना चाहिए।

रांची में 'चार्टर्ड अकाउंटेंट्स प्रीमियर लीग' का आगाज

पहले दिन देखने को मिले रोमांचक मुकाबले

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की रांची शाखा की ओर से आयोजित तीन दिवसीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स प्रीमियर लीग और महिला प्रीमियर लीग का शुभारंभ शनिवार को रांची जिमखाना क्लब ग्राउंड में उत्साहपूर्ण माहौल के बीच हुआ। उद्घाटन दिवस पर चार्टर्ड एकाउंटेंट्स और उनके परिवारजनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने आयोजन को उत्सव का रूप दे दिया। आईपीएल की तर्ज पर दिवा-रात्रि (डे-नाइट) प्रारूप में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में पुरुष टीमों को चार-चार के दो समूहों में बांटा गया है। पहले दिन कई रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिनमें खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। पुरुष वर्ग के एक प्रमुख मुकाबले में रांची इंडियंस ने टीम गरुडा को 74 रनों से करारी शिकस्त दी। इस जीत में सीए विवेक जैन और सीए प्रशांत साबू की अर्धशतकीय पारियों ने अहम भूमिका निभाई। वहीं रांची वॉरहॉक्स ने सीए अनुभव गारोडिया की शानदार गेंदबाजी (3 विकेट, मात्र 3 रन) के दम पर रांची सुपरस्ट्राइकर्स को 4 रन से हराया। अन्य मुकाबलों में वेल्थ मैटर्स ने रांची वारियर्स को 8 विकेट से हराया, जबकि रांची धुरंधर ने रांची टायफूंस को 35 रनों से पराजित किया। रांची वॉरहॉक्स ने अपने दूसरे मैच में टीम गरुडा को 46 रन से हराकर शानदार फॉर्म जारी रखा। हालांकि, रांची इंडियंस को अपने दूसरे मुकाबले में रांची सुपरस्ट्राइकर्स के हाथों 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। वहीं वेल्थ मैटर्स को रांची टायफूंस चैलेंजर्स के खिलाफ हार मिली और रांची वारियर्स को एक लो-स्कोरिंग मैच में रांची धुरंधर ने मात दी। रांची सुपरस्ट्राइकर्स ने अपने तीसरे मैच में टीम गरुडा को भी हराया। महिला वर्ग में भी मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। रांची इंडियंस ने सुविधा सुपरनोवास को हराया, जबकि रांची वारियर्स ने एक करीबी मुकाबले में रांची टोनेडोज को 3 रन से पराजित किया। प्रारंभिक लीग मैचों के दौरान सभी टीमों के मालिकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर सीए आरके कौशल, सीए विनोद कुमार बांका, सीए राजीव रंजन मित्तल, सीए संजय अग्रवाल, सीए जेपी शर्मा, सीए राहुल चौधरी, सीए संदीप जालान और सीए तिरु आशीष जालान सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उद्घाटन मैच की शुरूआत रांची शाखा के अध्यक्ष सीए अनीश जैन ने टॉस कराकर की। आयोजन में लीग के कन्वेनर सीए मनीष जैन, डायरेक्टर सीए आशीष राणासरिया, सह-कन्वेनर सीए विकास जैन, सीए हेमंत माहेश्वरी, सीए श्रीकांत शर्मा तथा महिला लीग की कन्वेनर सीए मनीषा बियानी और सह-कन्वेनर सीए नेहा पपनेजा सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

बासुडीह गांव में बैठक आज

सिल्ली। बृहद झारखंड कुड़मी समन्वय समिति, टोटेमिक कुड़मी विकास मोर्चा सिल्ली की ओर से रविवार दिनांक 19 अप्रैल 2026 को शाम 4:00 बजे से बासुडीह गांव में एक अति आवश्यक बैठक रखी गई है। जिसमें सिल्ली प्रखण्ड के कुड़मी समाज के अगुवा/ चारिगुरु/समाजसेवी/बुद्धिजीवी/ नवयुवक की उपस्थिति अनिवार्य है। यह जानकारी समिति के सदस्यों की ओर से दी गई।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन प्रमण्डल, लोहरदगा
अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 02/2026-27
कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमण्डल, लोहरदगा।

प्रशासनिक सतर्कता: जिले के 29 केंद्रों पर कल आयोजित होगी संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा

नवप्रदेश/बोकारो। जिले में कल यानी रविवार को संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी) भर्ती प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा 2025 का आयोजन किया जाएगा। प्रशासन ने परीक्षा को कदाचार मुक्त और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए कमर कस ली है। जिले भर में कुल 29 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहाँ दो अलग-अलग पालियों में हजारों परीक्षार्थी शामिल होंगे।

दो पालियों में होगी परीक्षा, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

प्रशासनिक जानकारी के अनुसार, परीक्षा दो सत्रों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक चलेगी, जबकि दूसरी पाली का समय दोपहर 02:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा की त्रि-स्तरीय व्यवस्था की गई है। सभी केंद्रों पर दंडाधिकारी (मजिस्ट्रेट), पुलिस बल और विशेष उड़नदस्ता टीमों की तैनाती की गई है। किसी भी तरह की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस या अनधिकृत सामग्री के प्रवेश को रोकने के लिए अभ्यर्थियों की गहन जांच की जाएगी।

समय का रखें विशेष ध्यान

प्रशासन ने परीक्षार्थियों के लिए सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं: पहली पाली: सुबह 08:00 बजे तक केंद्र पर रिपोर्ट करना अनिवार्य है।

दूसरी पाली: दोपहर 02:30 बजे तक रिपोर्टिंग सुनिश्चित करनी होगी।

अफवाहों से बचने की अपील
जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि वे परीक्षा की शुचिता बनाए रखने में सहयोग करें। किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों या सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर ध्यान न दें। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि परीक्षा में बाधा डालने या अनुचित साधनों का प्रयोग करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बोकारो को मिला नया कप्तान: नाथू सिंह मीणा ने संभाली कमान

हरविंदर सिंह ने सौंपा कार्यभार, अपराधियों को सख्त चेतावनी—सुधर जाएं, नहीं तो जाएंगे सलाखों के पीछे

बोकारो जिले की कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में शनिवार को बड़ा प्रशासनिक बदलाव हुआ। हरविंदर सिंह के स्थानांतरण के बाद नाथू सिंह मीणा ने जिले के नए पुलिस अधीक्षक के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। इस दौरान पूर्व एसपी हरविंदर सिंह ने उन्हें विधिवत कार्यभार सौंपा। पदभार ग्रहण करते ही नए एसपी नाथू सिंह मीणा ने अपने सख्त तेवर स्पष्ट कर दिए। उन्होंने कहा कि जिले की हर गतिविधि पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी और कानून-व्यवस्था से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने दो टूक शब्दों में अपराधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि या तो वे सुधर जाएं, अन्यथा उन्हें जेल की सलाखों के पीछे जाना तय है। नए एसपी ने साफ किया कि अपराध नियंत्रण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और इसके लिए पुलिस महकमा पूरी तत्परता के साथ काम करेगा। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम रहे। साथ ही उन्होंने जिले की जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि पुलिस और आम नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय ही अपराध पर प्रभावी अंकुश लगा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। नए एसपी ने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में किसी भी परिस्थिति में अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा और कानून का सख्ती से पालन कराया जाएगा। उनके इस कड़े रुख से साफ संकेत मिल रहे हैं कि आने वाले समय में बोकारो में अपराध के खिलाफ अभियान और तेज होगा।

बोकारो: नए पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने संभाली कमान, उपायुक्त से की शिष्टाचार मुलाकात

नवप्रदेश/बोकारो। बोकारो के नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने शनिवार को औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालने के तुरंत बाद वे समाहरणालय पहुंचे, जहाँ उन्होंने उपायुक्त अजय नाथ झा से शिष्टाचार मुलाकात की।

विधि-व्यवस्था और सुरक्षा पर मंथन

डीसी और एसपी के बीच हुई इस पहली आधिकारिक बैठक में जिले की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया:

प्रशासनिक समन्वय: जिले के विकास कार्यों को गति देने के लिए पुलिस और नागरिक प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल बिठाने पर सहमति बनी।

विधि-व्यवस्था: संवेदनशील इलाकों में शांति बनाए रखने और अपराध नियंत्रण के लिए कड़े कदम उठाने पर चर्चा हुई।

आगामी त्योहार: आने वाले त्योहारों के मद्देनजर सुरक्षा इंतजामों और भीड़ प्रबंधन की रणनीतियों की समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने किया स्वागत

मुलाकात के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा ने नए एसपी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। उन्होंने श्री मीना को उनके नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में जिले में कानून व्यवस्था और सुदृढ़ होगी।

जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखना और आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास जगाना हमारी प्राथमिकता होगी। विकास कार्यों में प्रशासनिक सहयोग के साथ-साथ अपराध मुक्त वातावरण सुनिश्चित किया जाएगा।
— श्री नाथू सिंह मीना, पुलिस अधीक्षक, बोकारो

इस अवसर पर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। नए एसपी के आगमन से जिले की पुलिसिंग में नई सक्रियता और बदलाव की उम्मीद की जा रही है।

दिलेश्वर महत्तो ने गुमला उपायुक्त का पदभार ग्रहण किया

नवप्रदेश/गुमला। गुमला : कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखंड सरकार की अधिसूचना संख्या 1/पी०-105/2022 का०-2299, दिनांक 17.04.2026 के आलोक में, भा०प्र०से० (झा0-2015) के अधिकारी दिलेश्वर महत्तो ने शनिवार दिनांक 18 अप्रैल 2026 के पूर्वाह्न में जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त, गुमला के पद का प्रभार स्वत: ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत उपायुक्त ने कहा कि जिले में संचालित विकास योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना उनकी प्राथमिकता होगी।

आधार पंजीकरण में लाएं तेजी

नवप्रदेश/बोकारो। बोकारो जिले में आधार नामांकन और अपडेशन की धीमी गति पर कड़ा रुख अपनाते हुए उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने अधिकारियों को शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया है। शनिवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित 'जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति' की बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि आधार अब सरकारी योजनाओं का अनिवार्य हिस्सा है, अत: इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

0-5 वर्ष के बच्चों के लिए लगेंगे विशेष शिविर

बैठक के दौरान डीडीसी ने विशेष रूप से छोटे बच्चों के पंजीकरण पर जोर दिया। उन्होंने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि वे 0-5 वर्ष के बच्चों के लिए विशेष पंजीकरण शिविर आयोजित करें। इन शिविरों का समय सुबह 10:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक निर्धारित किया गया है, ताकि अभिभावकों को सुविधा हो सके।

बंद पड़ी आधार किट होंगी सक्रिय
शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए मजूमदार ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि विभाग के पास उपलब्ध सभी आधार किट को तत्काल सक्रिय करने हेतु पत्राचार करें। उन्होंने कहा कि संसाधनों की कमी के कारण आम जनता को परेशानी नहीं होनी चाहिए।

इन बिंदुओं पर रहा मुख्य फोकस:
प्राथमिकता : नवजात शिशु, स्कूली छात्र, वृद्धजन और दिव्यांगजनों का नामांकन प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

विशेष अभियान: जिन प्रखंडों या क्षेत्रों में आधार कवरेज कम है, वहां 'डोर-टू-डोर' या क्लस्टर आधारित विशेष अभियान चलाकर लक्ष्य पूरा किया जाएगा।

अपडेशन कार्य: मोबाइल नंबर, पता और बायोमेट्रिक अपडेशन के लंबित मामलों को जल्द निपटाने के निर्देश दिए गए।

कड़ी कार्रवाई की चेतावनी : डीडीसी ने कहा कि केंद्रों पर पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। काम में शिथिलता बरतने वाली एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में इनकी रही उपस्थिति
इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री जगरनाथ लोहरा, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री आबिद हुसैन, जिला परियोजना पदाधिकारी शैलेंद्र मिश्रा और UID क्षेत्रीय कार्यालय रांची के प्रतिनिधि श्री हरबीर सिंह सहित विभिन्न नामांकन एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

चास के मुस्कान हॉस्पिटल में अग्निशमन विभाग की मॉक ड्रिल, आपदा से निपटने का दिया परीक्षण

नवप्रदेश/बोकारो। अग्निशमन सेवा सुरक्षा सप्ताह के देशव्यापी अभियान के तहत मंगलवार को उपनगर चास स्थित मुस्कान हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर परिसर में आपातकालीन तैयारियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अग्निशमालय चास के तत्वाधान में संपन्न हुआ। मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य अस्पताल कर्मियों, मरीजों एवं आम लोगों को आगजनी की स्थिति में सतर्कता बरतने और आवश्यक सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान अग्निशमालय चास के फायर ऑफिसर विनोद कुमार सिंह के नेतृत्व में मोहम्मद जुनेद, शाहनवाज खान, सुनेश्वर सिंह एवं रॉकी कुमार झा की टीम ने संयुक्त रूप से ड्रिल का संचालन किया। टीम ने अस्पताल के स्टाफ एवं मरीजों के परिजनों को आग लगने की संभावित परिस्थितियों, उससे बचाव के उपायों तथा अग्निशमन उपकरणों के सही उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही फायर एक्सटिंग्विशर, अग्निसंकट अलार्म सिस्टम एवं आपातकालीन निकासी प्रक्रिया का लाइव प्रदर्शन कर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. इरफान अंसारी, डॉ. शहनवाज अनवर समेत कई वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे। वहीं स्टाफ सदस्य वंदना सहाय, असलम, नरेश, सुमन, अख्तर, रॉबिन, जब्बार, गुनोधर सहित अन्य कर्मियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

नवनियुक्त उपायुक्त दिलेश्वर महतो से मिले जनप्रतिनिधि, दी शुभकामनाएं

नवप्रदेश/गुमला। जिले के नवनियुक्त उपायुक्त दिलेश्वर महतो से शनिवार को विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने मुलाकात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान जिलाध्यक्ष सांसद प्रतिनिधि राजनील तिग्गा, सांसद के निजी सचिव आलोक साहू, कुणाल कुमार एवं संगीता जायसवाल उपस्थित रहे। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए जिले के समग्र विकास को लेकर सकारात्मक चर्चा की। साथ ही जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी संक्षिप्त बातचीत की गई। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सहसांसद प्रतिनिधि राजनील तिग्गा ने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि दिलेश्वर महतो के नेतृत्व में गुमला जिले का सर्वांगीण विकास नई गति प्राप्त करेगा। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय से आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान संभव होगा। हम सभी जनहित के कार्यों में जिला प्रशासन को हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने पूर्व उपायुक्त प्रेरणा दिक्षित के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि प्रेरणा दिक्षित के कार्यकाल में जिले में कई महत्वपूर्ण विकासात्मक पहलें हुईं। उन्होंने प्रशासनिक स्तर पर बेहतर कार्य करते हुए जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दी, जिसका लाभ आम लोगों तक पहुंचा। उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

गुमला की शानदार जीत, 247 रनों से पलामू को हराया

नवप्रदेश/गुमला। शहीद तेलंगा खड़िया क्रिकेट स्टेडियम में जेएससीए द्वारा आयोजित इंटर डिस्टिकट अंडर 19 वीमेंस क्रिकेट प्रतियोगिता का पहला मुकाबला गुमला और पलामू के बीच खेला गया। जिसमे रोमांचक क्रिकेट मुकाबले में गुमला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पलामू को 247 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुमला की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 315 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। गुमला की ओर से मेघा तिर्की ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 71 गेंदों में नाबाद 141 रन बनाए। वहीं पारुल मिश्रा ने भी शानदार खेल दिखाते हुए 50 गेंदों में नाबाद 103 रन की पारी खेली। सुप्रिया रानी ने 17 गेंदों में 29 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पलामू की टीम 19 ओवर में मात्र 68 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से संभवी कुमारी और रहनुमा प्रवीण ने 15-15 रन बनाए। गेंदबाजी में गुमला की सीमा कुमारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि स्वेता कुमारी ने भी 3 विकेट हासिल किए। इसके अलावा बिंदेश्वरी, आंचल कुमारी और सुप्रिया रानी को 1-1 विकेट मिला। सिमडेगा ने खूंटी को 3 विकेट से हराया वही दूसरे मुकाबले में खूंटी और सिमडेगा के बीच खेले गए मुकाबले में सिमडेगा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खूंटी को 3 विकेट से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी खूंटी की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 137 रन बनाए। खूंटी की ओर से साक्षी कुमारी और दिव्या कुमारी ने 28-28 रन की उपयोगी पारियां खेलीं। वहीं रिया कुमारी ने तेज 26 रन (15 गेंद) बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। सिमडेगा की गेंदबाजी में तनिष्का, मनीषा, इशा और ज्योति ने 1-1 विकेट हासिल किए। 138 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिमडेगा की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 138 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। टीम की ओर से गोल्डी सिंह ने 34 रन (24 गेंद) और डॉली ने 32 रन (46 गेंद) की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। ज्योति कुमारी ने 20 रन (23 गेंद) का योगदान दिया, जबकि तनिष्का ने 13 रन बनाए। खूंटी की ओर से गेंदबाजी में रिया कुमारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 27 रन देकर महत्वपूर्ण विकेट हासिल किया। इसके अलावा किरण और प्रीति को 1-1 विकेट मिला। शानदार प्रदर्शन करने वाली ज्योति कुमारी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया ।अंततः सिमडेगा ने यह मुकाबला 3 विकेट से जीत लिया। मौके पर मैच रेफरी की जिम्मेदारी जे एस सी ए से आये मनोज सिंह ने निभाई, जबकि अंपायर की भूमिका जितेंद्र कुमार और अजय पाठक ने निभाई। स्कोरर के रूप में शशि भूषण मिश्रा थे। मौके जिला क्रिकेट संघ के सचिव जीतेन्द्र सिंह, मनोज चौधरी, अंकित विश्वकर्मा, ज्ञान प्रकाश, मधुसूदन उरांव, पुनीत सोनी, हरीश पासवान, आयुष अग्रवाल, सनी साहू, विनीत नाग, शशिरंजन, पंकज कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मुख्य न्यायाधीश का पेटरवार में भव्य स्वागत, गेस्ट हाउस परिसर में किया पौधरोपण

नवप्रदेश/बोकारो। झारखंड उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति महेश शरदचन्द्र सोनक शनिवार को सपरिवार पेटरवार पहुँचे। देवघर दौरे के क्रम में हुए इस अल्प प्रवास के दौरान जिला प्रशासन द्वारा उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया।

पुलिस जवानों ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

माननीय मुख्य न्यायाधीश के पेटरवार स्थित फॉरेस्ट गेस्ट हाउस पहुँचने पर पुलिस के जवानों द्वारा उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। इस दौरान पूरा वातावरण गरिमामय रहा। सुरक्षा और स्वागत की कमान स्वयं जिले के उच्चाधिकारियों ने संभाल रखी थी।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश
इस यात्रा को यादगार बनाते हुए माननीय मुख्य न्यायाधीश ने अपनी धर्मपत्नी के साथ गेस्ट हाउस परिसर में पौधरोपण किया। उन्होंने इस पहल के माध्यम से समाज को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

सीमा पर हुआ स्वागत

इससे पूर्व, जैसे ही माननीय मुख्य न्यायाधीश का काफिला पेटरवार जिला बॉर्डर पर पहुँचा, बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक नाथु सिंह मीणा ने उनकी अगवानी की। अधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ के स्थान पर पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया, जिसकी सराहना की गई।

प्रशासनिक मुस्तैदी

मुख्य न्यायाधीश के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा एवं ठहरने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की थी। मौके पर जिला एवं अनुमंडल स्तर के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। कुछ समय फॉरेस्ट गेस्ट हाउस में विश्राम करने के पश्चात माननीय मुख्य न्यायाधीश अपने परिवार के साथ देवघर की ओर रवाना हो गए।

खैराचातर में आस्था का संगम: सार्वजनिक हरिमंदिर में राधा-कृष्ण की नई प्रतिमाओं की होगी प्राण प्रतिष्ठा

नवप्रदेश/बोकारो। बोकारो जिले के कसमार प्रखंड अंतर्गत खैराचातर के ऐतिहासिक सार्वजनिक हरिमंदिर में आगामी 19 अप्रैल से त्रिदिवसीय 'मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह मंदिर क्षेत्र की आध्यात्मिक धरोहर है, जिसकी स्थापना करीब 150 वर्ष पूर्व अलीम चंद परिवार द्वारा की गई थी। अब इसी पावन स्थल पर राधा-कृष्ण की नूतन प्रतिमाओं के विग्रह स्थापित किए जाएंगे।

इस संबंध में मंदिर से जुड़े कुमार गौरव तथा कुमार मयंक ने बताया कि तीन दिवसीय भक्तिमय अनुष्ठान का शुरूआत 19 अप्रैल (रविवार) को भव्य कलश यात्रा के साथ होगी। प्रथम दिवस (19 अप्रैल): कलश यात्रा एवं पूजन के पश्चात दोपहर में भंडारा और संध्या काल में सामूहिक हरिकीर्तन का आयोजन होगा।

द्वितीय दिवस (20 अप्रैल): सोमवार को विशेष पूजा-अर्चना के साथ-साथ भक्तों के लिए महाप्रसाद (भंडारा) और शाम को पुनः हरिनाम संकीर्तन से क्षेत्र गुंजायमान रहेगा।

तृतीय दिवस (21 अप्रैल): मंगलवार को मुख्य अनुष्ठान होगा। प्रातः काल भगवान राधा-कृष्ण की प्रतिमाओं का 'नगर भ्रमण' कराया जाएगा। दोपहर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी, जिसके उपरांत प्रसाद वितरण होगा। भजन संध्या और जागरण आकर्षण का केंद्र रहेगा।

महोत्सव के अंतिम दिन यानी मंगलवार की शाम को विशाल भजन संध्या एवं भव्य जागरण का आयोजन किया गया है, जिसमें ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी।

क्षेत्र के प्रबुद्धजनों ने दी जानकारी
गांव के प्रमुख समाजसेवी अशोक कुमार जायसवाल, अमरेश जायसवाल, पुरुषोत्तम जायसवाल एवं गौतम सागर ने संयुक्त रूप से बताया कि यह आयोजन पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि यह मंदिर केवल एक ढांचा नहीं, बल्कि हमारी 150 साल पुरानी आस्था का केंद्र है। अलीम चंद परिवार द्वारा रोपित यह भक्ति का बीज आज विशाल वटवृक्ष बन चुका है। हम समस्त धर्मप्रेमियों से सपरिवार इस अनुष्ठान में शामिल होने की अपील करते हैं।

आयोजन को लेकर पूरे खैराचातर और आसपास के गांवों में हर्ष का माहौल है। आयोजन समिति तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

एक नजर

रंगामाटिया में भक्ति जागरण का भव्य आयोजन, जीप सदस्य प्रतिनिधि ने किया उद्घाटन

नवप्रदेश/चंदनकियारी/बोकारो। चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत सिमुलिया पंचायत के रंगामाटिया गांव में श्री श्री रक्षा काली पूजा समिति द्वारा काली पूजा के अवसर पर भक्ति जागरण का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि राजेश कुमार दास ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर भक्ति जागरण कमेटी के सदस्य, ग्रामीणों की बड़ी संख्या और श्रद्धालु मौजूद रहे। पूरा गांव भक्ति और सांस्कृतिक माहौल में डूबा नजर आया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजेश कुमार दास ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन गांवों में आपसी भाईचारा और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ही हमारी असली पहचान है और इसे बचाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन न केवल परंपराओं को जीवित रखता है, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम भी करता है।

बोकारो इस्पात पुस्तकालय में सजी कवि गोष्ठी रचनाओं से गूंजा साहित्यिक माहौल

कवियों ने काव्य पाठ से बांधा समां, साहित्य को बताया समाज का दर्पण

नवप्रदेश/बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के जनवृत-5 स्थित बोकारो इस्पात पुस्तकालय में एक भव्य कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के अनेक कवियों एवं साहित्यकारों ने भाग लेकर अपनी रचनाओं से समां बांध दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप महाप्रबंधक (विधि) शैलेश मिश्रा ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होने के साथ-साथ विचारों को उर्वर बनाता है। उन्होंने युवाओं से मातृभाषा से जुड़ने और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) आलोक कुमार ने कहा कि साहित्यकार अपने समय का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनकी रचनाएँ भविष्य के लिए मार्गदर्शन करती हैं। कार्यक्रम की शुरूआत शीला तिवारी द्वारा सरस्वती वंदना से हुई। स्वागत भाषण कस्तूरी सिन्हा ने दिया, जबकि गोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. आशा पुष्प ने की और मंच संचालन लव कुमार ने किया। काव्य पाठ सत्र में डॉ. नरेंद्र कुमार राय, लव कुमार, अमृता शर्मा, कस्तूरी सिन्हा और रिंकू गिरि सहित कई कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा अर्चना मिश्रा, पूर्णिमा सुमन, ताराचंद महतो, कल्पना केसर, क्रांति श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, श्याम सुंदर केवट समेत अनेक रचनाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहायक प्रबंधक मानस चंद्र रजवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में अमृता शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत दस लाभुकों के बीच कुक्कुट वितरण किया गया

नवप्रदेश/नावाडीह। नावाडीह प्रखंड कार्यालय में शनिवार को मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत लाभुकों के बीच बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम के द्वारा दस यूनिट कुक्कुट वितरण किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से किसान भाइयों के रोजगारोन्मुखी व आय वृद्धि के लिए यह लाभकारी कार्यक्रम चलाया जा रहा है। मौके पर पशु पालन विभाग के डा. कमलेश कुमार, विधायक प्रतिनिधि बालेश्वर महतो,संजय कुमार, गुप्तेश्वर महतो व लाभुक किसान मौजूद थे।

कालीचामदा के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण हेतु बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

ईचागढ़- प्रखंड के मैसाढ़ा पंचायत अंतर्गत ग्राम कालीचामदा के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर शनिवार को ईचागढ़ के प्रखंड विकास पदाधिकारी एकता वर्मा को आवेदन सौंपा है। ग्रामीणों का कहना है कि चांडिल बांध विस्थापन का दंश झेलने के बावजूद आज तक गांव में पक्की सड़क नहीं बन पाई है। करीब 70 परिवारों वाले इस गांव की आबादी लगभग 400 है, लेकिन आवागमन के लिए समुचित सड़क नहीं होने से लोगों का जीवन कठिन बना हुआ है। बरसात के दिनों में कच्ची सड़क दलदल में बदल जाती है, जिससे ग्रामीणों का घर से निकलना तक मुश्किल हो जाता है। सड़क के अभाव में स्वास्थ्य और शिक्षा पर सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती, जिससे मरीजों और गर्भवती महिलाओं को खटिया के सहारे मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है। वहीं, कीचड़ भरे रास्तों के कारण बच्चे नियमित रूप से स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। इस मुद्दे पर विस्थापित अधिकार मंच फाउंडेशन के अध्यक्ष राकेश रंजन महतो ने बताया कि पिछले दो वर्षों से सड़क की स्थिति बदहाल है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि बीडीओ ने 7 दिनों के भीतर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय में सड़क निर्माण की दिशा में ठोस पहल नहीं हुई, तो वे लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत 8 किसानों के बीच 8 जोड़ा बैल का वितरण

ईचागढ़- प्रखंड मुख्यालय परिसर के पशुपालन कार्यालय प्रांगण में शनिवार को जोड़ा बैल शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य रूप से प्रखंड प्रमुख गुरूपद मार्डी,जिप सदस्य ज्योतिलाल मांझी,बीडीओ एकता वर्मा एवं प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ हरेलाल महतो उपस्थित थे। शिविर में किसानों के बीच 90 प्रतिशत अनुदान राशि पर जोड़ा बैल का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत 8 किसानों के बीच 8 जोड़ा बैल का वितरण किया गया। वहीं वीडियो एकता वर्मा ने लाभूक किसानों को सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का जानकारी दिया एवं योजनाओं का समुचित लाभ उठाने का अपील किया। पशु पालन पदाधिकारी डॉ हरेलाल महतो ने बताया कि मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत 90 प्रतिशत अनुदानित राशि पर किसानों को एक एक जोड़ा बैल दिया गया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य किसानों को खेती करने में प्रोत्साहित करना है, ताकि गरीब किसान सरकारी अनुदान पर जोड़ा बैल लेकर मन लगाकर खेती कर सके और किसान आत्मनिर्भर हो। उन्होंने कहा कि बैलों का रखरखाव,समय पर स्वास्थ्य जांच, वैक्सीन आदि के संबंध में भी किसानों को जानकारी दिया गया।वहीं किसानों को जोड़ा बैल मिलने से लाभूक किसानों का चेहरा खुशी से खिल उठा।

सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से जिला परिवहन विभाग के और से विशेष अभियान चलाया गया

नवप्रदेश/गुमला। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निदेशों के आलोक में, जिला परिवहन विभाग ने सभी प्रकार के वाहनों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया, जिससे वाहन चालकों और ट्रांसपोर्टरों के बीच हड़कंप मच गया। गुमला -सिसई मार्ग पर जिला परिवहन पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल के नेतृत्व में विभाग की टीम ने गुमला-सिसई मुख्य मार्ग पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। प्रशासन की इस अचानक कार्रवाई से यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले चालकों में अफरा-तफरी का माहौल रहा।इस विशेष अभियान के दौरान मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कुल 2,26,000 (दो लाख छब्बीस हजार रुपये) का जुमार्ना वसूला गया। ज्ञान शंकर जायसवाल ने कहा :हमारा मुख्य उद्देश्य केवल चालान काटना या राजस्व बढ़ाना नहीं, बल्कि सड़कों पर बहुमूल्य मानवीय जिंदगियों को सुरक्षित करना है। नियम तोड़ने से न केवल बड़ी दुर्घटनाओं का खतरा रहता है, बल्कि यह वाहन मालिकों के लिए भी भारी आर्थिक परेशानी का कारण बनता है। हम चाहते हैं कि लोग नियमों का स्वत: पालन करें। प्रशासन की इस कार्रवाई ने स्पष्ट कर दिया है कि गुमला की सड़कों पर नियमों के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

बाल विवाह को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया

नवप्रदेश/गुमला। इस कार्यशाला में सभा को संबोधित करते हुए स्थाई लोक अदालत के सदस्य श्री शंभू सिंह ने कहा कि बाल विवाह सामाजिक कुरीति है तथा कानूनन अपराध भी है। बाल विवाह से बच्चों का विकास रुक जाता है, उनकी पढ़ाई लिखाई बाधित हो जाती है ,और उनका भविष्य अंधकारमय हो जाता है। बाल विवाह से न केवल लड़कियों एवं लड़कों की अधिकारों का उल्लंघन होता है बल्कि उनके भविष्य के लिए भी हानिकारक है । 21 वर्ष से कम आयु के लड़कों और 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों का शादी करना कानून अपराध है। अक्षय तृतीया को शुभ लगन मानते हुए बहुत जगह शादियां होती है जिसमें बाल विवाह भी होते हैं इसके लिए सभी स्टेक होल्डर, प्रशासनिक पदाधिकारी, एनजीओ ,पीएलवी, चाइल्डलाइन, बाल कल्याण समिति,बाल संरक्षण इकाई सभी को सजग रहना होगा ताकि बाल विवाह को रोका जा सके। एलएडीसी चीफ श्री डी एन ओहदार ने कहा कि बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दें जब वे शिक्षित हो जाएं और शादी करने की आयु हो जाए तभी शादी करनी चाहिए, पहले पढ़ाई तब विदाई। बाल विवाह एक कानूनी अपराध है बाल विवाह होने पर उसके माता-पिता एवं विवाह में शामिल होने वाले सभी लोग दोषी माने जाते हैं हमें बाल विवाह से बचना चाहिए और एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहिए। लोहरदगा ग्राम स्वराज संस्थान की जिला समन्वय श्री मिथिलेश कुमार पांडे ने कहा कि हमारी संस्था प्रशासन से मिलकर जगह-जगह पर बाल विवाह की विरोध में कार्यक्रम कर रही है खासकर अक्षय तृतीया के समय बाल विवाह ना हो पाए इसके लिए हम सजग हैं अपने स्टेक होल्डर के साथ मिलकर हम कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर लीगल एक डिफेंस काउंसिल के जितेंद्र सिंह, ईदू पांडे, सपोर्ट पर्सन जया सेनगुप्ता, कर्णावती कुमारी, चाइल्ड लाइन के पदाधिकारी गण, प्रकाश कुमार पांडे ,पीएलबी नीलम लकड़ा, सोनू कुमारी आदि उपस्थित थे।

मसलिया पुलिस ने किया मोबाइल छिनतई गिरोह का भंडाफोड़

दूसरे अंजाम को अंजाम से पहले मसलिया पुलिस ने दबोचा

नवप्रदेश/दुमका। झारखंड के उपराजधानी दुमका जिले के मसलिया थाना क्षेत्र में मोबाइल छिनतई की घटनाओं पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 अप्रैल 2026 को एक महिला से अपाची मोटरसाइकिल सवार दो अपराधी मोबाइल छीनकर फरार हो गए थे। इस संबंध में मसलिया थाना कांड संख्या 23/26 के तहत धारा 304(2) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर लगातार छापेमारी की जा रही थी।

इसी क्रम में 17 अप्रैल 2026 की संध्या गश्ती के दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि अपाची बाइक से दो युवक पुनः छिनतई की घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए जेएच 21क्यू 5526 नंबर की बाइक पर सवार दोनों संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे भागने लगे। तत्पश्चात पुलिस बल एवं ग्रामीणों के सहयोग से दोनों को पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान पुलिस ने आरोपियों से महिला से छीना गया टेक्नो कंपनी का मोबाइल बरामद किया, वहीं अन्य स्थानों से छिनतई किए गए दो और मोबाइल भी बरामद किए गए।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अर्जुन मंडल एवं जयंत मंडल (दोनों उम्र करीब 19 वर्ष, निवासी फतेहपुर, जिला जामताड़ा) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल तीन टच स्क्रीन मोबाइल (टेक्नो, रेडमी एवं रियलमी कंपनी) बरामद किए हैं। इस छापेमारी अभियान का नेतृत्व थाना प्रभारी रजेश रंजन ने किया, जिसमें अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

एचपीवि वैक्सीनः 14-15 वर्ष की बालिकाओं को मुफ्त टीकाकरण

नवप्रदेश/गिरिडीह : जिला स्वास्थ्य समिति, गिरिडीह द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार देशभर में 28 मार्च से एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन अभियान की शुरुआत की गई है, जिसे झारखंड में 30 अप्रैल से आम जनता के लिए लागू किया गया है। यह वैक्सीन एचपीवी संक्रमण से बचाव करती है, जो महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) का प्रमुख कारण माना जाता है स्वास्थ्य विभाग के अनुसार भारत में सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले कैंसरों में दूसरा सबसे प्रमुख कैंसर है। यह वैक्सीन वर्ष 2010 से कई देशों में उपयोग में है, लेकिन इसकी ऊंची कीमत के कारण अब तक व्यापक स्तर पर इसका उपयोग नहीं हो पाया था अब सरकार द्वारा यह वैक्सीन सदर अस्पताल एवं सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 14 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी और 15 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं को निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। यह एक सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाली वैक्सीन है, जिसके दो डोज लेने से भविष्य में एचपीवी संक्रमण से होने वाले कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है जिला स्वास्थ्य समिति ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी बालिकाओं को नजदीकी सदर अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र में लेकर आएं और आधार कार्ड या अन्य पहचान पत्र के साथ समय पर टीकाकरण कराएं, ताकि उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सके स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि समय रहते टीकाकरण और जागरूकता ही इस गंभीर बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

सी.बी.एस.ई.की दसवीं बोर्ड परीक्षा में एप्रिसिएबल का शानदार प्रदर्शन

नव प्रदेश संवाददाता/जयनगर। प्रखण्ड अंतर्गत एप्रिसिएबल पब्लिक स्कूल कटिया परसाबाद में सी.बी.एस.ई. नई दिल्ली से प्रकाशित 10 वीं बोर्ड परीक्षा में सुधीर कुमार यादव 458 अंक लाकर विद्यालय टॉपर बना, प्रीति कुमारी 452, भूमि 453, आयुषी कुमारी 451,विद्यालय निदेशक मुंशी यादव ने बताया कि सत्र 2025. 26 सी.बी.एस.ई. नई दिल्ली की बोर्ड परीक्षा में विद्यालय अपना उम्दा प्रदर्शन किया है विद्यालय में विषयवार उच्चतम अंक इस प्रकार रहे, अंग्रेजी 94, हिन्दी 98, सोशल साइंस 97, मैथ्स 97, साइंस 96, आई.टी. 98 विद्यालय में दूसरे स्थान पर प्रीति कुमारी इसका कुल प्राप्तांक 452, तीसरे स्थान पर सकलदेव कुमार गुप्ता 443 अंकों के साथ आरूषी कुमारी 441, गोविन्द साव 412, निलेश कुमार 425, अजीत कुमार यादव 422, सुति बाला-432, अभिषेक यादव 340, आर्यन कुमार-400, प्रियांक कुमार 303, शिवम पंडित 322, रोशन कुमार 490, सृष्टि कुमारी -395,सतीश राणा 392, साहिल कुमार 356, अंशु कुमारी 330, पूर्णिमा कुमारी 370 ,अनमोल कुमार 361, शिवम पंडित 335, शिवम 325, रोहित 330, रिषिका 400, अर्पित 350, रिया 357, अंकित -320, प्रियंका 395, मनीष 360, भूमि 435, आयुष 441, नितेश 376, सचिन 402, राधिका 408, संजित 443, प्रथम श्रेणी से पास होने वाले अन्य छात्र. छात्राओं में आयुष कुमार, अमीषा कुमारी, अभिनंदन यादव, धर्मवीर राणा 362, कुंदन राणा, अंशु कुमारी, सुप्रिया, पूजा कुमारी 390, स्वीटी कुमारी -350 , आनंद कुमार यादव-320 आदि ,विद्यालय निदेशक मुंशी यादव ने बताया कि विद्यालय के 4 बच्चे 90% से ऊपर अंक प्राप्त किए करीब 30% बच्चे 80 से 90% अंक अर्जित किए 40 % बच्चे 60 से 80% अंक अर्जित किएविद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विद्यालय निदेशक मुंशी यादव ने कहा कि विद्यालय बेहतरीन परीक्षा परिणाम के लिए जाना जाता है और यह परिणाम अभिभावकों के सहयोग से ही संभव हो पाता है, इसलिए छात्र. छात्राओं के साथ. साथ अभिभावकों को भी बधाई व शुभकामनाएं देता हूँ तथा सभी छात्र. छात्राओं की उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

हाजत मौतः तबादला नहीं, दोषियों को जेल और 50 लाख मुआवजा दो, वरना आप का तेज होगा आंदोलन

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। जयनगर थाना हाजत में कटिया पंचायत निवासी विजय यादव की संदिग्ध मौत को लेकर आम आदमी पार्टी ने मोर्चा तेज कर दिया है। पार्टी के जिला अध्यक्ष महेश कुमार यादव ने स्पष्ट कहा कि सिर्फ प्रशासनिक तबादले से न्याय नहीं मिलेगा, जब तक दोषी पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी, कड़ी सजा और पीड़ित परिवार को सम्मानजनक मुआवजा नहीं दिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि आप के दबाव में डीसी और एसपी का तबादला हुआ है, जो जनता की जीत है, लेकिन यह लड़ाई अभी अधूरी है। कुर्सी बदलने से सच नहीं बदलता, उन्होंने दो टूक कहा। जोनल कोऑर्डिनेटर दिनेश यादव ने भी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर न्याय नहीं मिला तो आंदोलन को पूरे प्रदेश में जनआंदोलन का रूप दिया जाएगा। आप ने अपनी मांगों में 50 लाख मुआवजा, दोषियों की गिरफ्तारी, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और न्यायिक जांच की मांग उठाई है। पार्टी ने प्रशासन को चेताया कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र व व्यापक होगा।

NCC कैंप के चौथे दिन कैडेट्स ने दिखाया अनुशासन और दमदार प्रदर्शन

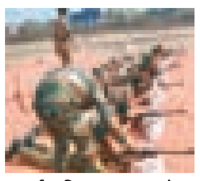

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। बागीताड़ स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक, कोडरमा परिसर में 45 झारखंड बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का चौथा दिन उत्साह, अनुशासन और ऊर्जा से भरपूर रहा। ग्रुप हेडक्वार्टर हजारीबाग के अंतर्गत आयोजित इस शिविर का नेतृत्व कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विजय कुमार (सेना मेडल) कर रहे हैं। दिन की शुरुआत वार्मअप, दौड़, स्ट्रेचिंग और ड्रिल से हुई, जिसमें कैडेट्स के प्रदर्शन की सराहना की गई। शिविर में जिले के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों से आए लगभग 600 कैडेट्स भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण सत्र में भारतीय स्टेट बैंक, कोडरमा के अधिकारियों ने साइबर सुरक्षा और फ्रॉड से बचाव पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं कैडेट्स को हथियार प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, टेंट पिचिंग, फील्ड और बैटल क्राफ्ट का गहन अभ्यास कराया गया। इसके अलावा दामोदर वैली कॉरपोरेशन का शैक्षणिक भ्रमण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी और गणतंत्र दिवस परेड 2027 के लिए विशेष अभ्यास भी जारी है। समग्र रूप से चौथे दिन का कैंप प्रशिक्षण, ज्ञान और सांस्कृतिक गतिविधियों का शानदार संगम रहा, जो कैडेट्स के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभा रहा है। वहीं कैंप के डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट संतोष कुमार के मार्गदर्शन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु नृत्य एवं संगीत की तैयारियाँ भी जोरों पर हैं। वहीं, सूबेदार मेजर जी.के. चौधरी की देखरेख में इंटर ग्रुप गवर्नर बटालियन प्रतियोगिता तथा नई दिल्ली में आयोजित होने वाली 26 जनवरी 2027 की गणतंत्र दिवस परेड के लिए कैडेट्स को ड्रिल एवं फायरिंग का कठोर अभ्यास कराया जा रहा है।

डीएवी पब्लिक स्कूल डोमचांच में टॉपर्स छात्रों को मिला सम्मान

नव प्रदेश संवाददाता/डोमचांच। स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में सीबीएसई बोर्ड सत्र 2025. 26 के टॉप 15 विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में मेधावी छात्रों को चंदन तिलक लगाकर, माला पहनाकर, मिठाई खिलाकर और पेन भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर सुनील कुमार, दिलीप कुमार, एकेडमिक इंचार्ज अंजनी सर सहित सभी शिक्षक. शिक्षिकाएं एवं अभिभावक मौजूद रहे। पूरे समारोह के दौरान उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। डायरेक्टर सुनील सर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें आगे की पढ़ाई में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मेहनत, अनुशासन और लगन ही सफलता की कुंजी है। कार्यक्रम भले ही छोटा था, लेकिन इसकी गरिमा और प्रेरणादायक माहौल ने सभी को प्रभावित किया। यह सम्मान समारोह न केवल छात्रों के मनोबल को बढ़ाने वाला रहा, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बना।

मनरेगा डोभा निर्माण में धांधली, शिकायत के बाद, जाँच टीम ने किया स्थल निरीक्षण

नवप्रदेश/दुमका। झारखंड के उपराजधानी दुमका जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत पलासी पंचायत के जामकान्दर गांव में मनरेगा योजना के तहत डोभा निर्माण में बड़े पैमाने पर फजीर्वाड़े का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित ग्रामीण विजय कुमार यादव और सुशांत धीवर ने शुक्रवार को दुमका उपायुक्त को लिखित आवेदन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्ष 2023-24 में उनके नाम से स्वीकृत डोभा निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरती गई है। विजय कुमार यादव के अनुसार उनके वर्क कोड पर मात्र 2 फीट काम कराकर 3,80,700 रुपये की फर्जी निकासी कर ली गई, वहीं सुशांत धीवर ने भी लगभग 3 फीट काम के बदले 3,79,880 रुपये के गबन का आरोप लगाया है।

पीड़ितों ने स्पष्ट रूप से रोजगार सेवक मशकूर खान, पंचायत सचिव और कनीय अभियंता (जेई) मुकेश कुमार पर बिचौलियों के साथ मिलीभगत कर सरकारी राशि को आपस में बांटने का गंभीर आरोप लगाया है। शिकायत में कहा गया है कि अधूरा निर्माण होने के कारण ग्रामीणों की कृषि योग्य भूमि भी बर्बाद हो गई है और वे न तो खेती कर पा रहे हैं और न ही मछली पालन। दुमका उपायुक्त अभिजीत सिन्हा को दिए गए इस आवेदन पर त्वरित संज्ञान लेते हुए आज एक विशेष जाँच टीम गांव पहुंची और स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। जाँच टीम ने मौके पर डोभा की गहराई मापी और ग्रामीणों के बयान दर्ज किए। अब ग्रामीणों को प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार है ताकि दोषियों पर कानूनी शिकंजा कसा जा सके और योजना का कार्य एस्टीमेट के अनुसार सही तरीके से पूर्ण हो सके।

इस मामले को लेकर शिकारीपाड़ा प्रखंड विकास पदाधिकारी को फोन करने पर बात नहीं हो सका, और जी से बात करने पर बताया कि जैसा काम होता है वैसा ही किया गया है, हालांकि जांच टीम के बारे में कुछ जानकारि है।

बीडीओ एजाज आलम के नेतृत्व में 150 पशुओं को दिया गया एमएफडी का टीका

नवप्रदेश/दुमका। उपयुक्त अभिजीत सिन्हा के निर्देशानुसार प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद एजाज आलम के नेतृत्व में प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉक्टर बालमुकुंद कुमार की टीम द्वारा शनिवार को प्रखंड के मोड़ाआम पंचायत के इंद्रबानी गांव में शिविर लगाकर 150 पशुओं को एमएफडी का टीका दिया गया। डॉ बालमुकुंद कुमार ने बताया कि एमएफडी एक वायरल डिजीज है, जिसका कोई इलाज नहीं है। इसका केवल रोकथाम कर इसे फैलने से रोका जा सकता है और साफ सफाई रखते हुए पशुओं को बचाया जा सकता है उन्होंने बताया कि इस बीमारी के शुरू होने के पूर्व पशुओं को एमएफडी का वैक्सीन लगाया जाता है, जिस पशु में यह बीमारी होती है उसके मुंह में घाव हो जाता हैं। जीभ में छाले पड़ जाते हैं, पशु को काफी तेज बुखार होता है, पैर के खूर में भी घाव हो जाता है। उसके मुंह को साफ पानी से धोकर उसमें हल्दी और घी लगाकर उपचार होता है, तथा संक्रमित पशु को अन्य पशुओं से अलग रखा जाता है ताकि संक्रमण फैले नहीं। मौके पर पशुपालकों के बीच किर्मी नाशक दवा के साथ-साथ विटामिन का भी मुफ्त वितरण किया गयो इस अवसर पर पंचायत की मुखिया निर्मला मुर्मू एवं ग्रामीण मौजूद थे।

इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन ने बच्चियों को लगवाई सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन की दूसरी खुराक

नवप्रदेश/गिरिडीह : महिला स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन ने आज समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। स्थानीय नवजीवन नर्सिंग होम में एक विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से सुरक्षा प्रदान करना था। क्लब के इस सफल अभियान के तहत कुल 9 बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन की दूसरी और अंतिम खुराक दी गई। गौरतलब है कि इन बच्चियों के टीकाकरण की शुरूआत पिछले वर्ष अक्टूबर में की गई थी, जब उन्हें वैक्सीन का पहला डोज दिया गया था। आज की प्रक्रिया के बाद, ये सभी बच्चियां अब इस घातक बीमारी के विरुद्ध चिकित्सकीय रूप से सुरक्षित हो गई हैं। **सर्वाइकल कैंसरः लक्षण और निवारण की आवश्यकता** सर्वाइकल कैंसर, जिसे गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर भी कहा जाता है, वैश्विक स्तर पर महिलाओं के लिए एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। यह मुख्य रूप से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के कुछ विशिष्ट प्रकारों के संक्रमण के कारण होता है। प्रारंभिक अवस्था में इसके लक्षण स्पष्ट नहीं होते, जिसके कारण यह अधिक खतरनाक हो जाता है। हालांकि, चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, यदि उचित आयु (9 से 14 वर्ष) के भीतर इसका टीकाकरण करवा लिया जाए, तो भविष्य में इस कैंसर की संभावना को लगभग शून्य किया जा सकता है।

जगदीशपुर और रतनपुर में भव्य कलश यात्रा के साथ महायज्ञ शुरू

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के जगदीशपुर में श्री श्री 1008 शिव कल्याणार्य नव दिवसीय शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठात्मक रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ शनिवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। श्रद्धा और भक्ति के संगम में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल विधायक मनोज कुमार यादव ने मुख्य पुजारी को कलश सौंपकर यात्रा को रवाना किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि महायज्ञ से वातावरण शुद्ध होता है और लोगों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने महादेव से क्षेत्र की सुख, समृद्धि और जन-कल्याण की मंगल कामना की। कलश यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहा। महायज्ञ समिति के अध्यक्ष चंद्रदेव यादव, सचिव रामाधीन तुरी और कोषाध्यक्ष विजय यादव, सहित सदस्य ने अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।कलश यात्रा में जिप उपाध्यक्ष किसुन यादव, प्रमुख पूर्णिमा देवी, सांसद प्रतिनिधि सहदेव प्रसाद यादव, विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक, मुखिया सुनीता देवी, रेखा देवी, सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

रतनपुर वार्षिकोत्सव में उमड़ी भक्तों की भीड़

ग्राम रतनपुर में आयोजित वार्षिकोत्सव सह महायज्ञ को लेकर शनिवार को कलश यात्रा निकाली गई। भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिला व पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। विधायक ने मुख्य पुजारी को कलश भेंट कर यात्रा का शुभारंभ किया। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि महेश भुइयाँ, मंडल अध्यक्ष आरती कौशल, पूर्व मंडल अध्यक्ष गजाधर प्रसाद, सेलहारा मुखिया प्रवीण सिंह, भाजपा नेता अरविंद साव, बसंती देवी, नीलू देवी मौजूद थीं। वहीं आयोजन समिति की ओर से रंजीत भुइयाँ एवं अन्य उपस्थित रहे।

गिरिडीह जिला चेम्बर का आभार कार्यक्रम

नवप्रदेश/गिरिडीहः झारखंड के 7 लाख अनाधिकृत तरीके से निर्मित भवनों को नियमित करने का प्रस्ताव को बुधवार को राज्य कैबिनेट ने मंजूरी दी। इस ऐतिहासिक निर्णय को अमलीजामा पहनाने में माननीय नगर विकास एवं आवास मंत्री श्री सुदिव्य कुमार जी का विशेष योगदान रहा है। उनके उदार दृष्टिकोण के कारण ही झारखंड की जनता को यह बड़ी राहत मिली है। इस जनहितकारी निर्णय का स्वागत करते हुए आज गिरिडीह जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री श्री सुदिव्य कुमार जी के उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात की। सदस्यों ने मंत्री जी का गर्मजोशी से स्वागत किया और इस ऐतिहासिक कदम के लिए उनका आभार व्यक्त किया। ने अपने संबोधन में सरकार की सराहना करते हुए कहा कि जहाँ देश के कई हिस्सों में अनधिकृत निमार्णों को ध्वस्त किया जा रहा है, वहीं झारखंड सरकार ने जनता के हितों को प्राथमिकता दी है। इस अवसर पर सुदिव्य कुमार जी ने कहा कि झारखंड सरकार की नीतियां सदैव जन-कल्याण के लिए समर्पित हैं।

गैस वितरण में लापरवाही तपती धूप में घंटों कतार में खड़े रहे सैकड़ों उपभोक्ता

होम डिलीवरी बंदः सुबह 4 बजे से लाइन त्रिदेव इंडेन गैस एजेंसी पर ग्राहकों का आक्रोश

नव प्रदेश संवाददाता

मरकच्चो। प्रखंड में त्रिदेव इंडेन गैस एजेंसी की लापरवाही और अव्यवस्था से उपभोक्ता बुरी तरह परेशान हैं। शनिवार को कड़ी और झुलसा देने वाली धूप के बावजूद सैकड़ों लोग दोपहर तीन बजे तक गैस लेने के लिए लंबी कतार में खड़े रहे। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि कुछ उपभोक्ता लू की चपेट में आ गए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल जाना पड़ा। ग्राहकों का आरोप है कि एजेंसी द्वारा क्षेत्र में होम डिलीवरी की सुविधा पूरी तरह ठप कर दी गई है, जिसके कारण लोगों को सुबह चार बजे से ही लाइन लगानी पड़ती है। महिला और बुजुर्ग उपभोक्ताओं को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। उनका कहना है कि कोडरमा जिले के अन्य प्रखंडों में जहां घर. घर गैस पहुंचाई जा रही है, वहीं मरकच्चो में यह सुविधा नदारद है। उपभोक्ताओं ने यह भी बताया कि कई बार जिला प्रशासन से शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति कर दी जाती है, जिससे एजेंसी संचालक के हौसले बुलंद हैं। लगातार बढ़ती इस समस्या से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उपभोक्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि गैस वितरण व्यवस्था को दुरुस्त कर होम डिलीवरी शुरू कराई जाए, ताकि आम लोगों को इस भीषण गर्मी में राहत मिल सके।

झारखंड के प्रतिभागियों का दार्जिलिंग में एक्सपोजर विज़िटः पर्यटन कौशल विकास को मिलेगा नया आयाम

नवप्रदेश/जमशेदपुर/घाटशिला/कोडरमाः झारखंड में पर्यटन को नई दिशा देने की पहल के तहत राज्य पर्यटन विभाग ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कोडरमा एवं पूर्वी सिंहभूम जिलों से चयनित 60 प्रतिभागियों (जिनमें 5 अधिकारी शामिल हैं) को पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों–दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी और आसपास के क्षेत्रों–में एक्सपोजर विज़िट पर भेजा गया है।

शनिवार को इस विशेष प्रशिक्षण यात्रा को अनुमंडल पदाधिकारी सुनील चंद्र ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को आधुनिक पर्यटन प्रबंधन, होमस्टे संचालन और सतत विकास के व्यावहारिक पहलुओं से सीधे तौर पर परिचित कराना है। इस पहल का संचालन ह्यडेस्टिनेशन अनलिमिटेड टूर एंड ट्रेवल्सह्न, जमशेदपुर द्वारा किया जा रहा है।

इस एक्सपोजर विज़िट के दौरान प्रतिभागियों को दार्जिलिंग के सफल पर्यटन मॉडल को नजदीक से समझने का अवसर मिलेगा। यहां होमस्टे क्लस्टर आधारित मॉडल पर विकसित किए गए हैं, जो चाय बागानों, मठों और प्राकृतिक स्थलों के आसपास संचालित होते हैं। यह मॉडल झारखंड के आदिवासी गांवों और इको-टूरिज्म क्षेत्रों में भी अपनाया जा सकता है, जिससे राज्य को एक नई पर्यटन पहचान मिल सकती है।

कार्यक्रम से जुड़े निदेशक मनोरंजन मंगराज के अनुसार, इस मॉडल की एक खास विशेषता महिला सशक्तिकरण है। दार्जिलिंग में कई होमस्टे महिलाओं द्वारा सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं। इसी तर्ज पर झारखंड में भी महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे और पर्यटकों को सुरक्षित, आत्मीय और स्थानीय अनुभव प्राप्त होगा।

प्रतिभागियों को स्थानीय संस्कृति–पारंपरिक भोजन, लोक संगीत और हस्तशिल्प–को पर्यटन से जोड़कर आय के विविध स्रोत विकसित करने की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देते हुए अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक उत्पादों के उपयोग और इको-फ्रेंडली निर्माण तकनीकों का प्रशिक्षण भी शामिल है।

डिजिटल युग को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया और ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म के जरिए पर्यटन प्रचार-प्रसार के आधुनिक तरीकों पर भी जोर दिया जा रहा है। यह पहल झारखंड के पर्यटन क्षेत्र को सशक्त बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभा सकती है।

इस यात्रा में झारखंड पर्यटन विभाग के डिजिटल मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव अभिषेक सिंह, ग्रुप कोऑर्डिनेटर सोम्य रंजन मिश्रा, इवेंट कोऑर्डिनेटर संग्राम मोहंती, खाद्य एवं पेय प्रबंधक ब्रह्म पटनायक, वीडियो एडिटर सौम्या, ट्रांसपोर्ट इंचार्ज सत्य प्रकाश और प्रभाकर कुमार सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी शामिल हैं। साथ ही धालभूमगढ़ से 14, घाटशिला से 36 और कोडरमा से 15 महिलाएं भी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा बनी हैं।

यह एक्सपोजर विज़िट न केवल प्रतिभागियों के कौशल विकास में सहायक होगी, बल्कि झारखंड के पर्यटन उद्योग को आत्मनिर्भर और आकर्षक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकती है।

एक नजर

हाई कोर्ट के नियम धरे के धरे, रायडीह से नवलशाही तक धूल- प्रदूषण का कहर

क्रशर प्लांट की मनमानी से सड़क बनी डस्ट जोन, हादसे और बीमारियों से त्रस्त लोग

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। झारखंड हाई कोर्ट के स्पष्ट निर्देश के बावजूद गिरिडीह- डोमचांच मुख्य मार्ग पर नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। रायडीह, पचगांवा से लेकर नवलशाही तक सड़क किनारे दर्जनों क्रशर प्लांट संचालित हैं, जिससे पूरा इलाका धूल और प्रदूषण की चपेट में आ गया है। शाम के समय भी सड़क पर उड़ती धूल की घनी परत हालात की भयावह तस्वीर पेश करती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस डस्ट के कारण सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन और कई तरह की बीमारियां बढ़ रही हैं। वहीं सड़क पर जमा मोटी धूल के कारण बाइक सवारों का संतुलन बिगड़ रहा है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इतना ही नहीं, यह धूल पास की पुरनाडीह नदी में भी जमा हो रही है, जिससे पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ रहा है। हाई कोर्ट के 500 मीटर दूरी के नियम के बावजूद क्रशर प्लांट सड़क किनारे ही चल रहे हैं, जिससे प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने जल्द कार्रवाई की मांग करते हुए कहा है कि अगर स्थिति नहीं सुधरी, तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत ऑनलाइन क्विज विजेता सम्मानित

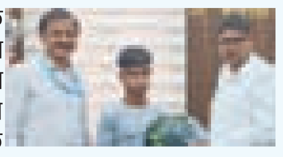

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के निदेर्शानुसार झारखंड राज्य में दिनांक 01.01.2026 से 31.01.2026 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का आयोजन किया गया। इस दौरान जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से एक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। उक्त प्रतियोगिता में कोडरमा जिले से चयनित द्वितीय सफल विजेता संतोष यादव को जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी कोडरमा द्वारा हेलमेट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय में छात्रों का धरना, 15 दिन में समाधान नहीं तो उग्र आंदोलन

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा विनोबा भावे विश्वविद्यालय में व्याप्त शैक्षणिक और प्रशासनिक समस्याओं को लेकर एक दिवसीय छात्र हुंकार धरना आयोजित किया गया। इस दौरान परिषद के प्रदेश मंत्री प्रकाश टूटी ने विश्वविद्यालय प्रशासन को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 15 दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो संगठन चरणबद्ध उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा। उन्होंने कहा कि परिषद हमेशा छात्र हितों और सामाजिक सरोकारों के लिए संघर्ष करती रही है और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार आवाज उठाती रही है। वहीं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बाबूलाल मेहता ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है, जिससे छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। धरना के दौरान परिषद ने कई प्रमुख मांगें रखीं, जिनमें लंबित परीक्षाएं आयोजित करना, छात्रसंघ चुनाव कराना, शिक्षकों की नियुक्ति, सत्र नियमित करना, मूलभूत सुविधाएं बहाल करना और आर्थिक अनियमितताओं की जांच शामिल है। जिला संयोजक अतुल आनंद ने कोडरमा के कॉलेजों की समस्याएं भी उठाईं। कुलपति ने समाधान का आश्वासन दिया, लेकिन परिषद ने स्पष्ट किया कि समयसीमा में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज होगा।

नाली निर्माण कार्य की लापरवाही से चौपारण बाजार में जल संकट, एक माह से ठप जलापूर्ति

नवप्रदेश/चौपारण। विकास कार्यों की आड़ में आम जनता की बुनियादी जरूरतों की अनदेखी का बड़ा मामला चौपारण बाजार में सामने आया है। एनएचएआई-19 के चौड़ीकरण, ओवरब्रिज और नाली निर्माण कार्य के दौरान कंस्ट्रक्शन कंपनी की लापरवाही से पूरे बाजार क्षेत्र में गंभीर जल संकट उत्पन्न हो गया है। भीषण गर्मी के बीच पिछले एक माह से जलापूर्ति पूरी तरह ठप है, जिससे हजारों परिवार बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। जानकारी के अनुसार, सर्विस रोड चौड़ीकरण के दौरान जैन मंदिर के आसपास मुख्य जलापूर्ति पाइप कई जगहों पर क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद से बाजार क्षेत्र में पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद हो गई। हैरानी की बात यह है कि स्थानीय लोगों द्वारा बार-बार शिकायत करने के बावजूद अब तक पाइप की मरम्मत नहीं कराई गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। शुरूआत में निर्माण कार्य देख रहे कॉन्ट्रेक्टर ने दो दिन में समस्या के समाधान का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया था, लेकिन एक माह बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कंस्ट्रक्शन कंपनी उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेने के बजाय लगातार नजरअंदाज कर रही है।इस जल संकट का सबसे अधिक असर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ रहा है। लोगों को दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है, जिससे उनकी दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हो गई है। बढ़ती गर्मी के बीच पानी की किल्लत ने स्थिति को और भी भयावह बना दिया है।क्षेत्र में बढ़ती नाराजगी अब आक्रोश में बदलती जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अविलंब हस्तक्षेप कर जलापूर्ति बहाल कराने और जिम्मेदार कंस्ट्रक्शन कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, इस संबंध में कंस्ट्रक्शन कंपनी के अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

मुखिया ने अमझर प्राथमिक विद्यालय में पोशाक वितरण, बच्चों में दिखा उत्साह

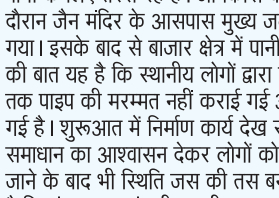

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड अंतर्गत बसरिया पंचायत के ग्राम अमझर स्थित प्राथमिक विद्यालय अमझर में कक्षा 1 एवं 2 के छात्र-छात्राओं के बीच पोशाक वितरण कार्यक्रम हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पंचायत की मुखिया मंजू देवी एवं प्रतिनिधि शिव नारायण पासवान के हाथों बच्चों के बीच पोशाक का वितरण किया गया।इस अवसर पर बच्चों को दो सेट स्कूल ड्रेस के साथ जूता, मोजा एवं स्वेटर भी प्रदान किए गए। नई पोशाक पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने, अनुशासन बनाए रखने तथा मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया गया। मुखिया प्रतिनिधि शिव नारायण पासवान ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का मुख्य उद्देश्य हर बच्चे तक शिक्षा की सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है, और ऐसे कार्यक्रम इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक गोपाल साव, शिक्षक जयकरण ठाकुर, बिपिन कुमार, श्रवण रविदास, अभिभावक केदार यादव सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों के उत्साह को बढ़ाते हैं और शिक्षा के प्रति उनकी रुचि को प्रोत्साहित करते हैं।

कान्दरबेड़ा पर खड़ी ट्रेलर से टकराई बाइक, दो युवक सहित एक महिला बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल

नवप्रदेश/चांडिल – सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल थाना क्षेत्र अंतर्गत कान्दरबेड़ा के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-33 पर शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से जा टकराई, जिससे बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि एक महिला को हल्की चोटें आई हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार तीनों लोग नीमडीह प्रखंड के चालियामा बांधड़ीह गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। घायलों में श्रीकांत सिंह, नागेंद्र सिंह एवं प्रतिमा सिंह शामिल हैं।बताया जा रहा है कि तीनों जमशेदपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कान्दरबेड़ा के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर में उनकी बाइक पीछे से जा भिड़ी।हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मौके पर मौजूद आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव हरेलाल महतो के भाई रुद्र प्रताप महतो ने निजी एम्बुलेंस की व्यवस्था कर सभी घायलों को तत्काल महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) अस्पताल, जमशेदपुर पहुंचाया।डॉक्टरों के अनुसार, दोनों युवकों की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जबकि महिला को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।घटना स्थल पर समाजसेवी शेखर गांगुली एवं झामुमो के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष हरिदास महतो भी मौजूद थे।यह हादसा एक बार फिर राष्ट्रीय राजमार्गों पर लापरवाही से खड़े भारी वाहनों और तेज रफ्तार के कारण बढ़ते सड़क हादसों पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

संपादकीय

हमेशा परिवार की प्रमुख रही है नारी

भारतीय समाज की मूल संरचना में नारी की भूमिका सदैव केंद्र में रही है। आदिकाल से लेकर वर्तमान समय तक महिलाएं परिवार और समाज दोनों में सर्वोपरि स्थान रखती आयी हैं। नारी केवल एक सदस्य नहीं, बल्कि परिवार की दिशा और दशा तय करने वाली शक्ति है। वह संस्कारों की जननी, परंपराओं की संरक्षक और सामाजिक संतुलन की आधारशिला है। इतिहास इस सत्य का साक्षी है कि महिलाओं ने हर युग में नेतृत्व और साहस का परिचय दिया है। वैदिक काल में गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई। मध्यकाल में रानी दुर्गावती और रानी लक्ष्मीबाई ने युद्धभूमि में अदम्य साहस दिखाया और समाज को प्रेरित किया। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि नारी केवल परिवार तक सीमित नहीं रही, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभाती रही है। परिवार के संदर्भ में देखें तो नारी ही वह शक्ति है जो पूरे घर को एक सूत्र में बांधकर रखती है। एक मां के रूप में वह बच्चों को संस्कार देती है, एक पत्नी के रूप में जीवनसाथी का संबल बनती है और एक बेटी के रूप में परिवार में खुशियां लाती है। किसी भी परिवार की सफलता और स्थिरता काफी हद तक महिला की समझदारी, धैर्य और त्याग पर निर्भर करती है। ग्रामीण भारत में आज भी महिलाएं घर के साथ-साथ खेत-खलिहान और छोटे व्यवसायों में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। आधुनिक दौर में भी महिलाओं ने अपनी क्षमता का लोहा मनवाया है। राजनीति में इंदिरा गांधी, खेल में पी.वी. सिंधु और मैरी कॉम तथा अंतरिक्ष में कल्पना चावला जैसे नाम इस बात के प्रमाण हैं कि नारी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। उन्होंने अपने परिश्रम और प्रतिभा के बल पर ऊंचाइयों को छुआ और यह साबित किया कि सफलता के लिए आरक्षण नहीं, बल्कि अवसर और दृढ़ संकल्प आवश्यक है। इसी संदर्भ में महिलाओं के लिए आरक्षण की आवश्यकता पर बहस होती रही है। एक पक्ष यह मानता है कि आरक्षण से महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा, जबकि दूसरा पक्ष यह तर्क देता है कि नारी को किसी विशेष सुविधा की आवश्यकता नहीं है। इतिहास और वर्तमान के अनेक उदाहरण यह दिखाते हैं कि महिलाएं अपनी योग्यता और मेहनत के दम पर हर क्षेत्र में सफल हो रही हैं। इसलिए यह विचार भी प्रबल होता है कि उन्हें आरक्षण के बजाय समान अवसर और उचित वातावरण मिलना अधिक महत्वपूर्ण है। हालांकि, यह भी स्वीकार करना होगा कि समाज के हर वर्ग की महिलाओं की स्थिति समान नहीं है। कुछ क्षेत्रों में आज भी उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों से वंचित रहना पड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि नीतियां इस प्रकार बनाई जाएं, जिससे सभी महिलाओं को आगे बढ़ने का समान अवसर मिले। नारी सदैव परिवार और समाज की प्रमुख रही है। उसके योगदान को देखते हुए यह स्पष्ट है कि वह अपनी क्षमता के बल पर हर चुनौती का सामना कर सकती है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज उसे सम्मान और अवसर दे, ताकि वह और भी सशक्त होकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सके।

डॉ. पंकज जगन्नाथ जयसवाल

नासिक टीसीएस प्रकरण: क्या गलत नीति ही समस्या की जड़

नासिक स्थित टीसीएस मामले में हिंदुओं और हिंदू महिलाओं के खिलाफ सामने आए भयावह खुलासों ने सच्चाई का पिटारा खोल दिया है। विभिन्न कंपनियों के कई कर्मचारियों ने अपने कार्यस्थलों पर इसी तरह की समस्याओं को उजागर किया है। इस बात का विश्लेषण जरुरी है कि वामपंथी इस्लामी कट्टरपंथी हिंदुओं को क्यों निशाना बना रहे हैं। इसके प्रमुख कारणों में से एक विविधता, समानता और समावेशन (डीईआई) की गलत नीति है। इसकी आड़ में वामपंथी विचारधारा के समर्थक कई कंपनियों में महत्वपूर्ण पदों पर पहुंच गए हैं। वे अपने पद का उपयोग कंपनी या संगठन के निर्माण के लिए नहीं बल्कि भारत में स्थापित कंपनियों में भारतीय संस्कृति को नष्ट करने के लिए कर रहे हैं। वामपंथी विचारधारा के लिए कंपनी और प्रबंधन उनके हिंदू-विरोधी और भारत-विरोधी एजेंडे को आगे बढ़ाने का एक हथियार मात्र हैं, जो अंततः अविश्वास, दबाव, धर्मांतरण, उत्पीड़न और यौन शोषण के माध्यम से कॉरपोरेट जगत और भारत को कमजोर करते हैं।

कर्मचारियों की कार्यकुशलता, प्रभावशीलता और कार्य की गुणवत्ता पर अत्यधिक तनाव, नैतिक मानकों के विरुद्ध कार्य करने और जन्म से ही उनमें समाहित भारतीय संस्कृति का प्रभाव के विरुद्ध काम तणाव निर्माण करता है। टीसीएस मामला सभी कॉरपोरेशनों के लिए एक चेतावनी है; अब समय आ गया है कि वे अपनी वर्तमान स्थिति का आकलन करें और उचित कानूनी कार्रवाई करें। अगला कदम कंपनी में डीईआई नीति को सही तरीके सें लागू करना है। डीईआई रणनीति को सर्वे भवन्तु सुखिनः और वसुधैव कुटुंबकम जैसे भारतीय आदर्शों के अनुरूप पूरी तरह से संशोधित करने की आवश्यकता है। कई कॉरपोरेशनों में मौजूदा डीईआई प्रणाली इन मानवीय आदर्शों का उल्लंघन करती है। वर्तमान सिद्धांत विभाजन और ध्यान भटकाने के लिए विविधता, प्रवर्तन के लिए समानता और इस्लाम के लिए समावेशन हैं। अंततः, मानवता का ऐसा विकृत दृष्टिकोण कॉरपोरेट विनाश का कारण बनेगा। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के संदर्भ में आप जो भी अच्छा काम करें, आपकी विविधता और समावेशन नीति आपकी प्रतिष्ठा और विकास सहित सब कुछ बर्बाद कर देगी।

पिछले कुछ दशकों में डीईआई की अवधारणा एक प्रतीकात्मक महत्वाकांक्षा से विकसित होकर नियोक्ता की विश्वसनीयता, संस्कृति और अनुपालन परिपक्वता के आकलन के लिए एक परिभाषित मानक बन गई है, जिसका उपयोग उसके स्वयं के कर्मचारियों के साथ-साथ नियामकों, हितधारकों और आम जनता द्वारा भी किया जाता है। हालांकि कई संगठनों ने औपचारिक डीईआई प्रतिबद्धताएं की हैं, जैसा कि आंतरिक नीतियों, नेतृत्व के बयानों और सार्वजनिक घोषणाओं के साथ-साथ समावेशी भर्ती, मातृत्व सहायता, सुलभता अवसंरचना, उचित समायोजन और लैंगिक विविधतापूर्ण नेतृत्व की दिशा में उठाए गए कदमों से स्पष्ट है, फिर भी कार्यबल प्रणालियों में डीईआई का व्यावहारिक एकीकरण असमान बना हुआ है, क्योंकि कई कंपनिया हिंदुओं के प्रति पूर्वाग्रह का विशिष्ट एजेंडा अपना रहे हैं। विविधता, समानता, समावेशन और संवेदनशीलता डीईआई एक व्यापक शब्द है जिसका उद्देश्य हमारा ध्यान एक स्वस्थ और अधिक खुली कॉर्पोरेट संस्कृति की ओर आकर्षित करना है जो लोगों को उनके वर्ग, जाति, बोली, लिंग, पंथ, शारीरिक विशेषताओं आदि की परवाह किए बिना समान अवसर प्रदान करती है। हालांकि, अच्छे इरादों के बावजूद, वामपंथी विचारधारा ने इसका दुरुपयोग अपने स्वार्थी लाभों और उद्देश्यों के लिए किया है, जो कॉर्पोरेट सिद्धांतों और मानवता के बिल्कुल विपरीत हैं।

अमेरिका में विविधता, समानता और समावेशन

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के अनुसार, अमेरिका में डीईआई प्रशिक्षण कार्यक्रम हिंदू विरोधी भावना को बढ़ावा दे रहे हैं। फाउंडेशन ने न्यूयॉर्क टाइम्स और ब्लूमबर्ग पर इस अध्ययन को छिपाने का आरोप भी लगाया है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने दो प्रमुख अमेरिकी मीडिया संस्थानों, न्यूयॉर्क टाइम्स और ब्लूमबर्ग पर एक रिपोर्ट को छिपाने का आरोप लगाया है, जिसमें यह खुलासा किया गया है कि अमेरिका में जाति-आधारित विविधता, समानता और समावेशन (डीईआई) प्रशिक्षण कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप हिंदुओं को किस प्रकार पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ता है। नेटवर्क कंटैजियन रिसर्च इंस्टीट्यूट ने रटगर्स विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी में यह अध्ययन किया, जिसमें विशेष रूप से इक्वालिटी लैब्स के जाति-विरोधी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जांच की गई और पाया गया कि ऐसे कार्यक्रम हिंदू विरोधी भेदभाव और घृणा को बढ़ाते हैं। नेटवर्क कंटैजियन रिसर्च इंस्टीट्यूट और रटगर्स विश्वविद्यालय द्वारा किए गए इस अध्ययन में दलित नागरिक अधिकार संगठन इक्वालिटी लैब्स की सामग्री का विश्लेषण किया गया। इस शोध में पाया गया कि इन प्रशिक्षणों में शामिल प्रतिभागियों द्वारा ब्राह्मणों को परजीवी या वायरस के समान बताने जैसी अमानवीय शब्दावली का प्रयोग करने की संभावना काफी अधिक थी। एचएएफ ने यह भी दावा किया कि शोध से पता चलता है कि इस तरह के डीईआई कार्यक्रम नस्लीय भेदभाव को कम करने के बजाय उसे और बढ़ा सकते हैं। प्रमुख मीडिया संगठनों की रुचि जताने के बावजूद, एचएएफ का आरोप है कि हिंदुओं के प्रति दंडात्मक प्रतिशोध और बढ़ती शत्रुता के सबूतों को इन मुख्यधारा के मंचों ने लगभग अनदेखा कर दिया है।

भारत पर प्रभाव

विविधता, समानता और समावेशन के नाम पर चल रहे 'वोक' के औजार भारत तक भी पहुंच रहे हैं। सभ्यता अध्ययन के क्षेत्र में प्रख्यात शोधकर्ता, लेखक और अग्रणी राजीव मल्होत्रा ने अपनी पुस्तकों में कहा है कि 'वोक' तंत्र अब विविधता और समावेशन को बढ़ावा देने के बहाने भारत के शीर्ष शिक्षण संस्थानों, जैसे कि आईआईटी को निशाना बना रहा है। भारतीय संदर्भ में, 'वोक' लॉबी द्वारा दलितों के अधिकारों की वकालत करने का दिखावा तथाकथित उच्च जातियों को बदनाम कर रहा है और दलितों, अनुसूचित जनजातियों और अल्पसंख्यकों को उनके खिलाफ खड़ा कर रहा है। यह एक घातक प्रयोग है, और भारत पहले से ही इसका परीक्षण स्थल बन रहा है।

इसी प्रकार, जैसा कि राजीव मल्होत्रा चेतावनी देते हैं, विविधता और समावेशन की बयानबाजी भारत के सॉफ्टवेयर व्यवसायों में भी अपना प्रभाव दिखा रही है, जिससे हिंदुओं को विभाजित करने और योग्यता-आधारित व्यवस्था को नष्ट करने के प्रयास में जातिगत मुद्दा और भी गंभीर हो रहा है। प्रेम जिहाद और धर्मांतरण ने कई कंपनियों पर गहरा प्रभाव डाला है, जो हिंदुओं, व्यावसायिक विकास और भारतीयता के लिए अत्यंत चिंताजनक है। जो लोग यह मानने से इनकार करते हैं कि ऐसी घटनाएं नहीं होतीं, उन्हें प्रेम जिहाद और धर्मांतरण के पीड़ितों से मिलना चाहिए। यदि उन्हें कुछ भी गलत नहीं लगता, तो यह स्पष्ट है कि वे मनुष्य नहीं, बल्कि आधुनिक सभ्यता के राक्षस हैं। भावी पीढ़ियों और भारतीयता को इस विषैली पारिस्थितिकी से बचाने के लिए विश्वविद्यालयों को भी इस मुद्दे को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से संबोधित करना चाहिए।

कंपनियों, सरकारों, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ), कर्मचारियों और प्रबंधन के लिए अब समय आ गया है कि वे सक्रिय रूप से काम करना शुरू करें और उचित कदम उठाएं। डीईआई पर विचार-विमर्श किया जाना चाहिए, सभी हितधारकों के साथ चर्चा की जानी चाहिए और फिर इसे अंतिम रूप दिया जाना चाहिए। व्यवहार में, डीईआई को अनुसंधान और नवाचार क्षमताओं को मजबूत करना चाहिए, कार्यस्थल संस्कृति में सुधार करना चाहिए, तनाव को कम करना चाहिए और बिना किसी भेदभाव के व्यावसायिक और राष्ट्रीय लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

> **जैसा कि राजीव मल्होत्रा चेतावनी देते हैं, विविधता और समावेशन की बयानबाजी भारत के सॉफ्टवेयर व्यवसायों में भी अपना प्रभाव दिखा रही है, जिससे हिंदुओं को विभाजित करने और योग्यता-आधारित व्यवस्था को नष्ट करने के प्रयास में जातिगत मुद्दा और भी गंभीर हो रहा है। प्रेम जिहाद और धर्मांतरण ने कई कंपनियों पर गहरा प्रभाव डाला है, जो हिंदुओं, व्यावसायिक विकास और भारतीयता के लिए अत्यंत चिंताजनक है।**

मुद्दा -लघु कथा

सतर्क हो जाएं सवर्ण समाज

गौरीशंकर पांडेय

देश में जगनणना की प्रक्रिया शुरू हो गयी है और इस जगनगणना के साथ जाति गणना भी होने वाली है। इसी के साथ जाति आधारित गणना को लेकर बहस तेज हो रही है। इसके संभावित सामाजिक और राजनीतिक प्रभावों को लेकर अलग-अलग वर्गों में चिंता और उत्सुकता दोनों देखी जा रही है। इसी संदर्भ में सवर्ण समाज के बीच भी एक तरह की आशंका उभर रही है कि कहीं नई व्यवस्था में उनका प्रभाव और सहभागिता सीमित न हो जाए। यह चिंता पूरी तरह निराधार नहीं है, लेकिन इसे समझने और संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। यह सच है कि लोकतंत्र में संख्या का महत्व होता है। जिस वर्ग की जनसंख्या अधिक होती है, उसकी राजनीतिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व भी अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। जाति गणना के बाद यदि नीतियां और योजनाएं जनसंख्या के आधार पर अधिक केंद्रित होने लगें, तो स्वाभाविक रूप से उन वर्गों को प्राथमिकता मिल सकती है जो संख्या में बड़े हैं। इससे यह आशंका पैदा होती है कि सवर्ण जातियां, जो कई क्षेत्रों में संख्या के लिहाज से कम हैं, वे नीति-निर्धारण की मुख्यधारा से दूर हो सकती हैं। हालांकि, केवल संख्या ही किसी समाज की दिशा तय नहीं करती। लोकतंत्र में योग्यता, संगठन, जागरूकता और नेतृत्व क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। इतिहास गवाह है कि कई बार कम संख्या वाले वर्गों ने भी अपने मजबूत संगठन और स्पष्ट दृष्टिकोण के बल पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसलिए सवर्ण समाज के लिए जरूरी है कि वह केवल आशंकाओं में उलझने के बजाय अपनी सामाजिक और राजनीतिक सक्रियता को बढ़ाएं। आज जरूरत इस बात की है कि सवर्ण समाज शिक्षा, संवाद और लोकतांत्रिक भागीदारी के माध्यम से खुद को मजबूत करे। समाज के भीतर एकजुटता, सकारात्मक नेतृत्व और स्पष्ट रणनीति विकसित करना समय की मांग है। साथ ही, अन्य वर्गों के साथ समन्वय और सहयोग की भावना भी जरूरी है, ताकि समाज में संतुलन और सामंजस्य बना रहे। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी नीति का उद्देश्य समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाना होता है। ऐसे में सवर्ण समाज को इस प्रक्रिया को विरोध के बजाय समझदारी और संवेदनशीलता के साथ देखने की जरूरत है। यदि सभी वर्ग मिलकर समावेशी विकास की दिशा में काम करें, तो किसी के भी हाशिए पर जाने की आशंका कम हो जाती है। सतर्कता का अर्थ भय नहीं, बल्कि सजगता और सक्रियता है। सवर्ण समाज को चाहिए कि वह बदलते सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य को समझे, अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहे और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मजबूती से भागीदारी निभाए। यही संतुलित और सकारात्मक रास्ता भविष्य की चुनौतियों का समाधान दे सकता है। **(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

राहुल गांधी पर ब्रिटिश नागरिकता विवाद : राजनीतिक षड्यंत्र

विजय शंकर नायक

> **यह मामला केवल एक व्यक्ति या एक पार्टी का नहीं है। यह उस लोकतांत्रिक ढांचे की परीक्षा है, जिसमें संस्थाओं की स्वतंत्रता, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और नागरिक अधिकारों का संतुलन बना रहना चाहिए। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यह जरूरी है कि राजनीतिक लड़ाई लोकतांत्रिक मंचों पर लड़ी जाए**

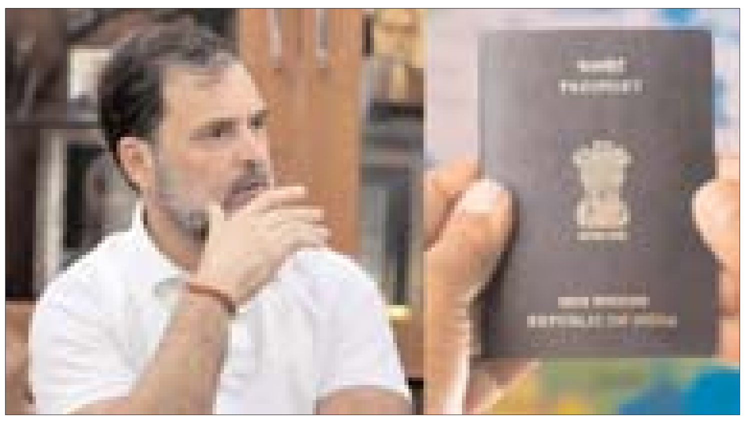

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच द्वारा 17 अप्रैल 2026 को राहुल गांधी के खिलाफ कथित ब्रिटिश नागरिकता मामले में एफआईआर दर्ज करने और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो जांच की अनुमति देने का आदेश भारतीय लोकतंत्र में कई गंभीर सवाल खड़े करता है। यह मामला केवल एक नेता तक सीमित नहीं है, बल्कि न्यायपालिका की स्वायत्तता, राजनीतिक हस्तक्षेप और संस्थागत विश्वसनीयता से जुड़ा हुआ है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जिस मामले को पहले सुप्रीम कोर्ट (2019), हाईकोर्ट (2025) और निचली अदालत (जनवरी 2026) खारिज कर चुकी हैं, उसे पुनः खोलने की आवश्यकता क्यों पड़ी? क्या यह न्यायिक प्रक्रिया का स्वाभाविक विस्तार है या फिर इसके पीछे कोई बाहरी दबाव काम कर रहा है? न्यायपालिका का एक मूल सिद्धांत रेस ज्यूडिकाटा है, जिसके अनुसार एक ही विषय पर बार-बार सुनवाई से बचना चाहिए। ऐसे में पुराने और निराधार आरोपों को दोबारा जीवित करना कई तरह की आशंकाओं को जन्म देता है।

राहुल गांधी भारतीय राजनीति के एक प्रमुख विपक्षी चेहरा हैं। उनका राजनीतिक और पारिवारिक इतिहास देश के लोकतांत्रिक संघर्षों से जुड़ा रहा है। उनके परिवार ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे में उनके ऊपर विदेशी नागरिकता जैसे आरोप लगना न केवल राजनीतिक विमर्श को प्रभावित करता है, बल्कि सार्वजनिक स्मृति और संवेदनाओं को भी झकझोरता है।

असल सवाल राजनीतिक है–क्या यह कार्रवाई विपक्ष को कमजोर करने की एक रणनीति का हिस्सा है? भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्ष के बीच बढ़ते टकराव के बीच इस प्रकार के कदमों को उसी संदर्भ में देखा जा रहा है। राहुल गांधी लगातार जातीय जनगणना, आर्थिक असमानता और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को उठाते रहे हैं। वे यह भी कहते हैं कि देश की संपत्ति और संस्थानों पर सीमित वर्ग का वर्चस्व है।

आर्थिक असमानता के आंकड़े भी इस बहस को मजबूती देते हैं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, भारत में शीर्ष 10% आबादी के पास कुल संपत्ति का बड़ा हिस्सा केंद्रित है, जबकि निचले वर्गों की हिस्सेदारी बेहद कम है। सामाजिक प्रतिनिधित्व की स्थिति भी संतुलित नहीं दिखती–सरकारी नौकरियों, न्यायपालिका और प्रशासनिक सेवाओं में पिछड़े वर्गों की भागीदारी अपेक्षाकृत कम है। ऐसे में जातीय जनगणना की मांग एक राजनीतिक मुद्दा ही नहीं, बल्कि नीतिगत बहस का विषय बन चुकी है।

इसी संदर्भ में जांच एजेंसियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में आती रही है। विपक्ष का आरोप है कि केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। आंकड़ों के हवाले से यह भी कहा जाता है कि अधिकतर जांचें विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रित रही हैं। हालांकि, सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करती है और एजेंसियों की स्वतंत्रता पर जोर देती है।

यह पूरा विवाद एक व्यापक राजनीतिक प्रवृत्ति को दर्शाता है, जहां कानूनी और राजनीतिक सीमाएं धुंधली होती नजर आती हैं। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यदि प्रमुख विपक्षी नेताओं के खिलाफ लगातार कानूनी कार्रवाइयां होती हैं, तो यह संदेश जा सकता है कि असहमति के लिए जगह सीमित हो रही है।

न्यायपालिका लोकतंत्र का एक मजबूत स्तंभ है, और उसकी निष्पक्षता पर जनता का भरोसा बना रहना बेहद आवश्यक है। ऐसे मामलों में पारदर्शिता और ठोस आधार होना जरूरी है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया पर किसी प्रकार का संदेह न पैदा हो।

अंततः यह मामला केवल एक व्यक्ति या एक पार्टी का नहीं है। यह उस लोकतांत्रिक ढांचे की परीक्षा है, जिसमें संस्थाओं की स्वतंत्रता, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और नागरिक अधिकारों का संतुलन बना रहना चाहिए। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यह जरूरी है कि राजनीतिक लड़ाई लोकतांत्रिक मंचों पर लड़ी जाए, न कि संस्थाओं के जरिए एक-दूसरे को कमजोर करने के प्रयास हों।

इतिहास गवाह है कि लोकतंत्र में असहमति और बहस ही उसकी ताकत होती है। यदि इन मूल्यों को कमजोर किया गया, तो उसका प्रभाव केवल वर्तमान पर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ेगा। इसलिए इस पूरे प्रकरण को केवल कानूनी विवाद के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की कसौटी के रूप में देखा जाना चाहिए।

भगवान परशुराम : अन्याय, अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक

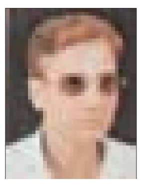

डॉ. उमेशचन्द्र शर्मा

> **श्री राम परशुराम से बोले कि- ब्राह्मण वंश की ऐसी ही प्रभुता (महिमा) है कि जो आपसे डरता है, वह सबसे निर्भय हो जाता है, अथवा जो भयरहित होता है, वह भी आपसे डरता है। भगवान श्रीराम के इस रहस्यमय वचन को सुनकर श्री परशुराम की बुद्धि के बंद द्वार खुल गए।**

त्रेता युग में जब परात्पर ब्रह्म के श्रीराम रुप में अवतरित होने पर संपूर्ण सृष्टि अलौकिक आनन्द वैभव से ओतप्रोत थी, और सब तरफ सात्विक भावों की प्रधानता थी, किंतु तब ऐसे ऊर्जावान स्वर्णिम समय में भी मदोन्मत्त क्षत्रिय सत्ताधीषों की आतंक, अत्याचार एवं दमनकारी कुत्सित मनोवृत्ति के चलते भय और अशांति का वातावरण निर्मित हो गया था, तब उस भीषण काल में भगवान परशुराम का अभ्युदय हुआ, जिन्होंने सभी पाशविक वृत्तियों को पराभूत कर पृथ्वी पर अहिंसा, शांति और सद्भाव की स्थापना की।

रक्तरंजित एवं विप्लवकारी कालखंड के उस विकराल दौर में दुष्ट, अहंकारी एवं अत्याचारी सत्ताधीशों का बाहुल्य हो गया था और उनके द्वारा ऋषि मुनि, गौ और ब्राह्मणों को असह्य पीड़ा पहुंचाई जाने लगी थी, तब अन्याय, अत्याचार, आतंक और व्यथा की उन विषम परिस्थितियों में सर्वशक्तिमान विश्वात्मा भगवान श्रीहरि ने भृगुवंशियों में परशुराम के रूप में अवतार ग्रहण किया। भगवान श्री विष्णु के छठवें अवतार के रूप में इस धराधाम पर अवतरित हुए पशुराम महाराज ने शिव प्रदत्त अपने अमोघ, विकराल परशू से आतंक की जड़ पर महाभीषण प्रहार करते हुए पृथ्वी के भारभूत राजाओं का नाश कर पृथ्वी का भार उतार दिया। भगवान परशुराम शस्त्रधारियों में श्रेष्ठ और अपराजेय योद्धा थे, जिन्होंने भय और आतंक का नाश कर प्रेम, सौहार्द, शांति और निर्भयत्व की स्थापना की इसीलिए आज भी उनके महान यश का सारे संसार में गुणगान किया जाता है।

त्रेता युग के उस चुनौती पूर्ण भीषण दौर में जब राजाओं के आतंक से ऋषि मुनि, गौ एवं एवं ब्राह्मण व्यथित थे और वह व्यथा उस वक्त अपनी पराकाष्ठा पर पहुंच गई थी, जब ऐसे ही दुष्ट राजाओं में से एक सहस्त्रार्जुन ने परशुराम के पिता जमदग्नि ऋषि की हत्या कर दी। पौराणिक काल की उस विकराल, वीभत्स एवं हृदयविदारक घटना ने पृथ्वी से अत्याचारियों के समूल नाश की शुरुआत कर दी और सहस्त्रबाहु अर्जुन के वध से शुरू हुआ दमनकारी राजाओं के वध का सिलसिला तब रुका जब उनका सर्वनाश हो गया। भगवान परशुराम ने इक्कीस बार पृथ्वी को क्षत्रिय राजाओं से रहित कर संपूर्ण रुप से पृथ्वी का भार उतार दिया। आरंभ में इन राजाओं ने उनके क्रोधावेग को केवल एक ब्राह्मण वेशधारी साधु का प्रलाप मानकर नजरअंदाज कर दिया था, किंतु जब क्षत्रियों पर उनका भीषण कुठार चला तो अंततः वे समूल नाश को प्राप्त हो गए।

श्रीमद्भागवत महापुराण के अनुसार परशुराम की गणना दशावतारों में होती है। वे वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि, अर्थात अक्षय तृतीया को पुनर्वसु नक्षत्र में रात्रि के प्रथम प्रहर, प्रदोषकालीन महावेला में जमदग्नि ऋषि के पुत्र रूप में माता रेणुका के गर्भ से प्रादुर्भूत हुए थे। इस तरह हैहयवंश का अंत करने हेतु स्वयं भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में अंशावतार ग्रहण कर दुष्ट राजाओं का नाश किया और ऋषि मुनियों, गौ और ब्राह्मणों को अभयत्व प्रदान किया, वे भगवान श्रीहरि के अत्यंत प्रिय भक्त के रूप में अग्रगण्य और अजर अमर कहे गए हैं। इनकी गणना सात चिरजीवियों मे होती है, और वे आज भी महेंद्र पर्वत पर निवास करते हैं।

श्रीमद्भागवत महापुराण में भगवान् श्री शुकदेवजी महाराज कहते हैं, परीक्षित! जमदग्निनंदन भगवान परशुराम किसी को किसी प्रकार का दंड नहीं देते हुए आज भी शान्त चित्त से महेंद्र पर्वत पर निवास करते हैं, जहां सिद्ध, गन्धर्व और चारण उनके चरित्र का गुणगान किया करते हैं। आगामी मन्वन्तर में वे सप्तऋषियों के मंडल में रहकर वेदों का विस्तार करेंगे।

भगवान परशुराम के अवतार का उद्देश्य जहां अन्याय और अत्याचार का समूल नाश था, वहीं दूसरी तरफ शार्ङ्गधनुष की रक्षा भी थी, जिसे त्रेता युग में भगवान विष्णु के ही अवतार श्री राम को सौंपा जाना था। विश्वकर्मा द्वारा भगवान विष्णु के लिए निर्मित यह शार्ङ्गधनुष भगवान विष्णु का अत्यंत शक्तिशाली दिव्यास्त्र माना जाता है, जो स्वयं अविनाशी होते हुए भी शत्रुओं के लिए कालरुप था। यही शार्ङ्गधनुष भगवान परशुराम के समक्ष एक चुनौती के रूप में मौजूद था, जिसे मनुष्य रूप में पृथ्वी पर विचरण कर रहे परब्रह्म को सौंपा जाना था, इसी बात को लेकर वे ब्रह्म का अनुसंधान करने लगे और तब शिव धनुष भंग होने पर राजा जनक की सभा में भगवान परशुराम का क्रोधावेश वस्तुतः उस परब्रह्म परमात्मा के अनुसंधान का ही एक प्रयास था, जिसके माध्यम से वे ब्रह्म का दर्शन कर शार्ङ्गधनुष रुपी धरोहर उन्हें लौटाना चाहते थे और जब उनके और श्रीराम के बीच हुए संवाद ने रहस्यात्मक दौर में प्रवेश किया तब उनका वह अनुसंधान पूर्णता की और जा चुका था। श्रीरामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास के अनुसार भगवान श्री राम परशुराम से बोले कि- ब्राह्मण वंश की ऐसी ही प्रभुता (महिमा) है कि जो आपसे डरता है, वह सबसे निर्भय हो जाता है, अथवा जो भयरहित होता है, वह भी आपसे डरता है। भगवान श्रीराम के इस रहस्यमय वचन को सुनकर श्री परशुराम की बुद्धि के बंद द्वार खुल गए।

प्रभु के रहस्यमय वचन सुनकर और मनुष्य रूप में विचरण कर रहे अपने स्वामी के परमात्म स्वरूप का अनुभव कर परशुराम यद्यपि निश्चिन्त हो चुके थे, तथापि संशय के समूल नाश हेतु उन्होंने भगवान श्री राम से ही निवेदन किया।

पुराण संहिताओं के अनुसार ब्रह्म के अतिरिक्त अन्य कोई भी महापुरुष शार्ङ्गधनुष पर प्रत्यंचा नहीं चढ़ा सकता। श्रीरामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास लिखते हैं कि अपने मन में ऐसा विचार कर श्री परशुराम ने भगवान श्रीराम को दिव्य शार्ङ्गधनुष देते हुए निवेदन किया कि- हे राम! यह लक्ष्मीपति विष्णु का धनुष लीजिए और इसे खींचिये, अथवा यह कि इस पर प्रत्यंचा चढ़ाइए, जिससे मेरा सन्देह मिट जाए। ऐसा कहकर जब परशुराम प्रभु श्रीराम को धनुष देने को उद्यत हुए तब बड़ी ही विस्मयकारी घटना हुई कि वह धनुष स्वयमैव प्रभु के पास चला गया। भगवान श्रीराम का ऐसा अद्भुत और अलौकिक प्रभाव जानकर श्री परशुराम हर्षातिरेक से भर उठे और प्रेम गद्गद् हृदय से भगवान श्रीराम का गुणगान करते हुए बारम्बार उनकी जय-जयकार करने लगे।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

पीटीआर के जंगलों में एक सप्ताह से धधक रही आग, वन विभाग बेबस

नवप्रदेश/गारू। पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) के जंगलों में पिछले एक सप्ताह से भीषण आग धधक रही है। आग ने बारेसांड़ रेंज अंतर्गत दुवासेर्नी घाटी, बाभनी पहाड़ समेत कई महत्वपूर्ण वन क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया है। लगातार फैल रही आग और उससे उठ रहे धुएं ने पूरे इलाके की स्थिति गंभीर बना दी है। दूर-दूर तक धुआं फैलने से जंगलों के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका असर देखा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, भीषण गर्मी और जंगलों में गिरे सूखे पत्तों के कारण आग तेजी से फैल रही है। तेज हवा चलने से आग पर काबू पाने में और कठिनाई हो रही है। वन विभाग की ओर से आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन अब तक आग पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। इससे स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है।

आग लगने से वन सम्पदा को पहुंच रहा भारी नुकसान

जंगलों में लगी आग से वन संपदा को भारी नुकसान पहुंच रहा है। क्षेत्र में पाई जाने वाली दुर्लभ जड़ी-बूटियां, छोटे पौधे, झाड़ियां और बहुमूल्य लकड़ियां जलकर राख हो रही हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि जंगलों में बार-बार लगने वाली आग से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है और वन क्षेत्र की हरियाली को दीर्घकालीन क्षति पहुंचती है।

वन्यजीवो पर भी आग का पड़ रहा गंभीर असर

वन्यजीवों पर भी आग का गंभीर असर पड़ रहा है। जंगलों में रहने वाले बंदर, हिरण, जंगली सूअर, खरगोश समेत कई जानवर सुरक्षित स्थानों की तलाश में इधर-उधर भागते देखे जा रहे हैं। वहीं छोटे जीव-जंतु, सरीसृप, पक्षी और कीड़े-मकोड़े आग की चपेट में आकर प्रभावित हो रहे हैं। कई जानवरों का प्राकृतिक आश्रय स्थल नष्ट होने से उनके सामने भोजन और सुरक्षा का संकट उत्पन्न हो गया है।

आग से उठने वाली धुआं से आस पास के लोगों को हो रही परेशानी

आग से उठ रहे घने धुएं के कारण आसपास के गांवों के लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले एक सप्ताह से जंगल में आग लगी हुई है, लेकिन विभाग की कार्रवाई पर्याप्त नजर नहीं आ रही है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। स्थानीय ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने वन विभाग एवं जिला प्रशासन से संयुक्त रूप से राहत और बचाव कार्य तेज करने की अपील की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया गया, तो और बड़े क्षेत्र में नुकसान हो सकता है।

लोगों ने मांग की है कि आग बुझाने के लिए अतिरिक्त संसाधन, वनकर्मी और आधुनिक उपकरण लगाए जाएं, ताकि बेजुबान जानवरों, वन संपदा और पर्यावरण की रक्षा की जा सके। फिलहाल पूरे इलाके की नजर प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई है।

शादी समारोह से युवती का अपहरण, जंगल में सामूहिक दुष्कर्म–4 संदिग्ध हिरासत में

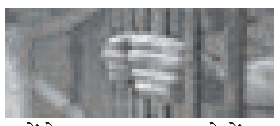

नवप्रदेश/लातेहार। जिले के लातेहार थाना क्षेत्र के एक गांव में गुरुवार की रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शादी समारोह में शामिल होने आई एक युवती को कथित रूप से गांव के पांच युवकों ने अगवा कर लिया और जंगल में ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।बताया जा रहा है कि घटना के बाद आरोपियों ने युवती को धमकी दी और आधी रात के बाद उसे जंगल में ही छोड़कर फरार हो गए। किसी तरह युवती देर रात अपने रिश्तेदारों के घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी, जिससे परिवार में अफरा-तफरी मच गई।शनिवार को पीड़िता अपने परिजनों के साथ थाना पहुंची और पुलिस को लिखित शिकायत दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस तुरंत अलर्ट मोड में आ गई और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी।

सूत्रों के अनुसार, इस मामले में चार संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, हालांकि पुलिस ने अभी आधिकारिक रूप से गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की है।इस संबंध में थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा गया है तथा इस जघन्य अपराध में शामिल सभी आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोगों में आक्रोश भी देखा जा रहा है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ओकेया में शिव परिवार जिर्णोद्धार प्रतिष्ठा रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ, जल यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता। बालूमाथ प्रखंड के ओकेया ग्राम में शनिवार से सप्त दिवसीय श्री श्री 1008 शिव परिवार जिर्णोद्धार प्रतिष्ठा रुद्र महायज्ञ का भव्य शुभारंभ जल यात्रा के साथ हुआ।18 अप्रैल से 24 अप्रैल तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन के पहले दिन सैकड़ों श्रद्धालुओं की सहभागिता से पूरा गांव भक्तिमय माहौल में डूब गया।यज्ञाचार्य पंडित रमेश देव पौराणिक तथा गौ कथावाचक सीता शरण जी महाराज के सानिध्य में आयोजित इस महायज्ञ के प्रथम दिन जल यात्रा, पंचांग पूजन, गौदान एवं मंडप प्रवेश जैसे वैदिक अनुष्ठान विधि–विधान से संपन्न हुए। जल यात्रा में महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली।इस अवसर पर झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम एवं जिला परिषद सदस्य प्रियंका कुमारी भी उपस्थित रहे।आयोजन समिति की ओर से बैद्यनाथ राम को चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र की धार्मिक एकता और आस्था का प्रतीक बताया।आयोजन समिति के अनुसार 19 अप्रैल को यज्ञ मंडप वेदी पूजन एवं रात्रि में भव्य भक्ति जागरण, 20 अप्रैल को देवी–देवता पूजन व जलाधिवास, 21 अप्रैल को अग्नि प्रज्वलन एवं अन्नाधिवास, 22 अप्रैल को मूर्ति महास्नान, नगर भ्रमण एवं सज्जयाधिवास, 23 अप्रैल को प्राण प्रतिष्ठा तथा 24 अप्रैल को विसर्जन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।महायज्ञ को लेकर ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। आयोजन स्थल पर भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिकता की अनूठी छटा बिखरी हुई है। आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से कार्यक्रम में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

बीजेपी को बड़ा झटका: सक्रिय नेता शीला देवी ने सभी पदों व सदस्यता से दिया इस्तीफा

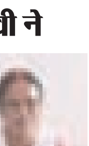

नवप्रदेश/ लातेहार। भारतीय जनता पार्टी को उस समय बड़ा राजनीतिक झटका लगा जब पार्टी की सक्रिय नेता शीला देवी ने अपने सभी पदों के साथ–साथ प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया। उनके इस फैसले से स्थानीय राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है।अपने त्यागपत्र में शीला देवी ने बताया कि हाल ही में जिला कमेटी विस्तार के दौरान उन्हें भाजपा जिला मंत्री का दायित्व सौंपा गया था। इससे पहले वह वर्ष 2024 में तीसरी बार महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रह चुकी हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा पार्टी की नीतियों, विचारधारा और संगठन के प्रति पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया।हालांकि, वर्तमान परिस्थितियों और कुछ व्यक्तिगत कारणों से आहत होकर उन्होंने यह कड़ा निर्णय लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका इस्तीफा केवल पदों से नहीं बल्कि पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी है, जो उनके फैसले की गंभीरता को दशार्ता है।अपने राजनीतिक सफर का जिक्र करते हुए शीला देवी ने बताया कि वर्ष 2017 में लातेहार के मध्य भवन में पलामू प्रमंडलीय महिला मोर्चा सम्मेलन का सफल आयोजन कराया था। वर्ष 2018 में जिला अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने 125 महिलाओं को पार्टी से जोड़ा। वहीं, 2019 के विधानसभा चुनाव में वह कोर कमेटी सदस्य रहीं। वर्ष 2021 में दोबारा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष बनीं और 2024 के विधानसभा चुनाव में भी कोर कमेटी में सक्रिय भूमिका निभाई।
शीला देवी के इस्तीफे से न केवल पार्टी संगठन में बल्कि पूरे लातेहार जिले की राजनीति में नई चचाओं का दौर शुरू हो गया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि उनके इस फैसले का आने वाले समय में क्या राजनीतिक असर पड़ता है।

उल्लंघन करने वालों पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

नवप्रदेश/लातेहार। अनुमंडल दण्डाधिकारी, लातेहार अजय कुमार रजक ने जानकारी दी है कि दिनांक 19 .04 .2026 को आयोजित होने वाली झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा के स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन को सुनिश्चित करने हेतु दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है।झारखंड लोक सेवा आयोग, जेपीएससी की 19 मार्च को होने वाली संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए जिले में 13 केद्र बनाए गए है। यह परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली पूर्वाह्न 10 :00 बजे से मध्याह्न 12 :00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 03 :00 बजे से 05 :00 बजे तक निर्धारित है। जारी आदेश के अनुसार परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में चार या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ ही किसी प्रकार की भीड़–भाड़, नारेबाजी, अनधिकृत प्रवेश, परीक्षा से संबंधित सामग्री का आदान–प्रदान तथा परीक्षा प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न करने वाले किसी भी कृत्य पर पूर्णत: रोक रहेगी।इसके अतिरिक्त परीक्षा केंद्रों के आसपास मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं अन्य आपत्तिजनक सामग्री के उपयोग एवं आवागमन पर भी प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा अवधि के दौरान अभिभावकों एवं अन्य अनावश्यक व्यक्तियों के परीक्षा केंद्र के निकट ठहरने पर भी रोक लगाई गई है।अनुमंडल दण्डाधिकारी ने बताया कि यह आदेश परीक्षा की समाप्ति तक प्रभावी रहेगा तथा आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी अभ्यर्थियों, अभिभावकों एवं आमजनों से सहयोग की अपील करते हुए शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित परीक्षा संचालन में सहयोग करने का आग्रह किया है।

अधूरी सड़क से बढ़ी परेशानी, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज। नगर पंचायत क्षेत्र के कोशडीहरा गांव से पीपरा, विशुनपुर व चरकेडिया तक बनने वाली सड़क का निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया है. बताया जाता है कि करीब एक माह पूर्व संवेदक द्वारा जेसीबी से सड़क की खुदाई कर दी गई, लेकिन इसके बाद से निर्माण कार्य पूरी तरह ठप पड़ा है. सड़क अधूरी रहने के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. खासकर रात के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है. इसी समस्या को लेकर शनिवार को ग्रामीणों ने सपा प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश कुमार यादव के नेतृत्व में सड़क पर उतरकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और जल्द निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की. प्रदर्शन के दौरान कमलेश कुमार यादव ने बताया कि मामले को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी पारितोष प्रियदर्शी, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी फैजुर रहमान अंसारी तथा पथ निर्माण विभाग के इंजीनियर संजीव कुमार से बातचीत कर शीघ्र कार्य शुरू कराने की मांग की गयी है.

बाल विवाह रोकथाम को लेकर जिले में सतर्कता दिवस, लोगों ने लिया संकल्प

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज। जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा एवं बाल विवाह की रोकथाम के लिए सक्रिय संगठन अग्रगति ने अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य पर सतर्कता दिवस मनाया। इस दौरान बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) और आशा यूनिटों के सहयोग से पूरे जिले में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया और लोगों को इसके विरुद्ध शपथ दिलाई गई। अग्रगति द्वारा जिला प्रशासन, पंचायतों, स्कूलों और धर्मगुरुओं के साथ मिलकर जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। संगठन खासकर अक्षय तृतीया जैसे संवेदनशील अवसरों पर विशेष अभियान चलाकर बाल विवाह रोकने पर जोर देता है। अग्रगति के निदेशक किरण शंकर दत्त ने कहा कि अक्षय तृतीया जैसे शुभ दिन की आड़ में बाल विवाह जैसे अपराध को किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि प्रशासन और सामाजिक संगठनों की सक्रियता के कारण अब इस दिन होने वाले बाल विवाहों में काफी कमी आई है लेकिन इसे पूरी तरह खत्म करना अभी बाकी है।उन्होंने यह भी कहा कि पहले लोगों को यह जानकारी नहीं थी कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत यह दंडनीय अपराध है। इस कानून के तहत बाल विवाह में शामिल होने या सहयोग करने वालों को दो साल तक की सजा और जुर्माना हो सकता है। इसमें बाराती, लड़की पक्ष, कैटरर, डेकोरेटर, बैंड–बाजा संचालक, मैरेज हॉल संचालक और विवाह कराने वाले पंडित या मौलवी भी शामिल हैं। अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। अब लोग बाल विवाह की सूचना प्रशासन को दे रहे हैं जिस पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसे एक बड़ा बदलाव मानते हुए संगठन ने विश्वास जताया कि वर्ष 2030 से पहले ही जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। गौरतलब है कि अग्रगति, देशभर में 250 से अधिक संगठनों के नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के साथ मिलकर 450 से अधिक जिलों में बाल विवाह के खिलाफ अभियान चला रहा है और अब तक पांच लाख से अधिक बाल विवाह रोकने में सफलता हासिल कर चुका है।

श्री दिलीप प्रताप सिंह शेखावत पलामू के 106वें जिला दंडाधिकारी एवं उपायुक्त के रूप में ग्रहण किया पदभार

पलामू के सर्वांगीण विकास में आप सबका का सहयोग अपेक्षित:दिलीप प्रताप सिंह शेखावत,उपायुक्त,पलामू,

नवप्रदेश/मेदिनीनगर पलामू। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2019 बैच के अधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत आज पलामू के 106 वें जिला दंडाधिकारी एवं उपायुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया।निवर्तमान उपायुक्त श्रीमती समीरा एस ने उन्हें प्रभार सौंपा और फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया।पदभार ग्रहण के उपरांत नव पदस्थापित उपायुक्त श्री शेखावत जिले के पदाधिकारी एवं मीडिया से मुखातिब हुए। उन्होंने सभी से सहयोग की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से पलामू का विकास होगा।उन्होंने विकास के कार्यो को आगे ले जाने की बातें कही।उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं को अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना ही लक्ष्य रहेगा।उन्होंने कहा कि क्षेत्र का लगातार भ्रमण कर आमजनों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं से रूबरू होना एवं उनका समाधान करना एक सूत्री कार्यक्रम रहेगा।
निवर्तमान उपायुक्त समीरा एस ने कहा कि पलामू में टीम भावना के साथ कार्य करने की कोशिश की, योजनाओं का लाभ आमजनों को सुलभता से मिले इसके लिए हर संभव प्रयास किया,अब आगे इस कार्य को गति देने में नये डीसी की भूमिका रहेगी।पलामू के विकास कार्यो में आमजनों के साथ-साथ, पदाधिकारी एवं मीडिया का काफी सहयोग मिला। उन्होंने सभी से जिले के चहुंमुखी विकास में वर्तमान उपायुक्त को भी सहयोग करने की उम्मीद जतायी। पदभार ग्रहण के पश्चात उपायुक्त को जिले के पदाधिकारियों ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। मौके पर मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन,अपर समाहर्ता कुंदन कुमार सहित जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी सहित अन्य कर्मीगण एवं मीडिया के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

बढ़ाए हुए बिजली दर वापस ले हेमंत सरकार: लवली गुप्ता

नवप्रदेश/पलामू। बिजली उपभोक्ताओं के बिजली दर बढ़ाए जाने पर भाजपा नेत्री डॉ. लवली गुप्ता ने अपना विरोध जताया है। प्रेस मीडिया को संबोधित कहते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार का यह फैसला पूरी तरह से जन विरोधी है और विकास विरोधी है। हेमंत सरकार की नीति हमेशा ही उल्टी रहती है। मुंबई जैसे बड़े शहर में झारखंड भवन बनाने के लिए पैसा है अपने लिए शीश महल बनाने के लिए अरबो की राशि है विधायक आवास पर अरबो रुपया खर्च करने के लिए राशि है, महंगी गाड़ियां खरीदने के लिए राशि है, लेकिन जब राज्य की गरीब जनता की बात आती है तो राजकोष खाली हो जाती है। बिजली बिल बढ़कर गरीब जनता पर आर्थिक बोझ दिया जा रहा है। पहले तो विपक्ष डीजल पेट्रोल और एल पी जी की कमी का अफवाह फैलाकर जनता को दिग्भ्रमित करने का काम किया और आप जब स्थिति सामान्य होने को आई तो 60 से 70 पैसा प्रति यूनिट बिजली बिल का दर बढ़ाकर ग्रामीणों के ऊपर आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। झारखंड सरकार जब से बनी है जनता के हित में उनका कोई कार्य नहीं है हेमंत सरकार सिर्फ और सिर्फ बालू कोयला ट्रांसफर पोस्टिंग इन्हीं सब कार्यों में मशगूल है। कभी भाषा विवाद कभी पेपर लीक इन्हीं सब विवादों के बीच में जनता को उलझाए रखने का काम करते हैं। भाजपा नेत्री लवली गुप्ता ने हेमंत सरकार से बिजली दर को तुरंत वापस लेने व पलामू जिले के लचर बिजली व्यवस्था को ठीक करने काका मांग किया है।

नारी के सम्मान व उनका सशक्तिकरण विकसित भारत निर्माण की नींव -अरुणा शंकर

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। पाटन प्रखंड अंतर्गत किशुनपुर गाँव में महिलाओं के द्वारा भाजपा के वरिष्ठ नेत्री सुश्री स्मिता आनंद एवं मेदिनीनगर के महापौर अरुणा शंकर के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल के समर्थन में पदयात्रा निकाली गई जो किशुनपुर अम्बेडकर चौक से प्रारम्भ होकर विभिन्न चौक चौराहों से होते हुए चनेया बाजार तक गई। भारी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने नारी शक्ति जिन्दावाद के नारों से पुरे क्षेत्र को गूंजयमान हुआ। मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेत्री स्मिता आनंद ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि समतामूलक और सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक संकल्प है, यह अभियान देश की आधी आबादी को निर्णय-निर्माण की मुख्यधारा में लाकर लोकतंत्र को और अधिक सशक्त,समावेशी एवं प्रगतिशील बनाने का माध्यम बन रहा है, यह पहल नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सशक्त भारत के उस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाती है, जिसमें महिलाएं केवल सहभागी नहीं,
बल्कि परिवर्तन की अग्रदूत हैं। उन्होंने कहा कि आइए, हम सभी इस ऐतिहासिक पहल का हिस्सा बनें, अपनी आवाज को सशक्त करें और नारी शक्ति के सम्मान में खड़े होकर नए भारत की नींव को और मजबूत करें, नारी शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है।मेदिनीनगर के महापौर अरुणा शंकर ने कहा कि ‟नारी शक्ति वंदन अधिनियम" देश की करोड़ों माताओं और बहनों के सम्मान, अधिकार और आत्मबल को सशक्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है. उन्होंने इसे केवल एक विधेयक नहीं, बल्कि ‟नारी तू नारायणी" की भावना को साकार करने का राष्ट्रीय प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि यही विकसित भारत की नींव है।महिला मोर्चा अध्यक्ष नीलिमा झा ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के अभूतपूर्व प्रयास हुए हैं. महिलाओं ने इस ऐतिहासिक अधिनियम के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और इसे सामाजिक-राजनीतिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक युगांतरकारी कदम बताया वहीं उक्त मौके पर सांसद प्रतिनिधि सुमन गुप्ता ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत की लैंगिक समानता की दिशा में एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी कदम है। यह सिर्फ महिलाओं के लिए अवसरों के द्वार नहीं खोलता, बल्कि सत्ता के केंद्र को अधिक समावेशी बनाता है।यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन की शुरूआत है।मौके पर पिंकी विश्वकर्मा, शिला दुबे, निर्मला देवी, मुन्नी देवी, कुनीता देवी, मालती देवी समेत हजारों की संख्या में महिलाएं उपस्थित हुई।

जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के सफल संचालन को लेकर उप विकास आयुक्त ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के सफल संचालन को लेकर प्रशासन सतर्क, अधिकारियों ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण...

नवप्रदेश/लातेहार। झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा के सफल, कदा चारमुक्त एवं शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने हेतु उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद द्वारा चंदवा प्रखंड अंतर्गत विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए केंद्राधीक्षकों एवं संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी निर्धारित दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।चंदवा प्रखंड के परीक्षा केंद्रों राजकीयकृत बालिका उच्च विद्यालय, चन्दवा टोरी (केंद्र कोड-1355), राजकीयकृत +2 उच्च विद्यालय, चन्दवा (केंद्र कोड-1356), खीसत राजा मध्य विद्यालय, चन्दवा (केंद्र कोड-1357), ग्रीन फील्ड एकेडमी, सरोज नगर, चन्दवा (केंद्र कोड-1358)
ग्रेटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल, लुकुईया मोड़, चन्दवा (केंद्र कोड-1359), प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय सांसग , चन्दवा
निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षार्थियों की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, प्रश्नपत्र की गोपनीयता तथा समयबद्ध संचालन पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।
इसी क्रम में अपर समाहर्ता रामा रविदास द्वारा भी लातेहार एवं मनिका प्रखंड अंतर्गत विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर विधि-व्यवस्था, परीक्षार्थियों की सुविधा, बैठने की व्यवस्था एवं प्रश्नपत्र की गोपनीयता का गहन निरीक्षण करते हुए संबंधितपदाधिकारियों को सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।अधिकारियों ने सभी कर्मियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने पर बल दिया।जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा के सफल संचालन हेतु सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की गई हैं तथा प्रत्येक स्तर पर निगरानी रखी जा रही है।
मौके पर डीआरडीबी निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश कुमार मण्डल,जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चन्दन,सम्बंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी,अंचलाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थें।

एक नजर

नए अस्पताल निर्माण का ग्रामीणों ने किया विरोध, भूमि सीमांकन करने पहुंचे खए को लौटाया

नवप्रदेश/महुआडांड। महुआडांड़ प्रखंड अंतर्गत ग्राम सेमरबुढ़नी में प्रस्तावित नए अस्पताल निर्माण को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली। भूमि सीमांकन के लिए पहुंचे विभागीय जेई को ग्रामीणों के विरोध के कारण बिना काम किए ही वापस लौटना पड़ा। ग्राम प्रधान विजय खलखो ने बताया कि गांव में कुछ वर्ष पूर्व ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत उप स्वास्थ्य केंद्र का नया भवन बनाया गया था, लेकिन आज तक वहां से ग्रामीणों को कोई भी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी है। इस कारण लोगों में सरकार की योजनाओं के प्रति विश्वास लगातार कम होता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब पहले से निर्मित स्वास्थ्य केंद्र ही निष्क्रिय पड़ा है, तो नए अस्पताल के निर्माण का कोई औचित्य नहीं है। उनका आरोप है कि केवल भवन निर्माण के नाम पर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर लोगों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं तक नहीं मिल रही हैं। ग्रामीणों ने स्पष्ट रूप से मांग की कि पहले से बने उप स्वास्थ्य केंद्र (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) को चालू कर उसमें डॉक्टर, दवाइयां और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके बाद ही नए स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण पर विचार किया जाए।ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस पहल नहीं की जाती, तब तक वे नए अस्पताल निर्माण कार्य का विरोध जारी रखेंगे। मौके पर बिनोद प्रसाद, भुषण तिर्की, बिनोद महली, मिखाईल लकड़ा समेत अन्य कई ग्रामीण उपस्थित थे।

मुरूप गांव में तड़के वारदात: घर के बाहर खड़ी बाइक को लगाई आग, लाखों का नुकसान

नवप्रदेश/लातेहार। जिले के मुरूप गांव में शनिवार तड़के अज्ञात अपराधियों ने एक घर के बाहर खड़ी बाइक में आग लगाकर सनसनी फैला दी। इस घटना में ग्लैमर बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई, जिससे करीब एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है।जानकारी के अनुसार, घटना सुबह करीब तीन बजे की है। उस समय रामप्रसाद के घर के सभी सदस्य अंदर सो रहे थे। अचानक बाहर से हलचल और जलने की तेज गंध महसूस होने पर परिजन बाहर निकले। बाहर का मंजर देख सभी दंग रह गए—घर के बाहर खड़ी बाइक धू–धू कर जल रही थी। परिजनों ने आग बुझाने की काफी कोशिश की, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही मिनटों में बाइक पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। पीड़ित के भाई राम चंद प्रसाद ने बताया कि गांव में उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है और न ही किसी पर शक है। उन्होंने कहा कि यह घटना क्यों और किसने की, इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी प्रमोद सिन्हा ने बताया कि पीड़ित से लिखित आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है और लोग सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं।

शिक्षा को लेकर बड़ा पहल: जिला अध्यक्ष के माध्यम से आवेदन सौंपा, जल्द उट से मुलाकात तय

नवप्रदेश/बब्लू खान/लातेहार : झारखंड मुक्ति मोर्चा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अंकित कुमार तिवारी द्वारा चंदवा प्रखंड में सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की मांग को लेकर तैयार आवेदन को जिला अध्यक्ष श्री लाल मोती नाथ शाहदेव के माध्यम से संबंधित स्तर पर सौंपा गया।अंकित कुमार तिवारी ने बताया कि चंदवा प्रखंड एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव है, जिससे यहां के छात्र–छात्राओं को आगे बढ़ने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे बेहतर शिक्षा के लिए बाहर नहीं जा पाते, जिसके कारण कई प्रतिभाएं उभर नहीं पातीं। उन्होंने कहा कि यदि चंदवा में सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना होती है, तो क्षेत्र के बच्चों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त शिक्षा मिल सकेगी, जिसमें स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय और खेलकूद जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।इस मौके पर जिला अध्यक्ष श्री लाल मोती नाथ शाहदेव ने इस पहल को महत्वपूर्ण बताते हुए आश्वासन दिया कि वे स्वयं जल्द ही माननीय मुख्यमंत्री महोदय से मुलाकात कर इस विषय को प्राथमिकता के साथ उठाएंगे, ताकि चंदवा के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक अवसर मिल सके। युवा मोर्चा के कार्यकताओं ने इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि सरकार जल्द ही इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लेगी।

सदर अस्पताल में हंगामा: डॉक्टर से मारपीट, 15-20 लोगों पर एफआईआर दर्ज

नवप्रदेश/बब्लू खान/ लातेहार। सदर अस्पताल लातेहार में इलाज के दौरान हंगामा और मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार अहले सुबह की बताई जा रही है। अस्पताल उपाधीक्षक अमूल्या गुलाब लकड़ा के अनुसार, आरा गांव निवासी राजू यादव (पिता– गणेश यादव) पेट दर्द की शिकायत लेकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचा था।ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर अनुपम कुमार ने मरीज का प्राथमिक उपचार करते हुए दवा दी, लेकिन जब तुरंत राहत नहीं मिली तो मरीज के साथ आए करीब 20–25 लोग भड़क उठे। आरोप है कि सभी ने डॉक्टर के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए गाली–गलौज और मारपीट शुरू कर दी।स्थिति तब और बिगड़ गई जब ड्यूटी पर मौजूद ड्रेसर राजदेव कुमार और अजीत कुमार के साथ–साथ वहां तैनात पुलिसकर्मियों के साथ भी बदसलूकी की गई। यहां तक कि डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को जबरन वाहन में बैठाकर ले जाने की कोशिश भी की गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सभी आरोपी मरीज को लेकर वहां से फरार हो चुके थे। इस संबंध में डॉक्टर की शिकायत पर राजू यादव (पिता–बनवारी यादव), मुकेश यादव (पिता– लालधारी यादव, दोनों बारी चंदवा) समेत 15–20 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि आरोपी शराब के नशे में थे और किसी शादी समारोह में शामिल होने के लिए लातेहार आए थे। थाना प्रभारी प्रमोद सिन्हा ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

पलामू: नए पुलिस अधीक्षक ने संभाली कमान

नवप्रदेश/पलामू। पलामू जिले के 71वें पुलिस अधीक्षक के रूप में आईपीएस कपिल चौधरी ने विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालते ही उन्होंने साफ कर दिया कि जिले में बेहतर पुलिसिंग और सुदृढ़ विधि–व्यवस्था उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। नए एसपी ने कहा कि आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना, अपराध पर प्रभावी नियंत्रण रखना और पुलिस–जनता के बीच विश्वास को मजबूत करना उनके कार्य का मुख्य उद्देश्य रहेगा। कपिल चौधरी ने यह भी कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही, जनता से अपील की कि वे पुलिस का सहयोग करें, ताकि जिले में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे। साथ ही IRB 10 पलामू का भी पदभार ग्रहण किया।

16 साल बाद एशिया की चर्चित राजहरा कोलियरी से फिर निकला कोयला, पलामू में खुशी की लहर

नवप्रदेश/पलामू। पलामू जिले के लिए एक बड़ी और सुखद खबर सामने आई है जहां एशिया की प्रसिद्ध राजहरा कोलियरी में पूरे 16 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार कोयला उत्पादन का काम फिर से शुरू हो गया है। इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए स्थानीय ग्रामीणों ने शुक्रवार को एक भव्य पूजा का आयोजन किया जिसमें भारी संख्या में लोग उमड़े। आपको बता दें कि साल 2010 से सुरक्षा कारणों और गाइडलाइंस की वजह से यहां माइनिंग का काम पूरी तरह बंद पड़ा था लेकिन अब एक बार फिर कोयले की इस खदान से इलाके की किस्मत चमकने वाली है। ग्रामीण पारंपरिक विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर रहे हैं और कोलियरी शुरू होने की खुशी मना रहे हैं क्योंकि यह खदान उनके लिए केवल पत्थर और कोयला नहीं बल्कि रोजगार की नई उम्मीद लेकर आई है। राजहरा कोलियरी देश की सबसे पुरानी खदानों में शुमार है जिसका इतिहास साल 1842 से जुड़ा हुआ है। 1991 तक यहां जमीन के नीचे यानी अंडरग्राउंड माइनिंग होती थी जिसके बाद ओपन कास्ट माइनिंग शुरू की गई।

बिजली संकट पर फूटा गुस्सा, हरिहरगंज सब स्टेशन पर ताला जड़कर किया प्रदर्शन

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज। हरिहरगंज में लगातार बनी बिजली समस्या को लेकर शनिवार को लोगों का आक्रोश फूट पड़ा. सांसद प्रतिनिधि राजीव रंजन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हरिहरगंज विद्युत सब स्टेशन पर जोरदार प्रदर्शन किया. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सब स्टेशन के मुख्य गेट में ताला जड़ दिया, जिससे कुछ देर के लिए अफरा–तफरी की स्थिति बन गयी. सूचना मिलते ही बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता राजेश कुमार, सहायक विद्युत अभियंता गुणवंत कुमार समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से वार्ता की. अधिकारियों ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ.
प्रदर्शनकारियों ने पांच सूत्री मांग पत्र सौंपते हुए कहा कि ढकचा, सलैया व सरसोत पंचायत की दूरी अधिक होने के कारण इन क्षेत्रों को नौडीहा के मायापुर ग्रिड से जोड़ा जाए. साथ ही 5 एमवीए के स्थान पर 10 एमवीए का पावर ट्रांसफार्मर लगाने, एडिशनल ट्रांसफार्मर को जल्द चालू करने और बंजारी व टंडवा रोड क्षेत्र में बाधित बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग उठाई. बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 20 अप्रैल के बाद नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी. वहीं 22 अप्रैल से बंजारी सतगावां मोहल्ला में मेंटेनेंस कार्य शुरू होगा. शौंडिक मोहल्ला, पुरानी बस स्टैंड व दुर्गा मंदिर के पास जले ट्रांसफार्मर को तत्काल बदलने तथा दो दिनों के भीतर अतिरिक्त ट्रांसफार्मर चालू करने का भरोसा दिया गया. प्रदर्शन में संजय जायसवाल, जानू चौधरी, राजू शर्मा, शंभू यादव, मृत्युंजय सिंह, अखिलेश मेहता, वार्ड पार्षद अवधेश मेहता, कृष्ण कुमार क्रांतिकारी, पवन कुमार, विनोद पासवान, विजयेंद्र प्रसाद, संजय मेहता, डॉ. प्रमोद कुमार, शंभू सिंह, सुनील जायसवाल, चंदन कुमार, रामजी कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे.

सेहत का फंडा

फलों से पाएँ चमकते दाँत

[illegible]

दही में है खूबसूरती का खजाना

[illegible]

आज के 'ब्यूटीफुल' मर्द

> "आज के युवक भी अपने पहनावे को लेकर सजग हो रहे हैं। लड़कियों की तरह क्रीम लगाना, घंटों सैलून में बैठना, फैशियल करवाना, वैक्सिंग करवाना स्पा में जाना उनकी जीवनशैली का हिस्सा हो चुका है।"

[illegible]

'भूल' जाएँ भूलने की आदत

> चीजों को रखकर भूल जाना, किसी जरूरी बात का दिमाग से निकल जाना, बातचीत करते समय विषय का ध्यान से हट जाना, नामों का याद न रहना, दिनचर्या में उपयोग में होने वाली छोटी-छोटी बातें भी याद न रहना। यह कुछ ऐसी समस्याएँ हैं जो तेजी से लोगों में बढ़ती जा रही हैं। यूँ कह लीजिए कि लोग भूलने की समस्या के शिकार होते जा रहे हैं। जिसका मुख्य कारण है तनाव, तो वहीं आधुनिक भौतिक सुख-सुविधाओं पर बढ़ती लोगों की निर्भरता भी इसकी एक वजह है। जो मानव की मानसिक क्षमता को घुन की तरह धीरे-धीरे नष्ट करती जा रही है।

नशीले पदार्थों से रहें दूर [illegible]

तनाव है मुख्य कारण [illegible]

महिलाएँ हो रहीं शिकार [illegible]

कमजोर होती मानसिक क्षमता [illegible]

आसान उपाय हर मर्ज से बचाए

[illegible]

पिंपल्स की दुश्मन सब्जियाँ

[illegible]

घरेलू उपाय, चेहरा चमकाएं

[illegible]

संक्षिप्त समाचार

जोस बटलर टी20 में 300 कैच पूरे करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी बने

नई दिल्ली,एजेंसी ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में बल्ले से रन बनाने को तरस रहे गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एक बड़ी और अनोखी उपलब्धि हासिल की। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस महत्वपूर्ण मैच में, इंग्लैंड के इस अनुभवी खिलाड़ी ने कगिसो रबाडा की गेंद पर अंगक्रिश रघुवंशी का शानदार कैच लपका। रघुवंशी का यह कैच पकड़कर बटलर ने टी20 क्रिकेट में 300 कैच पूरे करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया है। यह एक विकेटकीपर के लिए असाधारण उपलब्धि है, जो उनकी फिटनेस, एकाग्रता और विकेटकीपिंग कौशल का प्रमाण है। उनसे पहले, क्रिकेट जगत में यह उल्लेखनीय उपलब्धि केवल तीन अन्य खिलाड़ियों वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड, साउथ अफ्रीका के डेविड मिलर और साउथ अफ्रीका के ही क्विंटन डी कॉक ने हासिल की थी। अहमदाबाद में केकेआर और जीटी के बीच खेला गया आईपीएल 2026 का यह मैच जोस बटलर के करियर का 498वां टी20 मैच था। यह आंकड़ा उनकी लंबी और सफल टी20 करियर को दर्शाता है, जिसमें उन्होंने विभिन्न लीगों और अंतरराष्ट्रीय मैचों में लगातार प्रदर्शन किया है। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड के नाम है। पोलार्ड ने 2006 से अब तक एक दर्जन से अधिक टीमों के लिए कुल 735 टी20 मैचों में 405 कैच लिए हैं, जो उनकी असाधारण फील्डिंग क्षमता का प्रमाण है। उनके बाद, डेविड मिलर का नंबर आता है,

आईपीएल 2026 में छक्कों की बरसात, रजत पाटीदार सबसे आगे

नई दिल्ली ,एजेंसी।

आईपीएल 2026 का रोमांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे टूर्नामेंट में बल्लेबाजों का दबदबा साफ नजर आने लगा है। अब तक खेले जा चुके 24 मुकाबलों में दर्शकों को कई हाई-स्कोरिंग मैच देखने को मिले हैं, जहां बल्लेबाजों ने खुलकर रन बनाए और छक्कों की झड़ी लगा दी। इस सीजन में अब तक दो शतक भी लग चुके हैं, जिससे साफ है कि बल्लेबाज शानदार फॉर्म में हैं और पिचें भी उनके अनुकूल साबित हो रही हैं। कई युवा खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, वहीं कुछ अनुभवी खिलाड़ियों ने भी अपनी खोई हुई लय वापस पा ली है। इस सीजन में अब तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार के नाम है। उन्होंने पांच मैचों की पांच पारियों में कुल 21 छक्के जड़कर इस सूची में पहला स्थान हासिल किया है। पाटीदार ने 222 रन बनाते हुए अपनी टीम के लिए कई महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं और ऑरेंज कैप की दौड़ में भी शामिल हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने आरसीबी को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। दूसरे स्थान पर युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम है, जिन्होंने महज 15 साल की उम्र में शानदार प्रदर्शन कर सबको चौंका दिया है। उन्होंने पांच मैचों में 200 रन बनाए हैं और इस दौरान 18 छक्के लगाए हैं।

श्रेयस अय्यर को आकाश चोपड़ा ने बताया नया चेज मास्टर

नई दिल्ली ,एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर शानदार फॉर्म में हैं और उनकी बल्लेबाजी व कप्तानी का जलवा देखने को मिल रहा है। उनकी कप्तानी में पंजाब की टीम अभी तक अजेय रही है, जो इस सीजन की एक बड़ी उपलब्धि है। शुरुआती 24 मुकाबले हो जाने के बाद पंजाब ही एकमात्र ऐसी टीम है जिसने कोई मुकाबला नहीं गंवाया है। कप्तानी के साथ-साथ श्रेयस अपनी बल्लेबाजी में भी कमाल कर रहे हैं, उन्होंने जारी सीजन में लगातार तीन पारियों में अर्धशतक लगाया है। उनके नेतृत्व में पंजाब ने सभी चार मुकाबले सफलतापूर्वक लक्ष्य का पीछा करते हुए जीते हैं, और इस दौरान श्रेयस अय्यर ने कई मैचों में दमदार पारियां खेलकर टीम को जीत दिलाई है। उनके इस प्रदर्शन के चलते भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने उनकी तुलना चेज मास्टर विराट कोहली से की है। आकाश चोपड़ा ने श्रेयस के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, अय्यर नए चेज मास्टर हैं। हम विराट कोहली की बातें करते हैं, अगर हम उनके साथ किसी और का नाम जोड़ रहे हैं, तो ये अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह सच है कि उसके आंकड़े भी उनके जैसे ही हैं। पिछले दो सालों में चेज में उसका औसत 65 का रहा है और स्ट्राइक रेट 180 का है।

आईपीएल में आज अजेय पंजाब किंग्स के सामने पंत की लखनऊ सुपर जाइंट्स

नई दिल्ली ,एजेंसी।

रविवार को मुल्लांपुर के महाराजा यादविंदर सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स अपनी जीत की लय को बरकरार रखने के इरादे से लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी। इस सीजन में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन अब तक शानदार रहा है और टीम ने जबरदस्त फॉर्म दिखाई है, जबकि लखनऊ सुपर जाइंट्स लगातार संघर्ष करती नजर आ रही है। कप्तान ऋषभ पंत की चोट ने लखनऊ की मुश्किलों को और भी बढ़ा दिया है, जिससे यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बन गया है। पंजाब किंग्स ने इस सीजन में अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जहाँ टीम ने अपने शुरुआती मैचों में शानदार खेल दिखाते हुए अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई है। उनकी बल्लेबाजी में गहराई और गेंदबाजी में धार स्पष्ट रूप से दिखाई दी है, जो उन्हें इस मुकाबले में मजबूत दावेदार बनाती है। टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए विशेष रूप से महारत हासिल की है, जहाँ उन्होंने हाल के मैचों में दबाव में भी संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाया है। इसके विपरीत, लखनऊ सुपर जाइंट्स फिलहाल अंक तालिका में निचले पायदानों पर संघर्ष कर रही है और लगातार दो हार के बाद टीम पर दबाव साफ दिखाई दे रहा है। उनका प्रदर्शन इस सीजन में उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी प्रभावित हुआ है। पिछले मुकाबले में कप्तान ऋषभ पंत का महज तीन गेंद खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो जाना, लखनऊ के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है। हालांकि बाद में वह बल्लेबाजी के लिए लौटे, लेकिन उनकी कोहनी पर बंधी पट्टी

उनकी फिटनेस को लेकर संशय बनाए हुए है, जो टीम के बल्लेबाजी क्रम को कमजोर कर सकता है। लखनऊ की बल्लेबाजी इस सीजन में उनकी कमजोर कड़ी साबित हुई है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ पिछले मुकाबले में टीम केवल 146 रन ही बना सकी थी, जहाँ मुकुल चौधरी और आयुष बदोनी ने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम एक बड़ा स्कोर खड़ा करने में विफल रही। पूरे सीजन में टीम अभी तक 200 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाई है, जो उनकी बल्लेबाजी की गहराई और आक्रमण में कमी को दर्शाता है। इसके विपरीत, पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी ने इस सीजन में अपनी ताकत दिखाई है, जहाँ उन्होंने कई बार 200 से अधिक रन बनाए हैं। प्रभसिमरन सिंह जैसे खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी काफी प्रभावशाली रहा है, जिससे टीम को तेजी से रन बनाने में मदद मिलती है। लखनऊ की गेंदबाजी इकाई में प्रिंस यादव, आवेश खान जैसे गेंदबाज शामिल हैं, जिन्होंने कुछ विकेट चटकाए हैं। लेकिन टीम को और अधिक निरंतरता और प्रभावी प्रदर्शन की आवश्यकता होगी, खासकर तब जब पंजाब के बल्लेबाज अच्छी लय में हों। लखनऊ के मुकुल चौधरी, एडेन मार्करम, मिचेल मार्श और निकोलस पूरन जैसे बल्लेबाजों से उम्मीद होगी कि वे इस महत्वपूर्ण मुकाबले में बड़ी और आक्रामक पारियां खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में लाएं, ताकि टीम अपनी हार की लकीर को तोड़ सके और अंक तालिका में अपनी स्थिति सुधार सके। यह मुकाबला पंजाब के लिए अपनी जीत की दौड़ जारी रखने का अवसर है, जबकि लखनऊ के लिए यह सीजन में वापसी करने का एक महत्वपूर्ण मौका है। टीमें इस प्रकार हैं- पंजाब किंग्स : प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कूपर कोनोली, श्रेयस अय्यर (कप्तान), शशांक सिंह, नेहल वढेरा, मार्कस स्टोइनिस, मार्को जानसन, जेवियर बार्टलेट, विजयकुमार विशाक, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र

चहल लखनऊ सुपर जायंट्स : मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, मणिमारन सिद्धार्थ, अवेश खान, मोहम्मद शमी, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव

जसप्रीत बुमराह आईपीएल 2026 में क्यों फीके पड़ रहे? जानिए कारण

नई दिल्ली ,एजेंसी।

जसप्रीत बुमराह का नाम सुनते ही बड़े-बड़े बल्लेबाज खौफ खाते हैं, लेकिन आईपीएल 2026 में उनका वह दबदबा नजर नहीं आ रहा है। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा बल्लेबाज भी उनकी पहली गेंद पर छक्का जड़ रहे हैं। सबसे हैरानी की बात यह है कि आईपीएल के मौजूदा सीजन में बुमराह का अभी तक विकेटों का खाता नहीं खुल पाया है और पिछले 6 आईपीएल मैचों में वह विकेटलेस रहे हैं। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि दुनिया के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में से एक जसप्रीत बुमराह आखिरकार आईपीएल में इतने बेबस क्यों नजर आ रहे हैं? इसके पीछे कई संभावित कारण हो सकते हैं। 1. क्या चोट है परेशानी? शायद आपको याद न हो, लेकिन आईपीएल 2026 से ठीक पहले जसप्रीत बुमराह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे थे। रिपोर्ट्स में बताया गया था कि वे स्क्रैड वर्कलोड मैनेजमेंट और रूटीन फिटनेस टेस्ट के लिए वहां गए थे। क्या उन्हें कोई छोटी-मोटी चोट या निगल थी? इस पर अभी तक कुछ भी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आया है, लेकिन वहां जाने के बाद से वे थोड़े रूखे-रूखे से नजर आए हैं। आईपीएल 2026 में उनका इकॉनमी रेट 8.63 है, जो 4 या इससे ज्यादा मैच खेलने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप 10 से भी बाहर है, जो उनके स्तर के गेंदबाज के लिए असामान्य है। 2. नहीं मिल रहा दूसरे छोर से साथ जसप्रीत बुमराह के साथ आईपीएल 2026 में एक बड़ी समस्या यह भी है कि उन्हें दूसरे गेंदबाजों से पर्याप्त साथ नहीं मिल रहा। दीपक चाहर, हार्दिक पांड्या और ट्रेंट बोल्ट के अलावा शार्दुल ठाकुर भी दूसरे छोर से उनको अच्छा समर्थन नहीं दे रहे हैं।

गुजरात टाइटंस में कोनोर एस्टरहुइजन की एंट्री, चोटिल टॉम बैंटन की जगह लेंगे

नई दिल्ली ,एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग की टीम गुजरात टाइटंस ने इंग्लैंड के चोटिल खिलाड़ी टॉम बैंटन के स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज कोनोर एस्टरहुइजन को अपनी टीम में शामिल करने का ऐलान किया है। बैंटन अपनी अंगुली में चोट लगने के कारण इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं, जिससे गुजरात टाइटंस को एक नए खिलाड़ी की तलाश थी। चौबीस वर्षीय कोनोर एस्टरहुइजन ने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में दक्षिण अफ्रीका के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उनका यह पदार्पण बेहद शानदार रहा था, जिसमें उन्होंने अपनी टीम को 1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सीरीज 3-2 से जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कॉनोर को इस सीरीज में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया था, जिससे उनकी प्रतिभा और फॉर्म का अंदाजा लगाया जा सकता है। न्यूजीलैंड में हुई इस टी20 सीरीज में उन्होंने अपने हुनर का जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 145.98 के स्ट्राइक रेट से कुल 200 रन बनाए थे, जिससे वह सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। इन पांच मैचों में उन्होंने 13 छक्के भी जड़े, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली को दर्शाता है। यह कोनोर का इंडियन प्रीमियर लीग में पहला सत्र होगा। वह 75 लाख रुपये के बेस प्राइस पर गुजरात टाइटंस से जुड़े हैं और उम्मीद की जा रही है कि वह टीम में जोस बटलर के लिए बैकअप विकेटकीपर के तौर पर एक महत्वपूर्ण विकल्प साबित होंगे। एस्टरहुइजन एसए20 लीग में एमआई केप टाउन और हाल ही में प्रिटोरिया कैपिटल्स की ओर से भी खेल चुके हैं, जहां उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है।

हार्दिक पांड्या की कप्तानी का रिपोर्ट कार्ड: गुजरात में चमके, मुंबई में संघर्ष

नई दिल्ली ,एजेंसी।

गुजरात टाइटंस को पहली बार में आईपीएल खिताब और दूसरी बार में रनरअप बनाने वाले कप्तान हार्दिक पांड्या आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े थे। एमआई ने ऑल-कैश डील के जरिए इस हरफनमौला को अपनी टीम में शामिल किया और उन्हें कप्तान भी बनाया, जिससे मुंबई इंडियंस में रोहित शर्मा के युग का अंत हो गया। इस फैसले से टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ी भी कथित तौर पर नाराज थे, क्योंकि सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह जैसे विकल्प भी मौजूद थे। अब बात करते हैं हार्दिक पांड्या के बतौर कप्तान गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के लिए प्रदर्शन की। आईपीएल 2022 में जब दो नई टीमें जोड़ी गईं, तो गुजरात टाइटंस ने हार्दिक पांड्या को अपना कप्तान चुना। पांड्या की अगुवाई में जीटी ने पहले ही सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी अपने नाम की। अगले सीजन में भी टीम

फाइनल तक पहुंची, लेकिन खिताबी मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स के हाथों हार गई। गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए हार्दिक पांड्या ने कुल 31 मैच खेले, जिनमें से टीम ने 22 मैच यानी 70 प्रतिशत मुकाबले जीते। वहीं, 9 मैचों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा और इस दौरान टीम ने एक ट्रॉफी भी जीती। कप्तान के साथ-साथ हार्दिक पांड्या ने बल्ले और गेंद से भी कमाल दिखाया था। दोनों सीजन मिलाकर उन्होंने 833 रन बनाए और 11 विकेट भी चटकाए। जीटी में पांड्या नंबर-3 या चार पर बल्लेबाजी करते थे। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस के साथ हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। जिस कप्तानी स्किल को देखकर मुंबई इंडियंस ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया था, वह हरफनमौला अभी तक वैसी छाप नहीं छोड़ पाया है। मुंबई इंडियंस के लिए पहले सीजन में कप्तानी करते हुए हार्दिक पांड्या की खूब आलोचना हुई थी; न तो वह खुद अच्छा प्रदर्शन कर पा रहे थे और न ही टीम अच्छा कर रही थी। हर मैदान पर उनके खिलाफ हूटिंग भी हो रही थी। मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 में सबसे नीचे 10वें पायदान पर रही थी। आईपीएल 2025 में जरूर टीम ने टॉप-4 में जगह बनाकर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया, मगर टीम फाइनल तक नहीं पहुंच पाई थी। अब 2026 में टीम का आगाज तो शानदार रहा, 14 साल बाद मुंबई सीजन का पहला मैच जीतने में कामयाब रही, लेकिन उसके बाद एमआई को लगातार चार मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। मुंबई इंडियंस की कप्तानी करते हुए हार्दिक पांड्या ने कुल 33 मैच खेले हैं, जिसमें से टीम सिर्फ 14 मुकाबले जीत पाई, वहीं 19 मैचों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

वीरेंदर सहवाग ने बताया, क्यों आरसीबी से की थी विराट कोहली ने शुरूआत, दिल्ली से क्यों चूके

नई दिल्ली,एजेंसी ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की जब 2008 में शुरूआत हुई, तो फ्रेंचाइजियों ने आम तौर पर अपने गृह राज्य या शहर के खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी थी। सचिन तेंदुलकर मुंबई इंडियंस के लिए, राहुल द्रविड़ आरसीबी के लिए और वीरेंदर सहवाग दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) के लिए खेले। उस समय दिल्ली के विराट कोहली एक युवा और उभरते हुए स्टार थे। दिल्ली कैपिटल्स उन्हें अपनी टीम में तो जोड़ना चाहती थी, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। अब वीरेंदर सहवाग ने खुलासा किया है कि आखिर कोहली को दिल्ली से जोड़ने में पेच कहां फंसा और दिल्ली कैपिटल्स ने उनकी जगह प्रदीप सांगवान पर दांव क्यों खेला। एक्सपर्ट सहवाग ने खुलासा किया कि दिल्ली कैपिटल्स का टॉप ऑर्डर बैटिंग लाइन-अप पूरी तरह से भरा हुआ था। उनके पास कई बल्लेबाज थे, लेकिन गेंदबाजी में विकल्प कम पड़ रहे थे। सहवाग ने कहा, मुझे याद है कि 2008 में आईपीएल के पहले सीजन में दिल्ली डेयरडेविल्स की हमारी टीम में शिखर धवन भी थे और तिलकरत्ने दिलशान भी। उन्होंने आगे बताया, दोनों ओपनर थे लेकिन हम उन्हें नंबर 3 और नंबर 5 पर खेला रहे थे क्योंकि

मैं और गौतम (गंभीर) पारी की शुरूआत करते थे। मनोज तिवारी चौथे नंबर पर उतरते थे। इसलिए टीम में हमारे पास कई सारे टॉप-ऑर्डर बैटर थे और उन सबको बैटिंग ऑर्डर में फिट करना मुश्किल था। सहवाग ने आगे बताया, उस वक्त विराट कोहली भी नंबर 3 या 4 पर बल्लेबाजी करते थे। इसलिए हमारे पास उन्हें लाने के लिए जगह ही नहीं थी। हमें गेंदबाज कम पड़ रहे थे, इसलिए हमने कोहली के बजाय प्रदीप सांगवान को लेने का फैसला किया। युवा विराट कोहली तब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने नीलामी में 12 लाख रुपये में खरीदा था। एक बार कोहली आरसीबी से जुड़े तो उसी के होकर रह गए। वह और आरसीबी जैसे एक-दूसरे के पर्याय बन गए। तब से लेकर अब तक विराट कोहली हर सीजन में आरसीबी का ही हिस्सा रहे हैं।

और वह आईपीएल इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाज हैं। किंग कोहली अब तक आईपीएल में 272 मैच खेल चुके हैं, जिनमें 65 अर्धशतकों और 8 शतकों के साथ 8889 रन बना चुके हैं। उनका औसत 39.86 का है और स्ट्राइक रेट 133.40 का है। आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन, सबसे ज्यादा शतक, सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर, सबसे ज्यादा चौके का रिकॉर्ड किंग कोहली के ही नाम है। आईपीएल 2026 में भी विराट कोहली का बल्ला खूब गरज रहा है। वह अब तक 5 मैचों में 57 के औसत और 158.33 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट के साथ 228 रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 2 अर्धशतक लगाए हैं और फिलहाल वह सीजन के टॉप रनस्कोरर हैं।

टी20 विश्वकप की तैयारियों में लगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली ,एजेंसी।

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम 12 जून से 5 जुलाई इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले टी20 विश्वकप 2026 की तैयारी में लग गयी है। इस टूर्नामेंट में 12 टीमें भाग लेंगी और कुल 33 मैच खेले जाएंगे। इसका खिताबी मुकाबला 5 जुलाई को ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। इसी को देखते हुए भारतीय टीम अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली आगामी घरेलू श्रृंखला को टीम केवल एक सामान्य मुकाबला नहीं, बल्कि विश्व कप की तैयारी के एक अहम टूर्नामेंट के तौर पर देख रही है। यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है, खासकर जब महिला टी20 विश्व कप नजदीक आ रहा है। टीम प्रबंधन इस मुकाबले में टीम संयोजन, खिलाड़ियों की मौजूदा फॉर्म और बेंच स्ट्रेंथ पर विशेष ध्यान देगा ताकि विश्व कप के लिए सर्वश्रेष्ठ एकादश तैयार की जा सके। कप्तान हरमनप्रीत ने टीम के आत्मविश्वास और मनोबल को लेकर सकारात्मक संकेत दिए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि टीम हाल में मिली सफलताओं और अच्छे प्रदर्शन के बाद उत्साहित है और उनका लक्ष्य लगातार अच्छी क्रिकेट खेलना जारी रखना है। गौरतलब है कि टीम ने हाल के दिनों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, जिससे खिलाड़ियों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है और उनका आत्मविश्वास और भी मजबूत

हुआ है। हरमनप्रीत ने स्पष्ट किया कि यह श्रृंखला टीम के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है और खिलाड़ी इसे पूरी गंभीरता के साथ ले रहे हैं। उनका मानना है कि विश्व कप से पहले हर खिलाड़ी को पर्याप्त मौका देना आवश्यक है, ताकि अंतिम टीम संयोजन को पूरी तरह से आकार दिया जा सके। यह पांच मैचों की श्रृंखला टीम प्रबंधन को विभिन्न रणनीतियों और खिलाड़ी संयोजनों को आजमाने का अवसर प्रदान करेगी। कप्तान ने यह भी कहा कि खेल में हार-जीत तो चलती रहती है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है आने वाले बड़े टूर्नामेंट के लिए सही दिशा में तैयारी करना और टीम में सही संतुलन स्थापित करना।

विजय देवरकोंडा का नया अवतार, शौर्ययुव संग बड़े स्केल की फिल्म का ऐलान

अभिनेता विजय देवरकोंडा ने निर्देशक शौर्ययुव के साथ अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसने सामने आते ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। अनाउंसमेंट पोस्टर में विजय एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए हैं, जहां वह लोहे की जंजीरों से बंधे चार कुत्तों के साथ आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर ने साफ कर दिया है कि यह फिल्म सिर्फ एक नई कहानी नहीं, बल्कि बड़े विजन और ग्लोबल स्तर के सिनेमाई अनुभव का हिस्सा बनने जा रही है।

फिल्म के साथ 'दैट्स ए रोर' नाम का एक थीम सॉन्ग भी जारी किया गया है। यह गीत संघर्ष, दर्द और मुश्किल हालात के बीच हार न मानने की भावना को दर्शाता है। गाने के बोल यह संदेश देते हैं कि असली ताकत शोहरत में नहीं, बल्कि हर गिरावट के बाद फिर से खड़े होने में है। मेकर्स का मानना है कि यह सिर्फ फिल्म का गाना नहीं, बल्कि उसके भावनात्मक मूल को दर्शाने वाला एक प्रतीक है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म एक समानांतर पौराणिक दुनिया पर आधारित होगी, जो प्राचीन एहसास के साथ पूरी तरह काल्पनिक होगी। निर्देशक शौर्ययुव, जिन्होंने 'हाय नन्ना' से दर्शकों का दिल जीता था, अब एक बड़े स्तर की कहानी के साथ लौट रहे हैं। यह प्रोजेक्ट उनके अब तक के काम से काफी अलग माना जा रहा है और इसमें भावनात्मक गहराई के साथ भव्य विजुअल्स का संगम देखने को मिलेगा

फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसकी अंतरराष्ट्रीय तकनीकी टीम है। इसमें हॉलीवुड और भारतीय सिनेमा के कई बड़े नाम जुड़े हैं, जिनमें सिनेमैटोग्राफर अलेजांद्रो मार्टिनेज, संगीतकार हेशम अब्दुल वहाब और अनुभवी वीएफएक्स विशेषज्ञ शामिल हैं। मेकर्स का दावा है कि यह फिल्म भारतीय सिनेमा को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में एक साहसी कदम साबित हो सकती है।

'भूत बंगला' ने बॉक्स ऑफिस पर की शानदार शुरूआत

अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' ने सिनेमाघरों में रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरूआत की है। लंबे समय से चर्चा में रही इस फिल्म को दर्शकों से पहले दिन अच्छी प्रतिक्रिया मिली, जिसका असर इसकी कमाई पर भी साफ नजर आया। फिल्म ने दुनियाभर में 21.60 करोड़ रुपये का कारोबार कर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। फिल्म को बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स ने मिलकर प्रस्तुत किया है। वही आने वाले दिनों में इसकी कमाई और बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

700 अरब डॉलर के पार पहुंचा देश का विदेशी मुद्रा भंडार

नवप्रदेश/नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण डांवाडोल हो रही वैश्विक अर्थव्यवस्था के माहौल में भारत के लिए आर्थिक मोर्चे से एक अच्छी खबर है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक बार फिर 700 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 अप्रैल को समाप्त हुए सप्ताह में 3.825 अरब डॉलर बढ़कर 700.946 के स्तर पर पहुंच गया। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में हुई यह वृद्धि लगातार दूसरे सप्ताह दर्ज की गई है। इससे पहले तीन अप्रैल को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 9.063 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 697.121 अरब डॉलर के स्तर पर आ गया था। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से उपलब्ध कराई की जानकारी के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ा हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) का है, जो इस सप्ताह 3.127 अरब डॉलर बढ़कर 555.983 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में डॉलर के अलावा यूरो, पाउंड और येन जैसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राएं भी शामिल हैं। इसी तरह इस सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखे विशेष आहरण अधिकार (स्पेशल ड्राइंग राइट) में भी 5.60 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़ोतरी के बाद ये बढ़ कर 18.763 अरब डॉलर हो गया है। देश के स्वर्ण भंडार की बात करें तो 10 अप्रैल को खत्म हुए सप्ताह के बाद देश के स्वर्ण भंडार में 60.10 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इस तरह इस सप्ताह देश के स्वर्ण भंडार की कीमत 121.343 अरब डॉलर हो गई है। 10 अप्रैल को खत्म हुए सप्ताह में 700 अरब डॉलर के स्तर को पार करने के पहले इस साल 27 फरवरी को खत्म हुए सप्ताह में देश क विदेशी मुद्रा भंडार 728.494 अरब डॉलर के ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंचा था। हालांकि, मार्च के महीने में जियो पॉलिटिकल टेंशन और कच्चे तेल की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव होने के कारण इसमें कुछ गिरावट भी आई थी, लेकिन अब एक बार फिर देश का विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया है।

अजय-अतुल की धुनों ने फिर जगाया हिंदवी स्वराज्य का गौरव, रितेश की फिल्म का धांसू आगाज

भारतीय इतिहास के सबसे प्रतापी नायक छत्रपति शिवाजी महाराज की गौरव गाथा अब बड़े पर्दे पर जीवंत होने के लिए तैयार है। जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी की बहुप्रतीक्षित फिल्म राजा शिवाजी का पहला गाना यानी एंथम छत्रपति रिलीज कर दिया गया है। गाने के बोल और इसकी भव्यता इतनी जबरदस्त है कि इसे सुनते ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। यह एंथम सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि स्वराज्य के उस संकल्प की गूंज है जिसने सदियों पहले पूरे राष्ट्र को एकजुट किया था।

अजय-अतुल का जादुई संगीत और 80 गायकों का कोरस

इस एंथम को संगीत की दुनिया की मशहूर जोड़ी अजय-अतुल ने तैयार किया है। अजय गोगावले की बुलंद आवाज ने इस गाने में ऐसी जान फूंकी है कि सुनने वाला खुद को उस गौरवशाली युग का हिस्सा महसूस करने लगता है।

गाने की भव्यता को बढ़ाने के लिए करीब 80 गायकों के कोरस का इस्तेमाल किया गया है, जो संगीत के उतार-चढ़ाव को एक अलग ही ऊंचाई पर ले जाते हैं। अजय-अतुल का कहना है कि शिवाजी महाराज की विरासत पर काम करना उनके लिए केवल एक प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी और सम्मान की बात है।

रेमो डिसूजा का पावर-पैक निर्देशन और रितेश का विजन

गाने के दृश्यों को और भी प्रभावशाली बनाने का श्रेय मशहूर कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा को जाता है। उन्होंने म्यूजिक की हर बीट के साथ तालमेल बिठाते हुए ऐसे स्टेप्स तैयार किए हैं, जो एकता और साहस का प्रतीक नजर आते हैं।

फिल्म का निर्देशन खुद रितेश देशमुख कर रहे हैं और उनके विजन में महाराज के प्रति जो सम्मान है, वह इस एंथम के हर फ्रेम में साफ झलकता है। यह गाना न केवल एक राजा की विजय गाथा है, बल्कि यह उस जन-आंदोलन की कहानी है जिसने लोगों के भीतर आत्मसम्मान की लौ जलाई थी।

दिग्गज सितारों से सजी है फिल्म राजा शिवाजी

बता दें कि इस फिल्म में बॉलीवुड और मराठी सिनेमा के कई बड़े चेहरे एक साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म की स्टारकास्ट में संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर और बोमन ईरानी जैसे दिग्गज शामिल हैं।

साथ ही भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी और अमोल गुप्ते भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखेंगे। फिल्म को ज्योति देशपांडे और जिनिलीया देशमुख ने प्रोड्यूस किया है।

कब होगी रिलीज?

मराठी और हिंदी भाषा में बनी यह ऐतिहासिक फिल्म 1 मई 2026 को पूरी दुनिया के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिलहाल, छत्रपति एंथम सभी म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है और रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा है। अगर आप भी स्वराज्य के गौरव को महसूस करना चाहते हैं, तो यह एंथम आपकी प्लेलिस्ट में जरूर होना चाहिए।

लारा दत्ता के 26 साल पुराने रिकॉर्ड के आगे आज भी सब फेल,

बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स लारा दत्ता आज अपना 48वां जन्मदिन (Lara Dutta Birthday 2026) मना रही हैं। ग्लैमर की दुनिया में हर साल नए चेहरे आते हैं और पुराने रिकॉर्ड टूटते हैं, लेकिन लारा दत्ता ने साल 2000 में जो किला फतह किया था, उसे पिछले 26 सालों में दुनिया की कोई भी सुंदरी ढहा नहीं पाई है। 16 अप्रैल 1978 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में जन्मी लारा ने न केवल अपनी खूबसूरती बल्कि अपनी बुद्धिमत्ता से वैश्विक मंच पर भारत का परचम लहराया था। 9.954 का वो ऐतिहासिक स्कोर, जो आज भी है एक मिसाल (Lara Dutta Birthday 2026) साल 2000 में जब लारा दत्ता ने मिस यूनिवर्स का ताज अपने सिर पर सजाया, तो उन्होंने स्कोरिंग के मामले में एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया जो साल 2026 तक अटूट है। फाइनल राउंड के दौरान लारा ने 9.954 का स्कोर हासिल किया था, जो मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के इतिहास में अब तक का सर्वोच्च (Highest) स्कोर है। इतना ही नहीं, उन्होंने स्विमसूट राउंड में भी 9.99 का लगभग परफेक्ट स्कोर प्राप्त कर सबको हैरान कर दिया था। ये आंकड़े गवाह हैं कि लारा ने उस साल केवल प्रतियोगिता जीती नहीं थी, बल्कि उसे पूरी तरह से डॉमिनेट किया था।

विवादित सवाल और वो जवाब जिसने बनाया विश्व सुंदरी

जिस वर्ष लारा दत्ता प्रतियोगिता में शामिल हुई थीं, उस समय साइप्रस में मिस यूनिवर्स पेजेंट के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शन हो रहे थे। प्रदर्शनकारियों का मानना था कि ये प्रतियोगिताएं महिलाओं के प्रति अपमानजनक हैं। फाइनल राउंड में लारा से इसी पर सवाल पूछा गया कि वे विरोधियों को कैसे समझाएंगी कि वे गलत हैं?

लारा ने बड़ी ही बेबाकी और शालीनता से जवाब दिया, यह मंच महिलाओं को व्यवसाय, राजनीति और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी राय रखने और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। यह हमें सशक्त, मजबूत और स्वतंत्र बनाता है। उनके इस तार्किक उत्तर ने जजों का दिल जीत लिया और वे सुष्मिता सेन के बाद मिस यूनिवर्स बनने वाली दूसरी भारतीय बनीं।

मॉडलिंग से लेकर बॉलीवुड तक का सफर

बेंगलुरु से पढ़ाई पूरी करने के बाद लारा ने मुंबई का रुख किया और मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। ग्लैड्रेक्स प्रतियोगिता जीतने के बाद उनका हौसला बढ़ा और फिर उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। मिस यूनिवर्स बनने के बाद साल 2003 में उन्होंने फिल्म अंदाज से बॉलीवुड में शानदार डेब्यू किया, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला। अपने जन्मदिन के मौके पर लारा न केवल एक सफल अभिनेत्री बल्कि एक सशक्त महिला के रूप में नई पीढ़ी की प्रेरणा बनी हुई हैं।

सोना और चांदी का आयात करने के लिए 17 बैंकों की लिस्ट जारी, लिस्ट में शामिल दो बैंकों को चांदी के आयात की अनुमति नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के 15 बैंकों को 31 मार्च 2029 तक अंतरराष्ट्रीय बाजार से सोना और चांदी का आयात करने की अनुमति दी है। इन 15 बैंकों के अलावा दो बैंकों को सिर्फ सोना का आयात करने की अनुमति दी गई है। वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक पब्लिक नोटिस के जरिए सोना और चांदी का आयात करने के लिए अनुमति प्राप्त कुल 17 बैंकों की अपडेट लिस्ट जारी कर दी है। डीजीएफटी की इस अपडेटेड लिस्ट में शामिल 17 बैंकों में से 15 बैंकों को सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं का आयात करने की अनुमति दी गई है, जबकि दो बैंक सिर्फ अंतरराष्ट्रीय बाजार से सिर्फ सोने का ही आयात कर सकते हैं। इन्हें चांदी का आयात करने की अनुमति नहीं दी गई है। इस अपडेटेड लिस्ट के अनुसार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, एक्सिस बैंक लिमिटेड, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, यस बैंक लिमिटेड, इंडसइंड बैंक लिमिटेड, डॉयचे बैंक, फेडरल बैंक लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक, करूर वैश्य बैंक लिमिटेड, आरबीएल बैंक लिमिटेड और इंडस्ट्रियल एंड कॉमर्शियल बैंक ऑफ चाइना लिमिटेड को अंतरराष्ट्रीय बाजार से सोना और चांदी दोनों धातुओं का आयात करने की अनुमति दी गई है। इसके अलावा यूनियन बैंक आफ इंडिया और एसबीईआर बैंक को अंतरराष्ट्रीय बाजार से सिर्फ सोना का आयात करने की अनुमति दी गई है। ये दोनों बैंक चांदी का आयात नहीं कर सकते हैं। आपको बता दें कि भारत को सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं की अपनी जरूरत को पूरा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर करना पड़ता है। इन दोनों चमकीली धातुओं के आयात को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार देश में काम कर रहे व्यवसायिक बैंकों को अधिकृत करती है। केंद्र सरकार द्वारा अधिकृत होने वाले बैंकों के जरिए ही ज्वेलरी इंडस्ट्री और बुलियन मार्केट के लिए सोना और चांदी का आयात किया जा सकता है। सोना चांदी का आयात करने के लिए अधिकृत बैंकों की सूची जारी हो जाने के बाद ज्वेलरी इंडस्ट्री और बुलियन मार्केट को काफी सुविधा होती है, क्योंकि ऐसा हो जाने से उनके लिए डायरेक्ट इंपोर्ट चैनल तय हो जाता है और किसी भी बिचौलिए की भूमिका नहीं रह जाती है।

अक्षय तृतीया के पहले सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

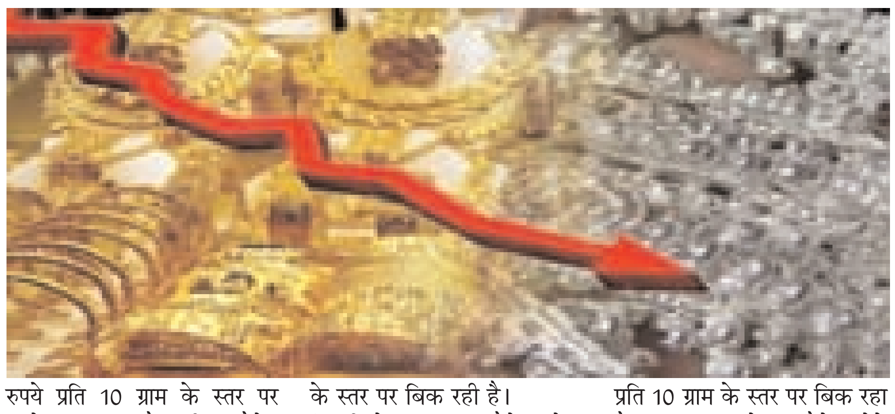

नई दिल्ली। अक्षय तृतीय के पहले घरेलू सराफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। आज सोना 1,270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,390 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। हालांकि अंतरारष्ट्रीय बाजार में आज फिजिकल गोल्ड 0.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,833.56 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह चांदी भी आज 79.28 डॉलर प्रति औंस की कीमत पर बिक रहा है।

घरेलू सराफा बाजार में कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में आई कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सराफा बाजार में 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,340 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी 24 अप्रैल को पेश करेंगे विश्वास मत

निरंकार भास्कर। बिहार के वर्तमान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में गठित एनडीए की नई सरकार 24 अप्रैल को बिहार विधानसभा में अपनी सरकार विश्वास मत पेश करेंगे इसको लेकर शनिवार को अधिसूचना जारी कर दी गई है बिहार विधानसभा सचिवालय ने विधानसभा के के सभी सदस्यों को 24 अप्रैल को सुबह 11:00 बजे सदन में उपस्थित होने के लिए अनुरोध किया है इस संबंध में विधानसभा के निदेशक राजीव कुमार ने शनिवार को एक पत्र जारी किया है यह विशेष सत्र एक दिन का है बताते चले की एनडीए के पास सदन में भारी बहुमत है ऐसे में बहुमत परिक्षण का कोई सकट नहीं आयेगा। और सम्राट चौधरी आसानी से सदन में अपना विश्वास कर देंगे। जहां तक सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को कैबिनेट का विस्तार अभी तक नहीं हुआ है। नीतीश कुमार के इस्तीफा के बाद 15 अप्रैल को नई सरकार का शपथ ग्रहण हुआ था। जिसमें भाजपा से सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बने और जदयू से दो वरीय नेता विजय चौधरी तथा विजेंद्र चौधरी उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। माना जा रहा है कि सदन में विश्वास मत पेश करने के बाद ही सम्राट मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। मंत्रिमंडल का विस्तार अगले महीने होने की संभावना है। कयास लगाया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने के बाद बिहार में नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण होगा। तब तक सरकार मुख्यमंत्री और दोनों डिप्टी सीएम मिलकर ही चलाएंगे। जहां बिहार विधानसभा 243 सदस्यों वाली सदन में सत्ताधारी पार्टी के पास 202 की संख्या है भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफा के बाद एनडीए के पास वर्तमान में 201 विधायक है जिसमें भाजपा के 88 और जदयू के 85 तथा लोजपा राम विलास के 19, हंक पांच,रालोपो के 4 विधायक है जबकि सरकार बनाने के लिए 122 विधायकों का समर्थन चाहिए वहीं विपक्षी दलों के पास यानी महागठबंधन के 35 विधायक हैं जिसमें पिछले महीने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के तीन विधायकों ने वोटिंग से दूरी बनाई थी उसके बाद महागठबंधन में भी टूट की चर्चा होने लगी थी। बताते चले कि संविधान के अनुच्छेद 163, 164 तथा 175 के तहत नई सरकार के गठन के बाद राज्यपाल बहुमत साबित करने के लिए विधानसभा सत्र बुलाने का निर्देश देते हैं। और नई सरकार को सदन में अपना विश्वास मत स्थापित करना होता है। मुख्यमंत्री खुद सदन में विश्वास मत का प्रस्ताव पेश करते हैं। और फिर सदन में इस पर चर्चा होती है। ध्वनि मटिया वोटिंग से इस प्रस्ताव को पारित या खारिज करने का फैसला होता है।

एक नजर

ऑनलाइन के दौर में भी स्थानीय फर्नीचर पर भरोसा बरकरार, कारीगरों ने बताई गुणवत्ता की अहमियत

नवप्रदेश/डेहरी। तार बंगला स्थित सूरज फर्नीचर, ललन सिंह गदर के दुकान में कार्यरत वरिष्ठ कारीगर रामनाथ शर्मा और सुमित शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन बाजार के बढ़ते प्रभाव के बावजूद स्थानीय फर्नीचर दुकानों की अपनी विश्वसनीयता आज भी कायम है। हालांकि ऑनलाइन खरीदारी के कारण फर्नीचर दुकानों में कुछ मंदी जरूर देखी जा रही है, लेकिन गुणवत्ता और भरोसे के मामले में ग्राहक अब भी पारंपरिक दुकानों को प्राथमिकता दे रहे हैं। करीब 15 वर्षों से सूरज फर्नीचर में कार्यरत कारीगर रामनाथ शर्मा ने बताया कि दुकान पर तैयार होने वाले पलंग, सोफा, दीवान और ड्रेसिंग टेबल में लकड़ी की पूरी गारंटी दी जाती है। ग्राहक अपनी पसंद की लकड़ी स्वयं चुन सकते हैं, जिससे उन्हें उत्पाद की गुणवत्ता को लेकर पूरी संतुष्टि मिलती है। उन्होंने यह भी बताया कि फर्नीचर तैयार करने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होती है। पेंटिंग से पहले ग्राहकों को फोन कर लकड़ी दिखाई जाती है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसी लकड़ी का उपयोग हो रहा है, जिसे ग्राहक ने चुना था। इस प्रक्रिया से ग्राहकों का विश्वास और भी मजबूत होता है। कारीगरों का कहना है कि ऑनलाइन फर्नीचर में अक्सर लकड़ी की गुणवत्ता को लेकर संदेह बना रहता है, जबकि स्थानीय दुकानों में ग्राहक के सामने पूरी प्रक्रिया होती है। यही कारण है कि आज भी कई लोग भरोसे और टिकाऊपन के लिए स्थानीय फर्नीचर को ही प्राथमिकता देते हैं।

प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि सुनील कुमार साह को लगा मातृ शोक

नवप्रदेश/प्रतिनिधि/सूर्यपुरा। बताते चले की सूर्यपूरा प्रखंड प्रमुख मीना देवी की सासू मां एवं सुनील कुमार शाह की माता 76 वर्षीय धनवातो देवी की शनिवार की दोपहर में वाराणसी के एक अस्पताल में मृत्यु हो गई. प्रमुख पति ने बताया कि उनकी माता जी का तबीयत कुछ दिनों से स्वस्थ हो गया था जिनका इलाज वाराणसी के एक अस्पताल में चल रहा था जिनका शनिवार को हृदय गति रुकने से मौत हो गई जिससे स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है.शोक व्यक्त करने वालों में बीडीओ तेज बहादुर सुमन, बी ई ओ मनोज कुमार,सामाजिक कार्यकर्ता सुदामा पांडे, पैक्स अध्यक्ष रामप्रसाद सिंह,सरपंच शिवयश भगत ,मुखिया प्रमोद कुमार चंद्रवंशी, बीडीसी विनोद राम ,मुखिया पिंटू सिंह ,मनोज कुमार वर्मा, मंटू किराना, विकास कुशवाहा, राहुल त्रिपाठी के साथ ही कई लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है.

देशभर में 16 पदों में चयन, बिहार से अकेले विवेक रंजन का ECIL में चयन, क्षेत्र में गौरव का माहौल

नवप्रदेश/सूर्यपुरा। सूर्यपुरा प्रखंड मुख्यालय के छोटका पोखरा मोहल्ला निवासी छोटे किसान अविनाश कुमार के पुत्र विवेक रंजन ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर बड़ी सफलता हासिल की है। उनका चयन राष्ट्रीय स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में हुआ है। जो कि परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत कार्यरत एक प्रतिष्ठित केंद्रीय उपक्रम है। खास बात यह है कि देशभर में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के सृजन कुल 16 पदों पर हुए चयन में बिहार से मात्र एक स्थान विवेक रंजन ने हासिल कर राज्य और जिले का नाम रोशन किया है। विवेक रंजन की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। ग्रामीणों, परिजनों और शुभचिंतकों द्वारा उन्हें लगातार बधाई दी जा रही है। लोगों का कहना है कि विवेक की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। आगामी 04 मई से विवेक रंजन हैदराबाद में एक वर्ष का प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) अवधि में कार्यरत रहेंगे। इस दौरान उन्हें तकनीकी एवं प्रशासनिक कार्यों का व्यावहारिक अनुभव दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद उन्हें अधिकारी (ऑफिसर) के पद पर नियुक्त किया जाएगा, जो उनके करियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। विवेक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, मौसी उषा देवी, बड़े भाई सहित पूरे परिवार को दिया है। उन्होंने विशेष रूप से अपने मामा नटवार बाजार निवासी संतोष गुरुजी का आभार व्यक्त किया, जिनका उनके जीवन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

विपक्षी दलों द्वारा संसद में विरोध कर महिला बिल रोक देना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं जनविरोधी कदम : अर्चना आनंद

नवप्रदेश प्रतिनिधि सहरसा। राष्ट्रीय लोक मोर्चा जिला संयोजक अर्चना आनन्द ने अपनी पार्टी द्वारा चलाए जा रहे संवैधानिक अधिकार परिसीमन सुधार अभियान को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही विपक्षी दलों द्वारा संसद में विरोध कर रोक देना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं जनविरोधी कदम बताया है।श्री मति आनंद ने कहा यदि यह महत्वपूर्ण विधेयक कानून का रूप लेता, तो बिहार के साथ-साथ भारत में भी लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्रों के बेहतर संतुलन और प्रतिनिधित्व का मार्ग प्रशस्त होता। विशेष रूप से बिहार में लोकसभा क्षेत्रों की संख्या 40 से बढ़कर 60 तथा विधानसभा क्षेत्रों की संख्या 243 से बढ़कर 365 हो जाती, जिससे राज्य के लोगों को सशक्त प्रतिनिधित्व मिलता। यह संघर्ष केवल संख्या बढ़ाने का नहीं, बल्कि बिहार और भारत के संवैधानिक अधिकारों, समान राजनीतिक भागीदारी और संतुलित विकास की लड़ाई है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा हमेशा से इन मुद्दों को मजबूती से उठाता रहा है।उन्होने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा सहित एनडीए के सभी सम्मानित नेताओं का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने इस विषय को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से उठाया।साथ ही, मैं विपक्षी दलों के इस राज्य विरोधी एवं महिला विरोधी रवैये की घोर निंदा करती हूं। यह कदम बिहार और देश की जनता के अधिकारों के साथ सीधा अन्याय है, जिसे जनता कभी माफ नहीं करेगी। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व में पार्टी निरंतर बिहार और भारत के हक, सम्मान और मजबूत लोकतंत्र के लिए संघर्षरत है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में यह अभियान जन-जन तक पहुंचा और लोगों में व्यापक जागरूकता आई। बिहार और देश की जागरूक जनता आने वाले समय में ऐसे जनविरोधी निर्णय लेने वाले दलों को करारा जवाब देगी।

डबल मर्डर से से थरार्या शेखपुरा

नवप्रदेश/शेखपुरा जिला में डबल मर्डर होने से पूरा क्षेत्र दहल गया है। सिरारी थाना क्षेत्र के अकौना गांव में थ्रेसर हटाने के मामुली विवाद में चचेरे भाइयों में खूनी संघर्ष हो गया। दोनों पक्षों के बीच अंधाधुन गोलियां चली। जिसमें एक बुजुर्ग समेत दो लोगों की मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। इस पूरे मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है बताते चले की अकौना गांव के राजेश कुमार और प्रिंस राज के बीच थेरसर हटाने को लेकर कहां सुनी हुई। दोनों वापस में चचेरे भाई हैं। मामला इतना बढ़ गया की दोनों के बीच जमकर मारपीट हुई और देखते ही देखते दोनों के बीच गोलीबारी होने लगी। इसी बिच झगड़ा छुड़ाने के 65 वर्षीय पुना यादव के सर में गोली लग गई, जिससे घटनास्थल पर उनकी मौत हो गई। शुक्रवार की रात्रि संतोष कुमार ने अपने रिवाल्वर से गोली चलाई थी। इसके बाद दूसरे पक्ष की ओर से भी जवाबी फायरिंग की गई। इस गोलीबारी में संतोष कुमार जहां गंभीर रूप से घायल हो गए उन्हें आनन फानन में सदर अस्पताल शेखपुरा लाया गया था। जहां चिकित्साको ने बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। हालांकि इलाज के दौरान शनिवार की सुबह उनकी मौत हो गई इस दोहरे हत्याकांड के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। स्थिति को गंभीर देखते हुए पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। धटना कि सूचना मिलने पर पुलिस कप्तान बलिराम कुमार चौधरी के निर्देश पर एएसपी डॉ राकेश कुमार के नेतृत्व में ताबड़तोड़ छापामारी की गई जिसमें दोनों पक्षों में से चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है इस संबंध में एसपी बलिराम कुमार ने बताया है कि थ्रेसर हटाने के विवाद में दो चचेरे भाइयों के बीच गोलीबारी की घटना हुई है। जिसमें एक बुजुर्ग सहित दो लोगों की मौत हुई है पूरे मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम कि बारीकी से जांच में जुट गई है

मसौढ़ी (पटना) का ऐतिहासिक मणिचक धाम: आस्था, इतिहास और रहस्य की अनोखी कहानी

नवप्रदेश/मसौढ़ी। पटना जिले के मसौढ़ी नगर मुख्यालय से सटे मणिचक स्थित श्री विष्णु सूर्य मंदिर मणिचक धाम क्षेत्र का एक प्रमुख धार्मिक और आस्था का केंद्र बन चुका है। यह मंदिर न केवल अपनी धार्मिक महत्ता के लिए जाना जाता है, बल्कि इसकी उत्पत्ति की कहानी भी रहस्यमय और चमत्कारिक मानी जाती है।

मंदिर के इतिहास के अनुसार, वर्ष 1949 ई. में मणिचक निवासी रामखेलावन गोप के खेत में जुताई के दौरान एक अद्भुत घटना घटी। खेत की जुताई करते समय जमीन के भीतर से भगवान विष्णु की एक अखंड (अभंग) प्रतिमा निकली। इस अप्रत्याशित घटना ने पूरे इलाके को आश्चर्यचकित कर दिया और देखते ही देखते यह प्रतिमा लोगों की गहरी आस्था का केंद्र बन गई। प्रारंभिक दिनों में इस दिव्य प्रतिमा को गांव के ही मुखलाल गोप के दालान पर स्थापित कर पूजा-अर्चना शुरू की गई। धीरे-धीरे इस स्थान की ख्याति बढ़ने लगी और दूर-दूर से श्रद्धालु यहां पहुंचने लगे। बाद में स्थानीय ग्रामीणों और प्रथम महंथ प्रयाग राउत के प्रयासों से मंदिर निर्माण की दिशा में कार्य शुरू हुआ।

मंदिर निर्माण की कहानी भी आस्था और विश्वास से जुड़ी है। बताया जाता है कि एक निःसंतान संपन्न किसान विश्राम सिंह ने पुत्र प्राप्ति की मनोकामना पूरी होने के बाद मंदिर परिसर में सूर्य कुंड के निर्माण हेतु लगभग पांच बीघा भूमि दान में दी। इसके बाद यहां भव्य सूर्य मंदिर और कुंड का निर्माण हुआ, जो आज भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र है।

समय के साथ यह स्थल मणिचक धाम के नाम से प्रसिद्ध हो गया। यहां लोकआस्था का महापर्व छठ पूजा अत्यंत धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालु सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित करने के लिए यहां एकत्रित होते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर में पूजा करने से संतान सुख, मनोकामना पूर्ति और जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। यही वजह है कि यह स्थल आज न केवल मसौढ़ी बल्कि पूरे पटना जिले का एक प्रमुख आस्था केंद्र बन गया है।

मंदिर के संचालन और विकास में श्री विष्णु सूर्य मंदिर मणिचक धाम कमेटी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कमेटी के अध्यक्ष सुनील कुमार, सचिव नवल भारती, कोषाध्यक्ष रामदेव चौधरी सहित भीष्म प्रसाद, रंजन कुमार, सोनू कुमार, धर्मवीर कुमार तथा मणिचक ग्रामवासियों और मसौढ़ी के युवा समाजसेवियों का योगदान सराहनीय रहा है। ये सभी मिलकर मंदिर में होने वाले पूजा-पाठ, शादी-विवाह समारोह और विशेष रूप से रविवार की पूजा-अर्चना तथा छठ महापर्व के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

निष्कर्षः

मणिचक का श्री विष्णु सूर्य मंदिर 1949 में जमीन से प्रकट हुई भगवान विष्णु की प्रतिमा से शुरू होकर आज एक विशाल धार्मिक धाम के रूप में स्थापित हो चुका है। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, लोकआस्था और परंपराओं से जुड़ी मान्यताएं इसे विशेष पहचान देती हैं। आने वाले समय में यह धाम धार्मिक पर्यटन के रूप में भी नई पहचान बना सकता है।

श्री लक्ष्मी नारायण सह हनुमत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के शोभायात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

धनगांवा में आयोजित सात दिवसीय महायज्ञ में जीयर स्वामी समेत कई महान संतों का होगा प्रवचन

नवप्रदेश/तरारी। प्रखंड के धनगांवा गांव में शनिवार को श्री लक्ष्मी नारायण सह हनुमत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के शोभायात्रा में हाथी, घोड़े ,बैन्ड बाजों के साथ श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ पड़ी। महिला पुरुष बच्चे श्रद्धालु गण यज्ञ मंडप से कलश लेकर पैदल चलकर जल का आहरण करने के लिए देव बनास नदी के तट पर पहुंचे। इस दौरान श्रद्धालुओं के नारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। हाथी, घोड़े ,ऊंट के साथ श्रद्धालुओं की कलश यात्रा की मनोरंजन दृश्य को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे हुए थे। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश में जल भरकर पुनः यज्ञ मंडप में कलश स्थापित किया गया। तरारी थाना पुलिस भी शोभायात्रा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने के लिए श्रद्धालुओं के साथ ताल में ताल बैठा कर चल रही थी। बक्सर से पधारे पंडित हरि नारायणाचार्य जी के सानिध्य में आयोजित सात दिवसीय महायज्ञ में धनगांवा के अलावे अगल-बगल के गांवों से भी श्रद्धालुओं ने भक्ति के वातावरण में अपनी सहभागिता जतायी। पंडित मधुसुदनाचार्य विश्वकसेनाचार्य कमलनयनाचार्य ने यज्ञ मंडप में कलश स्थापना के साथ ही पंचांगपूजन, मंडपप्रवेश आदि धार्मिक कार्यों का विधि विधान से कार्यक्रम किया। यज्ञ समिति के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत पांडे, कोषाध्यक्ष डब्लू सिंह, उपाध्यक्ष मुरारी सिंह, अभिराम सिंह, आदित्य मुनी सिंह, बाल्मीकी सिंह, विनय सिंह, चंदन सिंह, मनोज सिंह समेत गांव के ग्रामीणों के द्वारा यज्ञ को सफल बनाने के लिए भरपूर प्रयास किया जा रहा है। जलभरी के साथ शुरू हुआ यह महायज्ञ 24 अप्रैल को पूणार्हुति के साथ समाप्त हो जाएगी। लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी महाराज के अलावे कई साधु संतों और महात्माओं के प्रवचन से श्रद्धालुगण उनके धार्मिक आशीर्वचनों के ज्ञान की गंगा में ओतप्रोत होंगे। सात दिनों तक चलने वाले महायज्ञ के धार्मिक अनुष्ठान में प्रत्येक दिन साधु संतों का प्रवचन के अलावे रात्रि में वृंदावन के रामलीला का भी श्रद्धालूगण आनंद उठाएंगे। महायज्ञ का अनुष्ठान कराने वाले मधुसूदनाचार्य जी ने बताया कि महायज्ञ के आयोजन से क्षेत्र में शांति और आपसी भाईचारे का बीज अंकुरित होता है । साथ ही वातावरण भी शुद्ध होता है। धार्मिक प्रवचनों के ज्ञान से लोगों के मन में शांति और दूषित भावना का नाश होता है। ग्रामीणों के सहयोग से भव्य हनुमान मंदिर का निर्माण किया गया है। इस मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के लिए यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

गैस एजेंसियों के गोदामों की फिजिकल चेकिंग करें एमओ : अपर समाहर्ता

नवप्रदेश/बेतिया।अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री अनिल कुमार सिन्हा ने कहा है कि शादी समारोहों वाले जरूरतमंद परिवारों को समय पर एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि उत्सव के दौरान उन्हें किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि जिन घरों में विवाह कार्यक्रम निर्धारित है, उन्हें अब संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को एक आवेदन देना होगा। इस आवेदन के साथ शादी का निमंत्रण पत्र (कार्ड) संलग्न करना अनिवार्य किया गया है। साथ ही, आवेदकों को अपने समारोह में आने वाले अतिथियों की संभावित संख्या और आवश्यक गैस सिलेंडरों की डिमांड का स्पष्ट उल्लेख करना होगा। उन्होंने बताया कि शादी समारोहों में बड़े पैमाने पर होने वाले गैस के उपयोग को व्यवस्थित करने के लिए अब खाना बनाने वाले रसोइयों और कैटरर्स को भी दायरे में लाया गया है। अपर समाहर्ता ने निर्देश दिया है कि सभी कैटरर्स को वाणिज्यिक (कमर्शियल) गैस के उपयोग के लिए अनिवार्य रूप से निबंधन कराना होगा। इसके लिए संबंधित तेल कंपनियों को निर्देशित किया गया है कि वे आवेदन प्राप्त होने के 5 से 7 दिनों के भीतर पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करें। प्रशासन ने कड़ी चेतावनी दी है कि विवाह कार्य के लिए आवंटित गैस का दुरुपयोग पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि गैस वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया है। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अब गैस वितरक एजेंसियों के गोदामों में जाकर उपलब्ध स्टॉक का भौतिक सत्यापन करेंगे। यदि ऑनलाइन सिस्टम में दिखाए गए स्टॉक और गोदाम में मौजूद सिलेंडरों की संख्या में कोई विसंगति पाई जाती है, तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिले में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। जिले में अभी 14.2 किलोग्राम वाले 25,592 घरेलू सिलेंडर और 19 किलोग्राम वाले 925 वाणिज्यिक सिलेंडर मौजूद हैं। पिछले 24 घंटों के भीतर ही प्रशासन ने 13,244 सिलेंडरों की होम डिलीवरी सुनिश्चित की है। इसके अतिरिक्त, गैस आपूर्ति से जुड़ी 26 शिकायतों का त्वरित संज्ञान लेते हुए उन्हें समाधान के लिए संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को भेज दिया गया है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए जिला प्रशासन ने कंट्रोल रूम नंबर भी जारी किए हैं। यदि किसी व्यक्ति को गैस बुकिंग, डिलीवरी या अन्य किसी प्रकार की समस्या आती है, तो वे सीधे 06254-247002 एवं 06254-247003 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि वे आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

दावथ प्रखंड अंतर्गत इटवा पंचायत के मध्य विद्यालय बहुआरा में वर्षो से नियमित सेवा में लगी रसोईया

नवप्रदेश/दावथ। कमला देवी के सेवानिवृत के अवसर पर विद्यालय परिवार ने सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया.वहीं सेवानिवृत रसोईया को अंग वस्त्र भेंट किया वही इस मौके पर तिथि भोज का आयोजन भी किया गया. विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय कुमार राम ने बताया कि उक्त विद्यालय में वर्षों से कार्यरत नियमित रसोईया कमला देवी के सेवानिवृत के अवसर पर विद्यालय परिवार के द्वारा रसोईया को अंग वस्त्र एवं अन्य रोजमर्रा की सामग्री भेंट स्वरूप दिया गया. प्रधानाध्यापक ने बताया कि सेवानिवृत रसोईया कमला देवी बहुत ही मृदुभाषी एवं व्यवहार कुशल महिला हैं .जिनका सेवा काल बहुत ही सराहनीय रहा है. इस अवसर पर आयोजित तिथि भोज में शामिल सभी अतिथियों एवं बच्चों ने विभिन्न

संदिग्ध मौत पर लोजपा रामविलास का शिष्ट मंडल परिजन से मिला

आरा भोजपुर। पवना थाना अंतर्गत पवार गांव में विगत दिन शिव लखन पासवान पिता श्री सुरीठ पासवान का शव संदिग्ध अवस्था में पेड़ से लटकी हुई पाई गई थी। मृतक की पत्नी विजयंती देवी का कहना है हम लोग 16 अप्रैल को 11 बजे दिन में फसल काट रहे थे तब एक आदमी का फोन आया और वे बोल की एक आदमी हमे बुला रहे है मैं थोड़ी देर में वापस आता हु लेकिन वे देर रात तक नहीं आए ।सुबह होते ही पता चला कि उनके पति का शव किसी पेड़ से लटका हुआ है ।आगे उनकी पत्नी ने लोजपा रामविलास जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान से बताई कि मेरे पति का घर में कोई विवाद नहीं था वे आत्मा हत्या नहीं कर सकते है उनकी हत्या करके शव को पेड़ से लटकाया गया है ।मेरे पति की हत्या हुई ,उनकी जांच होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए ।जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान ने कहा कि मृतक शिवलखन पासवान का छोटे छोटे बच्चे है और वृद्ध माता पिता है। मृतक ही मजदूरी करके परिवार का भरन पोषण करते थे। ग्रामीणों एवं परिजनों के बयान से शिवलखन पासवान का आत्म हत्या नहीं, हत्या कर पेड़ से लटका कर आत्म हत्या का केश बनाया गया है ।श्री राजेश्वर पासवान ने स्थानीय संबंधित पुलिस पदाधिकारी से दूरभाष पर बात कर घटना की विस्तृत जानकारी ली तथा उन्होंने कहा कि मृत्यु की न्यायिक जांच हो अगर किसी ने हत्या की हो तो वह व्यक्ति किसी हाल में बचना नहीं चाहिए वह सलाखों के भीतर होना चाहिए। संबंधित पदाधिकारी ने कहा कि शव का पोस्टमेटर्न रिपोर्ट एवं फोरेंसिक जांच रिपोर्ट आने पर घटना की सही जानकारी मिल जाएगी ।घटना की न्यायिक जांच हो रही है तथा दोषी पाए जाने पर कोई भी हो बक्शा नहीं जायेगा। श्री पासवान ने मृतक के परिजनों को आशवस्त कार्य कि इस दुख की घड़ी में हम सभी आपके साथ है आपको हर संभव सरकार द्वारा मदद की जाएगी और आपके साथ न्याय होगा ।लोजपा रामविलास भोजपुर का शिष्टमंडल में मृतक के परिजनों से मिलने वालों में जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान के साथ पार्टी के सुरेंद्र आजाद प्रदेश सचिव,श्री विजय सिंह मुखिया प्रदेश कार्य समिति सदस्य,प्रमोद कुमार पासवान जिला अध्यक्ष लेबर सेल,ललन यादव जिला उपाध्यक्ष,विनोद कुमार जिला उपाध्यक्ष,दिनेश पासवान सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता शिविर का आयोजन

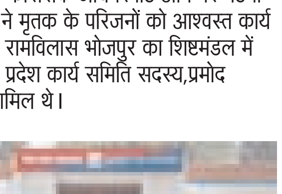

सासाराम (रोहतास)। बाल स्वास्थ्य नर्सिंग विभाग द्वारा विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर ?स्वच्छ मुख, खुशहाल जीवन विषय पर जिला कारागार, सासाराम में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नारायण नर्सिंग कॉलेज की डीन सह प्राचार्या प्रो. डॉ. के. लता तथा उप-प्राचार्या प्रो. डॉ. शवेता शर्मा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मौखिक स्वच्छता तथा दांतों के स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। सत्र में सही तरीके से ब्रश करने की विधि का प्रदर्शन, दांतों के लिए लाभदायक एवं हानिकारक खाद्य पदार्थों के बारे में जागरूकता तथा सामान्य दंत समस्याओं की रोकथाम के उपाय बताए गए। इस कार्यक्रम में बी.एससी. नर्सिंग छठे सेमेस्टर तथा एम.एससी. नर्सिंग प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की। उन्होंने कारागार के बंदियों के साथ संवाद किया, पम्फलेट वितरित किए तथा मुंह के स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलायी। इस कार्यक्रम की समन्वयक सुश्री शशिका त्रिपाठी, एम एस सी नर्सिंग टयूटर बाल स्वास्थ्य नर्सिंग विभाग थी जिनकी देखरेख में यह आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

एक नजर

शादी से पहले दुल्हन का अश्लील फोटो वायरल

नवप्रदेश/मुजफ्फरपुर। ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के अमर कुमार और उसके सहयोगियों पर डिजिटल और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का एक मामला एक युवती जरा दर्ज कराया गया है पीड़िता का कहना है उसकी सगाई हो चुकी है और 20 अप्रैल को उसकी शादी है आरोपियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर उसके नाम से फर्जी आईडी बनाकर फिर उसके जरिए युवती की अश्लील फोटो उसके रिश्तेदारों और परिचितों के पास भेजें जा रहे हैं जिससे उसकी शादी टूटने की संभावना है पीड़िता का यह भी आरोप है जब वह नौकरी करती थी तब अमर कुमार और उसके सहयोगियों ने उसका अपहरण कर लिया व उसे एक होटल के कमरे में लेकर गए थे। और वहां उसे बेल्ट तथा लात घुसे से पिटे थे। तथा आरोपियों ने उसके कपड़े फाड़ दिए और मोबाइल से उसकी अश्लील फोटो खींच ली। जब पिडिता कि सगाई हुई तो शादी से कुछ दिन पूर्व आरोपी उसे प्रताड़ित करने लगे और अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने लगे। तथा फोटो के जरिये उसे ब्लैकमेलिंग कर रहे थे। शादी तय होने पर 7लाख रुपए की रंगदारी की मांग की जा रही थी। पैसे नहीं देने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई थी थी स्थानीय पुलिस पूरे मामले की प्राथमिक की दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दी है एक और शादी से ठीक पहले दुल्हन का अश्लील फोटो वायरल होने का मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है

जिला के तीन थाना क्षेत्र से तीन किशोरियों का हुआ अपहरण पर प्राथमिकी दर्ज

नवप्रदेश/बेतिया। किशोरियों काअपहरण का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है,नित्यदिन इस तरह की खबरें सुनने को मिल रही है, मगर पुलिस प्रशासन है कि मुक्दर्शक बना रहता है। संवाददाता को विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिले केअलगअलग थाना क्षेत्र से तीन किशोरियों काअपहरण हो गया,जिसपर संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है,साथ ही साठी थाना क्षेत्र के गांव से 14 वर्ष की किशोरी का अपहरण कर लिया गया, पीड़ित लड़की के पिता ने साठी थाना क्षेत्र में काला बरवा निवासी,लड्डू उर्फ आसिफआलम के विरुद्ध केस दर्ज कराया है,लड्डू पर बेटी को भगा कर ले जाने काआरोप लगाया है। इधर दूसरी घटना में नौतन के एक गांव से 14 वर्ष की किशोरी का अपहरण के मामला भी सामने आया है,पीड़िता की मां ने छोटी कुमारी,लालमुनि देवी पर किशोरी केअपहरण की शाजिश रचने काआरोप लगाया है,इसके साथ ही सिरिसिया थाना क्षेत्र के एक गांव से16 वर्षीय किशोरी का भीअपहरण का मामला सामनेआया है ।पीड़िता की मां ने कमलेश कुमार,पलक साह,शारदा देवी,प्रमोद शाह प्रभावती देवी,गोदावरी देवी को प्राथमिकिअभियुक्त बनाया है।

10.6 किलोग्राम गांजा साहित स्कूटी पकड़ाया,4 लाख मूल्य आंका गया

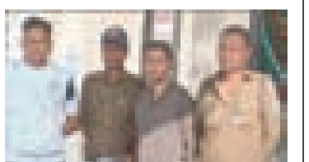

नवप्रदेश/बेतिया। भंगहा थाना की पुलिस ने स्कूटी में छिपाकर रखी गई 10 .630 किलोग्राम गांजा समेत1तस्कर को गिरफ्तार किया ।गंजा जब्ती की कार्रवाई रात्रि के समय बताई गई है ।थानाअध्यक्ष,रोशन कुमार ने संवाददाता को बताया कि गुप्त सूचना पर देर रात्रि में इस पर कार्रवाई करके सफलता मिली है। हाईवे सड़क पर एक युवक स्कूटी से आता दिखाई दिया हालांकि पुलिस टीम को देखते ही वह स्कूटी छोड़कर भागने लगा,किंतु पुलिस बल ने उसे खदेड़ कर पकड़ लिया स्कूटी की तलाशी के दौरान वाटरप्रूफ पैकेट से गांजा बरामद किया गया। गिरफ्तार तस्कर गोपालपुर थाना के डुमरा गांव निवासी,अनिल कुमार यादव बताया गया है। जबत गांजा काअंतरराष्ट्रीय कीमत 4.25 लाख बताई गई है। थानाअध्यक्ष ने संवाददाता को बताया कि तस्कर को जेल भेज दिया गया है।

सूर्यपुरा थाना सनहा संख्या-481/26 दि0-12.03.2026 में गुम हुए मोबाइल को बरामद कर वास्तविक धारक को सुपुर्द किया गया

रुद्र महायज्ञ को निकाली गई भव्य शोभायात्रा

नवप्रदेश/पीरो। पीरो प्रखंड के सुखरौली में आयोजित रुद्र महायज्ञ को लेकर शनिवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर श्री बैद्यनाथ दास जी उर्फ त्यागी बाबा के निर्देशन में निकली शोभायात्रा यज्ञ मंडप से निकलकर लहराबाद के रास्ते बहरी महादेव धाम पहुंची जहां शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने पवित्र सरोवर से कलश में जल ग्रहण किया। शोभायात्रा वापसी में ओझवलिया, लहराबाद होते यज्ञ मंडप में पहुंच कर संपन्न हुई। शोभायात्रा में सुखरौली, मोतीडीह, पचरुखिया, इनरपतपुर सहित आसपास के अन्य गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु नर-नारी कलश लेकर शामिल हुए। इस दौरान भगवान शिव, हनुमान व श्रीकृष्ण के जयघोष से माहौल भक्तिमय बना रहा। यज्ञ आयोजन समिति के सदस्यों के अनुसार इस सात दिवसीय यज्ञ के दूसरे दिन रविवार को मंडप प्रवेश व अरणि मंथन, सोमवार व मंगलवार को हवन-पूजन, बुधवार को नित्य पूजन व न्यास हवन गुरुवार को श्री शिव, हनुमत व श्रीकृष्ण (गोवर्धन) की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा आदि अनुष्ठान संपन्न होंगे । तत्पश्चात शुक्रवार को विशाल भंडारा आयोजित कर साधु-संतों व आमजन के बीच प्रसाद वितरण होगा। यज्ञ के दौरान विभिन्न तीर्थ स्थलों से पधारे संतों द्वारा प्रतिदिन संध्या पहर प्रवचन व रामकथा का वाचन किया जाएगा। यज्ञ में शामिल होने के लिए आने वाले भक्तजनों के लिए आयोजन समिति की ओर से सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए गांव के युवकों की टोली पूरी तन्मयता से सक्रिय है। इस अनुष्ठान को लेकर स्थानीय लोगों खासकर युवाओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है।

विद्यालय से बाहर रहने वाले पाँच महादलित बच्चों का कराया गया नामांकन, जागरूकता अभियान लाया रंग

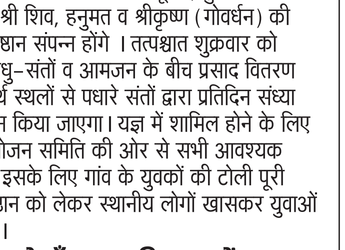

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। प्रखंड के घुसिया खुर्द पंचायत अन्तर्गत स्थित गोपालपुर में जहाँ महादलित परिवार के लोग निवास करते हैं। यह समुदाय समाज के मुख्यधारा से कटा हुआ है। अशिक्षित, अभिवंचित एवं आर्थिक, सामाजिक तथा शैक्षणिक स्तर से काफी पिछडा हुआ है। वहां प्रधानाध्यापक मो. शमशाद अली द्वारा विद्यालय चलो अभियान के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया। उनके लगातार प्रयास से शनिवार को मध्य विद्यालय घुसिया कलाँ में 4 बच्चों ने नामांकन कराया। जिसमें रोहित कुमार पिता बाला मुसहर, पवन कुमार पिता महेन्द्र राम, अर्जुन मुसहर पिता जितेन्द्र मुसहर, पवन कुमार पिता धर्मेन्द्र मुसहर शामिल है। प्रधानाध्यापक ने बताया कि इन सभी बच्चों का नामांकन वर्ग 06 में हुआ। नामांकन के समय सभी बच्चों एवं उनके पिता को शिक्षा के महत्व को बताया गया। मो. अली ने बताया कि शिक्षा वह हथियार है जिससे मानव के जीवन में विकास की ब्यार बहती है। इस अवसर पर टोला सेवक अनिल राम, शिक्षक सरोज कुमार शर्मा एवं नन्दलाल चौधरी भी मौजूद रहे।

बलिया पंचायत के करमैनी महादलित टोला में पीड़ित परिवार के बीच बांटी गई राहत सामग्री

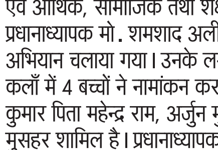

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के दिनारा प्रखंड अंतर्गत बलिया पंचायत के करमैनी महादलित टोला में पिछले दिनों हुई आग लगी की घटना से पीड़ित परिवारों के बीच शनिवार को राहत सामग्री का वितरण किया गया। पंचायत के मुखिया धर्मेंद्र कुमार के द्वारा सभी को रहने के लिए तिरपाल, खाने पीने के लिए आटा, चावल, आलू आदि तथा वस्त्र का वितरण कराया गया। समाजसेवी रिंकू सिंह, हिमांशु कुमार ने पीड़ित परिवार के लोगों के बीच वस्त्र का वितरण किये। आपको बता दें कि बुधवार की रात करमैनी महादलित टोला में अचानक आग लग गई। अग्निशमन दल और स्थानीय लोगों के प्रयास से किसी तरह से आग पर काबू पाया जा सका। इस बीच रबिन्द्र पासवान, भोला पासवान, पिंटू पासवान, अमीत पासवान, भगत पासवान, राज कुमार पासवान सहित 6 लोगों का घर जल गया। इसमें 6 परिवार के 25 लोग बेघर हो गए। ये न केवल बेघर हुए, बल्कि खाने पीने की सामग्री और वस्त्र भी नहीं रहे। मुखिया धर्मेंद्र कुमार तत्काल लोगों को रहने के लिए तिरपाल, खाने के लिए आलू, चावल, आटा आदि की व्यवस्था किये तथा अधिकारियों से शीघ्र राहत सामग्री देने की मांग की। शनिवार को समाजसेवी रिंकू सिंह, हिमांशु कुमार के द्वारा पीड़ित लोगों के बीच वस्त्र का वितरण किया गया। मुखिया ने बताया कि सीओ दिनारा द्वारा रिपोर्ट जिला भेज दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान ने बंद किया हॉर्मुज जलडमरूमध्य,अमेरिका पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप

तेहरान,एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दावा किया है कि उन्होंने दुनिया के कई बड़े युद्धों को खत्म कराया है। जिसमें भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव शामिल है। उन्होंने कहा कि अगर यह संघर्ष नहीं रुकता, तब करोड़ों लोगों की जान जाती। ट्रंप के मुताबिक, उन्होंने कुल 8 युद्ध खत्म कराए हैं और अगर ईरान-लेबनान को जोड़ने पर यह संख्या 10 तक पहुंचती है। ट्रंप ने कि अमेरिका ने इजरायल और लेबनान के बीच ऐतिहासिक युद्धविराम कराने में अहम भूमिका निभाई। साथ ही उन्होंने बताया कि ईरान के साथ बातचीत जारी है और जल्द ही कोई बड़ा समझौता हो सकता है। होर्मुज को लेकर भी ट्रंप ने कहा कि यह अब पूरी तरह खुला है और व्यापार के लिए सुरक्षित है। यह जलमार्ग दुनिया के तेल व्यापार के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हालांकि उन्होंने कहा कि अमेरिका की नौसेना की मौजूदगी तब तक बनी रहेगी, जब तक ईरान के साथ समझौता पूरी तरह पूरा नहीं होता। वहीं ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है कि अगर अमेरिकी नाकेबंदी नहीं खोली गई है, तब हॉर्मुज जलडमरूमध्य खुला नहीं रहेगा। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि ईरान के साथ समझौता पूरी तरह पूरा होने तक ईरान जाने वाले जहाजों पर लगी पाबंदी रहेगी। इस पर ईरान की संसद के स्पीकर और मुख्य वातार्कार गालिबाफ ने कहा कि अगर अमेरिका ने नाकेबंदी जारी रखी, तब हॉर्मुज जलडमरूमध्य खुला नहीं रहेगा।

अफगानिस्तान में आया 5.0 तीव्रता का भूकंप, कश्मीर में भी लगे झटके

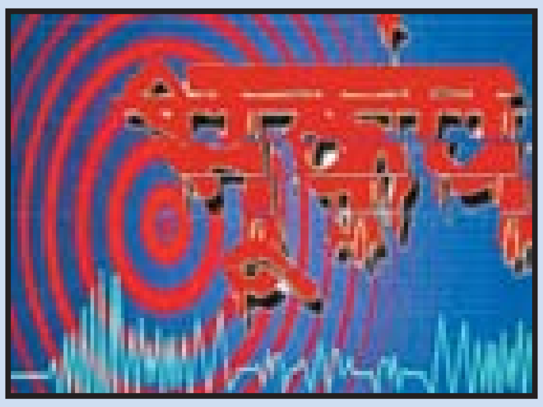

काबुल,एजेंसी।

शनिवार सुबह अफगानिस्तान के कुछ हिस्सों में रिक्टर पैमाने पर 5.0 तीव्रता का भूकंप आया, इसके झटके कश्मीर घाटी में भी महसूस किए गए। भूकंपीय आंकड़ों के मुताबिक भूकंप सुबह करीब 8:24 बजे आया। भूकंप अफगानिस्तान के बदख्शां क्षेत्र में जायबक के पास केंद्रित था। यह सतह के नीचे करीब 190 किलोमीटर की गहराई पर हुई, जिससे संभवतः जमीन पर महसूस होने वाली तीव्रता कम हो गई। विशेषज्ञों का अनुमान है कि भूकंप से करीब 477 टन टीएनटी के बराबर ऊर्जा निकली, जो इसकी गहराई के बावजूद भूकंपीय गतिविधि की ताकत को उजागर करती है। भूकंप के समय भूकंप के केंद्र पर मौसम बादल छाए हुए थे, तापमान करीब 20.5 डिग्री सेल्सियस और मध्यम आर्द्रता थी। कश्मीर घाटी के कई हिस्सों में हल्के झटके महसूस किए गए, हालांकि क्षति या चोट की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि भूकंप आने पर जमीन पर लेट जाएं, किसी मजबूत मेज या डेस्क के नीचे छिप जाएं और तब तक रुके रहें जब तक झटके बंद न हो जाएं। यदि कोई आश्रय उपलब्ध नहीं है तो अपने सिर और गर्दन को अपनी भुजाओं से सुरक्षित रखें। यदि आप अंदर हैं तो घर के अंदर ही रहें, झटकों के दौरान बाहर न भागें। खिड़कियों, कांच, दर्पणों और भारी वस्तुओं से दूर रहें जो गिर सकती हैं। यदि आप बाहर हैं, तो इमारतों, पेड़ों, स्ट्रीट लाइटों और उपयोगिता तारों से दूर किसी खुले क्षेत्र में चले जाएं। यदि आप गाड़ी चला रहे हैं, तो पुलों, फ्लाईओवरों और इमारतों से दूर सुरक्षित रूप से रुकें और वाहन के अंदर ही रहें।

फ्रांस के राष्ट्रपति का ग्रीटिंग किस, घबरा गईं मेलोनी, वायरल हुआ वीडियो

रोम,एजेंसी।

दुनियाभर में इन दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अपनी निजी और राजनयिक गतिविधियों को लेकर चर्चा के केंद्र में बने हुए हैं। मैक्रों और डोनाल्ड ट्रंप के बीच तल्ख रिश्तों की खबरें पहले ही सुर्खियां बटोरती रही हैं, लेकिन ताजा मामला इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ उनके एक मुलाकात के वीडियो से जुड़ा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इसे लेकर तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब मैक्रों पहले ही डोनाल्ड ट्रंप के तीखे तंज का सामना कर रहे हैं। ट्रंप ने मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिगिट मैक्रों के बीच उम्र के फासले और उनकी व्यक्तिगत जिंदगी को लेकर सार्वजनिक रूप से कटाक्ष किए थे, जिसे पश्चिमी मीडिया में भी काफी हवा मिली थी। इस निजी गॉसिप और विवादों के बीच इटली की प्रधानमंत्री को उनके द्वारा ग्रीट करने का अंदाज अब इंटरनेट पर चर्चा का नया विषय बन गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि मैक्रों, प्रधानमंत्री मेलोनी से मिलते समय उन्हें पारंपरिक यूरोपीय शैली में चीक किस करके अभिवादन करते हैं। हालांकि, इस जेस्चर के दौरान मेलोनी के चेहरे पर हल्की असहजता साफ दिखाई दे रही है,

अमेरिका-ईरान के बीच एक बार फिर सोमवार को होगी इस्लामाबाद में वार्ता

वॉशिंगटन और तेहरान की ओर से इस बैठक की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं

इस्लामाबाद,एजेंसी।

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच अब एक बार फिर कूटनीतिक हल तलाशने की कोशिश तेज हो गई है। अमेरिका-ईरान के बीच परमाणु मुद्दे पर नई वार्ता का दौर शुरू होने वाला है और एक बार फिर मंच बना है इस्लामाबाद। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देशों के प्रतिनिधि रविवार तक पाकिस्तान पहुंच सकते हैं और सोमवार को औपचारिक बातचीत शुरू हो सकती है। हालांकि अभी तक न तो वॉशिंगटन और न ही तेहरान की ओर से इस बैठक की आधिकारिक पुष्टि हुई है, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही संकेत दे चुके हैं कि बातचीत जल्द हो सकती है। इससे साफ है कि पर्दे के पीछे तैयारी पूरी हो चुकी है। इनके अलावा ईरानी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि इस्लामाबाद में अगले दौर की बातचीत सोमवार को तय है। इससे पहले पिछले वीकेंड हुई बातचीत कई घंटों तक चली, लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला था। ऐसे में इस बार की वार्ता और भी अहम है, क्योंकि पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुआ दो हफ्तों का सीजफायर अब खत्म होने वाला है। अगर इस बार भी बातचीत विफल रहती है, तो क्षेत्र में तनाव फिर से भड़क सकता है। यही वजह है कि पूरी

दुनिया की नजर इस बैठक पर टिकी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने भरोसा जताया है कि दोनों देश समझौते के काफी करीब हैं। उनका कहना है कि ईरान कुछ अहम मुद्दों पर सहमति को तैयार है, लेकिन दूसरी तरफ ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों ने ट्रंप के इन दावों पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि तेहरान ने अभी तक कोई बड़ा समझौता नहीं किया है और कई मुद्दों पर मतभेद बरकरार हैं यानी साफ है कि दोनों पक्षों के बीच भरोसे की कमी अभी भी बड़ी बाधा है। इस पूरे संकट का सबसे अहम केंद्र होर्मुज स्ट्रेट है। यह दुनिया का सबसे अहम ऑयल रूट है, जहां से बड़ी मात्रा में तेल सप्लाई होती है। हालांकि ईरान ने कहा है कि यह रास्ता कमर्शियल जहाजों के लिए खुला है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही दिख रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बहुत कम जहाज इस रास्ते से गुजर रहे हैं। ईरान की संसद के स्पीकर ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने अपना नौसैनिक ब्लॉकेड नहीं हटाया, तो इस स्ट्रेट को फिर से बंद किया जा सकता है। इससे वैश्विक ऊर्जा संकट और गहरा सकता है। इधर लेबनान में इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच 10 दिन का सीजफायर लागू हो गया है। हालांकि यह समझौता अभी तक काफी हद तक कायम है, लेकिन लेबनान की तरफ से इजराइल पर उल्लंघन के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। यह मुद्दा भी अमेरिका-ईरान बातचीत में एक अहम भूमिका निभा रहा है, क्योंकि ईरान हिज्बुल्लाह का समर्थक है।

दुबई में भारतीय बच्चों ने गाया यूएई का राष्ट्रगान, लोग ही नहीं क्राउन प्रिंस ने की तारीफ

बच्चे सफेद रंग की पारंपरिक पोशाक और यूएई के झंडे के रंग वाले स्कार्फ पहने थे

दुबई,एजेंसी।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में 13 भारतीय बच्चे संयुक्त अरब अमीरात का राष्ट्रगान शास्त्रीय संगीत के साथ गाते नजर आ रहे हैं। उनकी इस खास प्रस्तुति ने लोगों का दिल जीत लिया है और हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है। यह वीडियो दुबई के एक म्यूजिक ग्रुप ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था। इसके बाद यह तेजी से वायरल हो गया। वीडियो में बच्चे सफेद रंग के पारंपरिक कपड़ों में दिख रहे हैं। उन्होंने यूएई के झंडे के रंग वाले स्कार्फ भी पहने हैं उनकी सादगी और एकजुटता इस प्रस्तुति को और भी खास बना देती है। बच्चों ने यूएई के राष्ट्रगान को भारतीय शास्त्रीय संगीत के साथ पेश किया। इसके लिए उन्होंने कई वाद्य यंत्रों का इस्तेमाल किया जिनमें हारमोनियम, तबला, ढोलक, पखावज, सितार, सरोद, बांसुरी और जल तरंग शामिल थे। जब इन वाद्ययंत्रों की धुन के साथ राष्ट्रगान गाया गया तो इसमें भारतीय संगीत और यूएई के प्रति सम्मान दोनों साफ नजर आए। इस प्रस्तुति के पीछे की सोच भी बहुत अच्छी है। म्युजिक ग्रुप के संस्थापक ने बताया कि उन्हें यह आइडिया यूएई में रहने के दौरान मिला। वहां उन्होंने देखा कि सरकार लोगों का कितना ध्यान रखती है। उन्होंने एक जगह लिखा हुआ देखा- यूएई में हर कोई

अमीराती है। यह बात उन्हें बहुत पसंद आई और उन्होंने सोचा कि इस भावना को संगीत के जरिए दिखाया जाए। इस वीडियो को दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने भी देखा और उन्हें यह इतना अच्छा लगा कि उन्होंने इसे अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया और बच्चों की तारीफ की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोशल मीडिया पर भी लोगों ने इस वीडियो को खूब पसंद किया। कई लोगों ने कहा कि यह बहुत भावुक और दिल छू लेने वाला है। कुछ लोगों ने कहा कि संगीत के जरिए दो अलग-अलग संस्कृतियों को जोड़ना बहुत खूबसूरत है। लोगों ने बच्चों की मेहनत और टैलेंट की भी खूब तारीफ की।

ईरान की विशाल संपत्तियां विश्व के कोने-कोने में बिखरी, अमेरिका से इसे जारी करने की मांग

अगर ये जमी संपत्तियां मिल जाती हैं, तो ईरान की अर्थव्यवस्था में आ जाएगा सुधार

तेहरान,एजेंसी।

ईरान की अर्थव्यवस्था के भविष्य को लेकर वैश्विक स्तर पर बड़ी अटकलें लगाई जा रही हैं। खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के किसी संभावित फैसले के बाद। करीब आठ लाख करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि, जो कई देशों के बैंकों में दशकों से फंसी हुई है, अगर वह जारी हो जाती है तो ईरान को एक अभूतपूर्व आर्थिक सहारा मिल सकता है, लेकिन यह एक बड़ा सवाल है कि आखिर यह विशाल राशि कहां-कहां अटकी है और इसे अब तक वापस क्यों नहीं किया गया? अमेरिका से लेकर यूरोप और एशिया तक फैला यह फ्रोजन एसेट्स का जाल अब एक बार फिर वैश्विक राजनीति के केंद्र में आ गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान एक बार फिर अमेरिका से अपनी इस अहम फ्रोजन एसेट्स को जारी करने की मांग कर रहा है। ये संपत्तियां कई देशों के बैंकों में सालों से जमी हैं और ईरान इन्हें अपनी चरमराती अर्थव्यवस्था के लिए अहम मान रहा है। फ्रोजन एसेट्स या जमी हुई संपत्तियां, वित्तीय विश्व में एक जटिल अवधारणा है। यह तब होता है जब कोई देश या अंतरराष्ट्रीय संगठन किसी दूसरे देश की संपत्ति, धनराशि या बैंक खातों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा देता है। अमेरिका ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही ईरान पर कई कड़े प्रतिबंध लगाए हैं, जिसके परिणामस्वरूप ईरान अपने तेल निर्यात से अर्जित

अरबों डॉलर का इस्तेमाल करने में असमर्थ है। रिपोर्टों के मुताबिक ईरान की ये विशाल संपत्तियां विश्व के कोने-कोने में बिखरी हुई हैं। चीन में करीब 20 अरब डॉलर, जापान में 1.5 अरब डॉलर, इराक में 6 अरब डॉलर और भारत में करीब 7 अरब डॉलर की राशि फंसी हुई है। इसके अतिरिक्त, अमेरिका और यूरोपीय देशों में भी अरबों डॉलर की धनराशि जमा है, जो अब वैश्विक राजनीति का एक अहम मुद्दा बन गई है। ईरान को इस धनराशि की बहुत जरुरत है। दशकों से चले आ रहे अमेरिकी प्रतिबंधों, भू-राजनीतिक तनाव और हालिया क्षेत्रीय संघर्षों ने देश की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। ईरान में महंगाई आसमान छू रही है और उनकी राष्ट्रीय मुद्रा रियाल की कीमत लगातार गिरती जा रही है,

ईरान-अमेरिका युद्धविराम पर गहराया संकट, राष्ट्रपति ट्रंप की तेहरान को अंतिम चेतावनी

वॉशिंगटन,एजेंसी।

ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव एक बार फिर नाजुक मोड़ पर पहुँच गया है। खाड़ी क्षेत्र में अस्थायी शांति के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि बुधवार तक कोई दीर्घकालिक समझौता नहीं होता, तो वर्तमान युद्ध-विराम को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। सोमवार को दोनों देशों के प्रतिनिधियों के इस्लामाबाद में बातचीत की मेज पर बैठने की संभावना है, जिसे शांति बहाली की आखिरी कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप ने शुक्रवार को एयर फोर्स वन में पत्रकारों से चर्चा के दौरान संकेत दिए कि मध्य पूर्व से कुछ सकारात्मक खबरें मिली हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि समझौता न होने की स्थिति में अमेरिका फिर से सैन्य

कार्रवाई और बमबारी शुरू कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) में अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी तब तक जारी रहेगी, जब तक ईरान के साथ सौ फीसदी डील फाइनल नहीं हो जाती। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि वर्तमान में यह महत्वपूर्ण जलमार्ग व्यापार के लिए खुला है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में तनाव कम होने के संकेत मिले हैं। लेकिन ट्रंप ने साफ किया कि अमेरिकी सेना की मौजूदगी और नाकाबंदी में तब तक ढील नहीं दी जाएगी, जब तक औपचारिक हस्ताक्षर नहीं हो जाते। ट्रंप के इस बयान ने दुनिया के सबसे संवेदनशील एनर्जी कॉरिडोर में फिर से अनिश्चितता पैदा कर दी है। एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में ट्रंप ने न्यूक्लियर डस्ट को वापस लाने की योजना का भी जिक्र किया। यह डस्ट ईरान में पुराने अमेरिकी हमलों के मलबे से संबंधित है, जिसे वापस लाने के लिए उन्होंने एक संयुक्त खुदाई ऑपरेशन का सुझाव दिया है। राष्ट्रपति ने अपनी कूटनीतिक कोशिशों का बचाव

करते हुए दावा किया कि हाल के प्रयासों से इजरायल और लेबनान के बीच ऐसा युद्धविराम संभव हुआ है, जो पिछले 78 सालों में नहीं देखा गया। उन्होंने इस क्षेत्रीय स्थिरता के लिए पाकिस्तान के नेतृत्व सहित सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और कुवैत जैसे देशों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

जंग में अमेरिकी ठिकानों को ईरान ने बनाया निशाना, ट्रंप को अरबों डॉलर का नुकसान

वाशिंगटन,एजेंसी।

कुछ दिन पहले जब ईरान ने मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले कर तबाह किए और अमेरिका के सैन्य ठिकानों को कई जगह निशाना बनाया था। उस वक्त पूरी दुनिया हैरान रह गई थी और सवाल उठा कि आखिर ईरान के पास इतनी सटीक लोकेशन कहां से आई? अब एक ऐसी रिपोर्ट सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने कुछ साल पहले चीन से एक सेटेलाइट खरीदा था। मीडिया रिपोर्ट में ऐसा छापा गया है कि ईरान ने 2024 के आखिर में चीन से गुपचुप तरीके से एक स्पाई सेटेलाइट खरीदी था जिसका नाम टीई01 है। इसे बनाया और लॉन्च किया चीन की एक कंपनी अर्थ आई ने। कागजों पर तो यह कमर्शियल डील दिखती है, लेकिन इसके पीछे का सच कुछ और है। लीक हुए कुछ दस्तावेजों के मुताबिक इस सेटेलाइट का कंट्रोल ईरान की सिविलियन स्पेस एजेंसी के पास नहीं बल्कि सीधे आईआरजीसी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉप्स के पास था। इस खबर के बाहर आते ही चर्चा शुरू हो गई। आखिरकार ईरान ने जो हमले किए अब उसके पीछे चीनी सेटेलाइट्स का हाथ बताया जा रहा है। दरअसल इसका असर कुछ ऐसे हुआ कि मार्च 2026 के महीने में जब ईरान ने अमेरिका के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर हमला किया तो उसके ठीक 24 घंटे पहले ही सटीक तस्वीरें इसी सेटेलाइट ने ईरान को भेजी थीं। हमला खत्म होने के बाद नुकसान कितना हुआ इसकी जानकारी भी इसी सेटेलाइट ने दी यानी चीनी तकनीक ईरान के लिए आंख और कान का काम कर रही थी तो कुल मिलाकर देखा जाए तो अमेरिका पर जो हमले ईरान ने किए उसमें कहीं ना कहीं चीनी सेटेलाइट का भी एक बड़ा रोल था। अब सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा होता है कि इस हमले में अमेरिका को नुकसान कितना हुआ। क्योंकि अमेरिका ने भी इस बात की पुष्टि की थी कि इस जंग में उनके फाइटर जेट्स को नुकसान पहुंचा है, लेकिन सूची बहुत लंबी है। इस जंग में अमेरिका को भारी नुकसान हुआ और कहीं ना कहीं इसके पीछे इस चीनी सेटेलाइट का भी एक बड़ा रोल रहा है। इस जंग में ईरान को तो नुकसान हुआ ही लेकिन अमेरिका ने उम्मीद नहीं की होगी कि उसे इतना भारी नुकसान होगा। रिपोर्ट के मुताबिक सबसे पहले अमेरिका का एफ-15 ई स्ट्राइक ईगल गिराया गया। ए10 थंडरब्ट टू गिराया गया। एमक्यू9 रिपर ड्रोन कम से कम 20 से 24 ड्रोन्स गिराए गए। इसके अलावा चीनूक हेलीकॉप्टर यहां तक कि ब्लैक हॉक के डैमेज होने की भी रिपोर्ट्स थी। ईरान ने तो यहां तक दावा किया था

पाक में भारत के मोस्ट वॉन्टेड आतंकियों का सफाया, अज्ञात हमलावरों के खौफ से कांपे आतंकी

इस्लामाबाद,एजेंसी।

पाकिस्तान की धरती पर पनाह लिए भारत के मोस्ट वॉन्टेड घोषित आतंकियों के लिए इन दिनों अज्ञात हमलावर काल बनकर उभर रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक सदस्य और कुख्यात आतंकी हाफिज सईद के बेहद करीबी आमिर हमजा को लाहौर में निशाना बनाया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार अज्ञात हमलावरों ने हमजा पर उस वक्त ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं जब वह असुरक्षित स्थिति में था। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया है और फिलहाल अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। यह घटना पाकिस्तान में छिपे उन तमाम आतंकियों के लिए एक कड़ा संदेश मानी जा रही है जो दशकों से वहां सुरक्षित पनाहगाहों का आनंद ले

रहे थे। पिछले दो-तीन वर्षों के दौरान पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे खतरनाक संगठनों के कई शीर्ष कमांडरों का रहस्यमय तरीके से सफाया हुआ है। साल 2023 के बाद से इन टारगेट किलिंग्स में जबरदस्त तेजी देखी गई है, जहां महज सात महीनों के भीतर सात बड़े आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया गया। इन हत्याओं की सूची लंबी और चौंकाने वाली है। इसमें जैश प्रमुख मसूद अजहर का भाई मोहम्मद ताहिर अनवर, रियासी हमले का मास्टरमाइंड अबू कतल, और पठानकोट हमले का मुख्य आरोपी शाहिद लतीफ शामिल हैं। इसके अलावा खालिस्तान कमांडो फोर्स के प्रमुख परमजीत सिंह पंजवड़ को भी लाहौर के जौहर टाउन में सुबह की सैर के दौरान ढेर कर दिया गया था। इन अज्ञात हमलावरों के निशाने पर केवल नए आतंकी ही नहीं हैं, बल्कि पुराने हिसाब भी बराबर किए जा रहे हैं। वर्ष 1999 के कुख्यात आईसी-814 विमान अपहरण कांड के मुख्य अपहरणकताओं में से एक मिस्त्री जहूर इब्राहिम, जो दशकों से अपनी पहचान बदलकर पाकिस्तान में छिपा था, उसे भी कराची

में मार गिराया गया। लश्कर की भर्ती सेल का मुख्य चेहरा अकरम खान गाजी और कराची के धार्मिक संस्थान के पास मारा गया मुफ्ती कैसर फारूक भी इसी अज्ञात शक्ति का शिकार बने हैं।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्रनाथ पांडेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)